RNI NO. HARHIN/2018/75109
वर्ष 5 अंक 288
फरीदाबाद, सोमवार, 28 नवंबर, 2022
पृष्ठ 12, मूल्य 3 रुपये
नगर संस्करण

फरीदाबाद, नई दिल्ली, लखनऊ और रायपुर से प्रकाशित

पायनियर

ई-पेपर www.pioneerhindi.com पर पढ़िए YouTube सब्सक्राइब करें Pioneer Haryana

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा मैच बारिश में धुला

पेज - 12

मौसम फरीदाबाद
अधिकतम 26.00°C
न्यूनतम 12.00°C

क्विक न्यूज

पीटी ऊषा का भारतीय ओलंपिक संघ का अध्यक्ष बनना तय

नई दिल्ली। पीटी ऊषा का भारतीय ओलंपिक संघ का नया अध्यक्ष बनना तय है। वे इस पद के लिए अब एकमात्र कैंडिडेट बची हैं। ऊषा ने शनिवार को भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन भरने का ऐलान किया था। चुनाव दस दिसंबर को होंगे। उन्होंने ट्वीट किया था 'अपने साथी खिलाड़ियों और राष्ट्रीय महासंघों के समर्थन से आईओए अध्यक्ष पद के लिये नामांकन भरकर काफी गौरवान्वित हूं।' रविवार को ऊषा ने नॉमिनेशन भर दिया। उनके 14 अन्य सहयोगियों ने भी आईओए के विभिन्न पदों के लिए नॉमिनेशन जमा किए हैं। रविवार को नॉमिनेशन जमा करने का आखिरी दिन था।

उत्तरी 24 परगना जिले में बम धमाके, चार लोग घायल

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल के उत्तरी 24 परगना जिले के जगद्दल इलाके में रविवार तड़के हुए कई बम धमाकों में चार लोग घायल हो गए। इनमें से एक गंभीर है। घटना से इलाके में दहशत फैल गई। बैरकपुर पुलिस ने बताया कि शनिवार रात मैरिज हॉल में संगीत बजाने को लेकर शादी पार्टी के कुछ सदस्यों और एक स्थानीय निवासी के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद मैरिज हाल के सामने कई देसी बम फेंके गए। इसमें शादी वाले घर के चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने बम फेंकने वाले पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सांसद की धमकी के बाद बदला बस स्टॉप का रूप

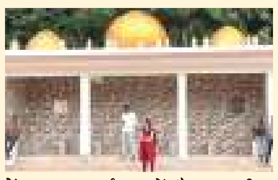

बेंगलुरु। कर्नाटक में मैसूरु ऊटी रोड पर बने बस स्टॉप का रंग रूप बदल दिया गया है। दरअसल पहले इस पर तीन गुंबद थे। एक भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि ये मस्जिद जैसा दिख रहा था। उन्होंने कहा था कि इसे ठीक नहीं किया तो वे इसे बुलडोजर से गिरा देंगे। इस पर बस स्टॉप का रूप रंग बदल दिया गया। अब इस पर केवल एक ही गुंबद दिख रहा है, जिसे लाल रंग से रंगा गया है।

ट्रेन की चपेट में आने से तीन बच्चों की मौत

नई दिल्ली। पंजाब के रूपनगर में श्री कीरतपुर साहिब के पास रविवार को पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से तीन बच्चों की मौत हो गई। ये बच्चे बेर खाने जा रहे थे। वे पटरी पार करने की कोशिश कर रहे थे तभी ट्रेन आ गई। इससे बच्चे ट्रेन की चपेट में आ गए। मरने वाले बच्चों की उम्र सात से 11 साल के बीच बताई जा रही है।

मप्र : पेड़ से टकराई कार तीन वन कर्मचारियों की मौत

खंडवा (मप्र)। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले में रविवार को एक कार के पेड़ से टकरा जाने से वन विभाग के तीन कर्मचारियों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह ने बताया कि यह घटना खंडवा जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर पिपलौद पुलिस थानाक्षेत्र के ग्राम कुमठा के पास दोपहर एक बजे के आसपास हुई। उन्होंने कहा कि इस हादसे में मध्य प्रदेश वन विभाग के तीन कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि कार का चालक घायल हो गया। वहीं, मुख्य वन संरक्षक आर के राय ने बताया कि मृतकों में एक रेंजर और दो वनरक्षक शामिल हैं।

विज्ञापन के लिए करें संपर्क
Rakesh Kapoor 9582468441

केंद्रीय मंत्री ने कहा, देश में जनसंख्या नियंत्रण बिल लाएं

जो धर्म-संप्रदाय कानून न मानें, उनसे वोट देने का अधिकार छीनें : गिरिराज

एजेंसी। नई दिल्ली

अपने बयानों से हमेशा चर्चा में रहने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में हर एक मिनट में 30 बच्चे पैदा हो रहे हैं। इसलिए देश में जनसंख्या नियंत्रण बिल बहुत जरूरी है।

गिरिराज ने ये भी कहा कि बिल को धर्म या संप्रदाय के बिना सभी पर लागू किया जाना चाहिए। जो इसका पालन नहीं करे उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं दिया जाए। उनके वोटिंग अधिकार भी ले लिए जाएं। चीन ने वन चाइल्ड पॉलिसी बनाई। हम उनसे कैसे कॉम्पीट करेंगे। गिरिराज सिंह का मानना है कि अगर जनसंख्या नियंत्रण कानून नहीं बना तों देश में न तो सोशल हारमनी बचेगी, न ही एकता। न ही भारत का विकास हो पाएगा। उन्होंने कहा कि 1978 के पहले चीन की जीडीपी भारत की जीडीपी से कम थी। आज चीन हमसे ज्यादा समृद्ध है, क्योंकि 1979 में चीन अपने देश में वन चाइल्ड पॉलिसी लाया। गिरिराज सिंह के मुताबिक चीन में एक मिनट में 10

बोले, भारत में हर एक मिनट में तीस बच्चे हो रहे पैदा

बच्चे पैदा होते हैं जबकि भारत में 30 बच्चे पैदा होते हैं। ऐसे में हम चीन से कैसे मुकाबला करेंगे।

इस दौरान उन्होंने एआइएमआइएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी पर निशाना साधा। गिरिराज ने कहा कि जो बैरिस्टर साहब हैं। उनमें जिन्ना का डीएनए बैठ गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ओवैसी के पास देश में नफरत के अलावा कुछ काम नहीं है। वो गजवा-ए- हिंद के समर्थक हैं। आज देश को गजवा-ए- हिंद नहीं भारत माता का सपूत चाहिए। बता दें, जनसंख्या विस्फोट से जूझ रहा भारत आबादी के मामले में अगले साल चीन को पछाड़ देगा। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2023 तक भारत दुनिया की सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन जाएगा। चीन की आबादी 1.426 अरब है और भारत की आबादी 1.412 अरब है।

2023 में भारत की जनसंख्या हो जाएगी 1.429 अरब

माना जा रहा है कि 2023 में भारत की जनसंख्या बढ़कर 1.429 अरब होने वाली है। साथ ही 2050 तक यह आंकड़ा 1.668 अरब तक पहुंच जाएगा। दुनिया में इंसानों की आबादी 8 अरब पार कर गई है। हैरानी होती है कि इंसान को शुरुआती एक अरब होने में एक लाख 99 हजार 800 साल लगे थे, फिर इसके बाद इतनी तेज रफ्तार से बढ़े कि सिर्फ 222 साल में 1 अरब से 8 अरब हो गए। आखिरी 100 करोड़ लोग तो महज 11 साल में बढ़ गए हैं।

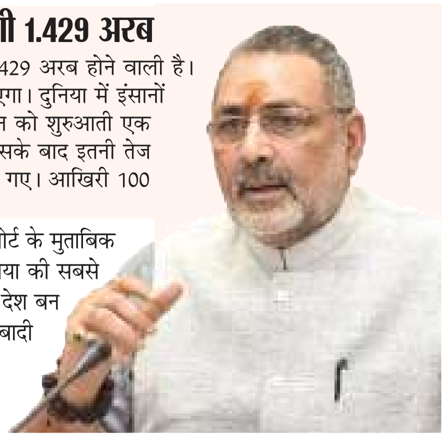

पाकिस्तान: आर्मी चीफ के आने से दो अफसरों ने लिया रिटायरमेंट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की फौज में फूट पड़ने के संकेत मिल रहे हैं। नए आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर के अपॉइंटमेंट से खफा दो सीनियर जनरल्स ने पद छोड़ने का फैसला कर लिया है। खास बात ये है कि ये दोनों ही जनरल पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीबी और दोस्त हैं। इनमें से एक लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद इमरान सरकार के दौर में आईएसआई के चीफ थे। उन्हें आउटगोइंग आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा ने इस पोस्ट से हटा दिया था। दूसरे अफसर का नाम लेफ्टिनेंट जनरल अजहर अब्बास है। वो भी इमरान के चहेते हैं। कुछ और सीनियर अफसर भी जल्द ही पद छोड़ सकते हैं।

हरियाणा पंचायत चुनाव का शोरगुल आज थमा, सभी नतीजे घोषित

सत्ता में रहते भाजपा पंचकूला जिप की सभी दस सीट हारी

चुनी गई छोटी सरकार

भाजपा सांसद की पत्नी हारी, शराब तस्कर जीता

जजपा और कांग्रेस समर्थित प्रत्याशियों ने सभी 10 सीट जीतीं

जजपा युवा जिला अध्यक्ष की मां भी हार गईं चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। पंचकूला

हरियाणा के पंचकूला में जिला परिषद चुनाव में भाजपा को करारी हार का सामना करना पड़ा है। जिला परिषद के यहां 10 वार्ड हैं। भाजपा सरकार में होते हुए भी अपने प्रत्याशियों को एक भी वार्ड में जिता नहीं सकी। सभी सीटों पर निर्दलियों ने बाजी मारी है। हालांकि कईयों को कांग्रेस और जजपा समर्थक बताया जा रहा है। चुनाव जीते प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र बांटे गए। मतगणना पूरी तरह से शांतिपूर्ण रही। चुनाव जीतने वालों ने विजय जुलूस निकाले।

बता दें कि पंचकूला में जिला परिषद की 10 सीटों में से आठ कालका विधानसभा क्षेत्र और दो पंचकूला विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती हैं। साल 2019 में हुए विधानसभा चुनावों में बीजेपी कालका विधानसभा सीट से हार गई थी और यहां से कांग्रेस प्रत्याशी प्रदीप चौधरी विधायक बने थे। जबकि पंचकूला से बीजेपी के ज्ञानचंद गुप्ता विधायक बने थे। वे अब विधानसभा स्पीकर हैं।

पंचकूला जिला परिषद के वार्ड-नंबर-1 से मंदीप सिंह 6319 वोट लेकर चुनाव जीते। वार्ड-2 से राजिंदर सिंह 4239 वोट लेकर जीते। वार्ड-3 से मोनिका देवी ने 4508 वोट के साथ विजेता रही। वार्ड-4 से सुनील कुमार 4893 वोट पाकर विजयी रहे। वार्ड-5 से रोमा देवी 2211 वोट लेकर चुनाव जीती। वार्ड-6 से बलविंदर सिंह 7537 मत लेकर जीते। वार्ड-7 से पूजा रानी 4116 वोट लेकर बाजी मारी। वार्ड-8 से बहादुर सिंह 2754 वोट लेकर चुनाव जीते। वार्ड-9 से माला रानी 3913 वोट लेकर जीत गई। वार्ड-10 से सुदर्शन रेनू 4520 मत लेकर चुनाव जीती है।

उधर, हरियाणा के सभी 22 जिलों में 143 पंचायत समितियों एवं 22 जिला परिषदों के सदस्यों के चुनाव के लिए मतगणना पूरी हो गई। इस दौरान जिला परिषद की 411 और पंचायत समिति की 3081 सीटों पर हार-जीत का फैसला मतदाताओं ने किया। हिसार जिला परिषद के वार्ड नंबर-19 के प्रत्याशी ओमप्रकाश मात्र एक वोट से जीत मिली है। सबसे रोचक बात यह रही कि अंबाला में वार्ड नंबर-4 से भाजपा के कुरुक्षेत्र से सांसद नायब सिंह सैनी की पत्नी सुमन सैनी चुनाव हार गई हैं। उनकी पत्नी को राजेश देवी ने 236 वोट से हराया। सांसद की पत्नी सुमन सैनी चौथे नंबर पर रही।

हिसार जिला परिषद के वार्ड नंबर 19 के प्रत्याशी ओम प्रकाश मात्र 1 वोट से जीत मिली है। दूसरे नंबर पर प्रत्याशी रहे जगदीश कुमार ने प्रशासन को उन्हें मतगणना कराने की एप्लीकेशन भी दी। लेकिन एडीसी नीरज कुमार ने दोबारा काउंटिंग कराने से मना कर दिया उन्होंने कहा कि हर राउंड में हर प्रत्याशी के एजेंटों के साइन होते हैं। ऐसे में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं हो सकती है।

जींद के जुलाना में हंगामे के बाद जिला परिषद के वार्ड 17 में विजय गोयल को 68 वोटों से विजेता घोषित किया गया। करीब दो घंटे तक हंगामा चला। विजय गोयल ने आरोप लगाया कि वे दो हजार वोटों से जीत रहे हैं, लेकिन प्रशासन रोडा अटका रहा है। बाद में वे जुलाना कॉलेज के बाहर समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। बाद में 68 वोटों से विजयी हुए तो समर्थकों ने जमकर नारेबाजी कर खुशी मनाई। उधर रेवाड़ी शहर के सबसे हॉट वार्ड नंबर 11 के जिला परिषद चुनाव में कांग्रेस समर्थित मनीराम ने बाजी मार ली है। इस सीट पर केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के दो खास समर्थक मनोज पहलवान व राजबीर भी चुनाव लड़ रहे थे। दोनों को हार मिली है।

पत्नी को भी नहीं जिता सके बीजेपी सांसद

नायब सैनी

सुमन सैनी

महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रदेश में पिछली बार 33 प्रतिशत आरक्षण लागू था, लेकिन 41 प्रतिशत से अधिक महिलाएं जीत हासिल कर सरपंच बनीं। इस बार 50 प्रतिशत आरक्षण लागू होने के बाद आधी पंचायतों की चौधर महिलाओं के हाथ में होगी।

हार-जीत को लेकर आपस में भिड़े दो प्रत्याशी

करनाल के घरौंडा में वार्ड नंबर-3 के दो ब्लॉक समिति के उम्मीदवार थे। जिसमें एक उम्मीदवार की हार हो गई। जब दोनों उम्मीदवार काउंटिंग केंद्र से बाहर आए तो हार-जीत को लेकर बहस हो गई और दोनों में पक्षों में इस दौरान जमकर लात-घूंसे चले। पुलिस ने हंगामा करने वालों को हिरासत में ले लिया।

रेवाड़ी में शराब तस्करी के मामले में पुलिस की कस्टडी से फरार होने के आरोपी वाले वार्ड नंबर-3 से प्रत्याशी जीवन हितैषी उर्फ लाला ने भी जीत दर्ज की है। नामांकन करने के बाद उसने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था।

सिरसा से इनेलो नेता अभय सिंह चौटाला के बेटे कर्ण चौटाला वार्ड नंबर छह से 625 वोटों से जीते। फतेहाबाद के वार्ड नंबर 11 से जजपा के युवा जिला अध्यक्ष अजय संधू की माता दविंदर कौर संधू हार गई। यहां से इनेलो की अंजू बाला जीती। यहां कांग्रेस दूसरे और भाजपा चौथे नंबर पर रही। भिवानी के लोहारू वार्ड 19 जिला परिषद से जजपा के जिलाध्यक्ष विजय सिंह गोठड़ा की पत्नी चुनाव हार गई। वह चौथे स्थान पर रहीं। यहां से भाजपा समर्थित उम्मीदवार सुनीता 249 वोट से विजय हुई। कुरुक्षेत्र में आम आदमी पार्टी का खुला खाता, जिला परिषद वार्ड 17 से अमरीक सिंह 734 वोटों से जीते। सोनीपत के वार्ड नंबर-9 से सुरेश कुमार ने जिला परिषद सीट पर जीत हासिल की।

अंबाला के वार्ड नंबर-9 से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी मक्खन सिंह लबाणा ने 5059 वोट हासिल कर जीत दर्ज की है। लबाणा 734 वोट से जीते। उन्होंने बीजेपी प्रत्याशी मनदीप राणा को हराया। शाहबाद वार्ड-1 से जेजेपी विधायक रामकरण काला के पुत्र कंवरपाल जीते। वह दूसरी बार जिला परिषद मेंबर बने। उन्होंने 600 वोटों से जीत दर्ज की। अंबाला के वार्ड 10 से बीजेपी प्रत्याशी साक्षी गौड़ ने आजाद प्रत्याशी मनजीत कौर को 769 वोट से मात दी।

महाराष्ट्र में रेलवे फुट ओवर ब्रिज का हिस्सा गिरा, चार यात्री घायल

एजेंसी। मुंबई

महाराष्ट्र में चंद्रपुर में जिले के बल्लारशाह रेलवे स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज का एक हिस्सा गिर गया है। ब्रिज की ऊंचाई 60 फीट थी और हादसे के समय लोग इससे गुजर रहे थे। ब्रिज का हिस्सा टूटते ही लोग 60 फीट की ऊंचाई से रेलवे पटरियों पर गिर गए। पहले इसमें 20 लोगों के घायल होने की खबर थी।

रेलवे की तरफ से आधिकारिक बयान के मुताबिक, चार लोग घायल हुए हैं। सभी को सिविल अस्पताल शिफ्ट किया गया है। फिलहाल किसी की मौत की खबर नहीं है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक बल्लारशाह स्टेशन पर जिस समय यह हादसा हुआ, उस वक्त काजीपेट-पुणे एक्सप्रेस में सवार होने के लिए कई यात्री प्लेटफार्म नंबर एक से प्लेटफार्म नंबर चार पर जा रहे थे। अचानक पुल के बीचों बीच स्लैब का एक हिस्सा ढह गया, जिससे वहां से गुजर रहे यात्री पटरियों पर गिर गए। तेलंगाना राज्य की ओर जाने वाले रूट पर चंद्रपुर जिले का आखरी जंक्शन बल्लारशाह रेलवे स्टेशन है। 2014 में बल्लारशाह रेलवे स्टेशन को देश का नंबर-1 रेलवे स्टेशन होने का तमगा मिला था। उस वक्त महाराष्ट्र में भाजपा की सरकार थी।

पीएम को धमकी भरा ईमेल भेजने वाला गिरफ्तार

बदायूं। गुजरात एटीएस ने शनिवार देर रात उत्तर प्रदेश के बदायूं से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। बदायूं के आदर्श नगर में रहने वाले इस अमन सक्सेना ने प्रधानमंत्री कार्यालय यानी पीएमओ को ईमेल भेजकर प्रधानमंत्री को जान से मारने की धमकी दी थी।

पूछताछ में आरोपी ने बताया है कि पीएमओ को ई-मेल भेजने में गुजरात की एक लड़की और दिल्ली का एक लड़का भी शामिल है।

हरियाणा रोडवेज में शुरू होगा ई-टिकटिंग सिस्टम, राजस्व चोरी रुकेगी

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा रोडवेज बसों में अब ई-टिकटिंग सिस्टम शुरू होने जा रहा है। पहले फेज में सीएम सिटी करनाल सहित छह डिपो चंडीगढ़, फरीदाबाद, सोनीपत, भिवानी और सिरसा को शामिल किया गया है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मंगलवार (कल) को हरियाणा रोडवेज में नई टिकटिंग व्यवस्था की शुरुआत करेंगी। हरियाणा रोडवेज में ओपन लूप टिकटिंग सिस्टम को लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बन जाएगा।

इस नई ई-टिकटिंग व्यवस्था से न केवल यात्रियों को लाभ मिलेगा बल्कि हरियाणा रोडवेज को भी फायदा होगा।

विस्तृत खबर पेज- 8 पर...

चीन में जिनपिंग के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, राष्ट्रपति से इस्तीफे की मांग

जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ प्रदर्शन पर आमादा हुए लोग

एजेंसी। बीजिंग

चीन में एक तरफ कोरोना के मामले बढ़ते जा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ लोग जीरो कोविड पॉलिसी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। लोग इसके विरोध में नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति शी जिनपिंग से इस्तीफा मांग रहे हैं। ये प्रदर्शन 25 नवंबर को शिंजियांग के एक अपार्टमेंट में लगी आग के बाद उग्र हो गया।

दरअसल, जीरो कोविड पॉलिसी के तहत लगाए गए लॉकडाउन के चलते दमकलकर्मी वक्त रहते आग बुझाने यहां नहीं पहुंच पाए। इससे 10 लोगों की मौत हो गई थी। सोशल मीडिया पर विरोध प्रदर्शन के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग सड़कों पर बैनर लेकर खड़े हैं। बैनर पर लिखा है- नीड ह्यूमन राइट, नीड फ्रीडम यानी हमें मानव अधिकार और आजादी चाहिए। एक अन्य वीडियो में लोगों को शी जिनपिंग से इस्तीफा मांगते सुना गया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा-स्टेप डाउन शी एंड कम्युनिस्ट पार्टी। यानी शी और उनकी कम्युनिस्ट पार्टी सत्ता से हट जाएं। हमें कोरोना टेस्ट की जरूरत नहीं है। हमें आजादी चाहिए। हमें डिक्टेटरशिप की बजाय डेमोक्रेसी चाहिए।

महबूबा मुफ्ती का केंद्र को संदेश

'फौज तैनात करने से नहीं निकलेगा कश्मीर मसले का हल'

एजेंसी। श्रीनगर

कश्मीर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने केंद्र की भाजपा सरकार के नाम कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा है कि जब तक कश्मीर के मसले का हल नहीं हो जाता है, तब तक केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में कितनी भी सेना तैनात कर ले, यहां बदलाव नहीं दिखेगा।

रविवार को पार्टी के यूथ कन्वेंशन में भाषण देते हुए महबूबा ने यह भी कहा कि कश्मीर भारत से संविधान के जरिए जुड़ा है। लेकिन, भाजपा ने संविधान को ही खत्म कर दिया है। भारत भाजपा का नहीं है। हम कश्मीर को भाजपा का भारत नहीं बनने देंगे।

महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार को चेतावनी देते हुए यह भी कहा कि सरकार को हमलावरों की तरह बर्ताव नहीं करना चाहिए, क्योंकि कश्मीर के लोगों को उन्हें खदेड़ना आता है। उन्होंने कहा, 'मैं भाजपा को यह बताना चाहती हूं कि जब पाकिस्तान से हमलावर आए थे, तब यहां भारतीय सेना नहीं पहुंच पाई थी। तब यहां के लोगों के पास बंदूकें भी नहीं थीं, इसके बावजूद लोगों ने हमलावरों को खदेड़ दिया था। इसलिए हमलावर मत बनिए, कश्मीरी लोग जानते हैं कि उन्हें कैसे भगाना है।' महबूबा मुफ्ती ने जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के बाद यहां पंचायत चुनाव कराने पर भी केंद्र सरकार को खरी-खोटी सुनाई। उन्होंने कहा कि अगर ये चुनाव इतने ही अच्छे हैं, तो केंद्र की टॉप लीडरशिप इन चुनावों में क्यों नहीं खड़ी होती? महबूबा ने कहा, हमने आपके साथ

संविधान का नाता जोड़ा था, जिसे आपने खत्म कर दिया है। आपने हमारी इज्जत के साथ खिलवाड़ किया। ये काम नहीं करेगा। अगर आप सारी दुनिया से ये कह सकते हैं कि आपने जम्मू-कश्मीर की विधानसभा और संविधान को हटा दिया, लेकिन पंचायत चुनाव कराए हैं, तो आपको केंद्र सरकार के अपने शीर्ष पदों से इस्तीफा देकर पंचायत चुनाव ही लड़ने चाहिए।

महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के सपनों के भारत का जिक्र करते हुए महबूबा मुफ्ती ने कहा कि वह उस भारत की बात करती हैं जिसकी तलाश राहुल गांधी कर रहे हैं। महबूबा बोलीं, कश्मीरी लोग पूछते हैं कि मैंने किस देश के साथ कश्मीर का विलय किया और

कहा, भारत भाजपा का नहीं है, हम कश्मीर को भाजपा का भारत नहीं बनने देंगे

क्यों? मैं बताना चाहती हूं कि जब हिंदू और मुस्लिम धर्म के नाम पर लड़ रहे थे, तो कश्मीर अकेली जगह थी, जहां बहुसंख्यक मुस्लिम समुदाय ने कश्मीरी पंडितों और हिंदुओं और सिखों की जान बचाई थी। मैं आज के भारत की बात नहीं कर रही हूं, बल्कि उस भारत की बात कर रही हूं, जिसे महात्मा गांधी के पोते तुषार गांधी और जवाहरलाल नेहरू के पोते राहुल गांधी ढूंढ रहे हैं।

शहर का तापमान
- अधिकतम 29.00 डिग्री सेल्सियस
- न्यूनतम 10.00 डिग्री सेल्सियस

शहर में आज

- गीता जयंती महोत्सव को लेकर सामाजिक संस्थाओं के साथ बैठक: दोपहर 2.30 बजे।
- बाबा सूरदास की तपोस्थली बाबा सूरदास धर्मशाला तिलपत धाम में कलश यात्रा: सुबह 9.15 बजे।
- शहर में जगह-जगह वैक्सीनेशन कैम्प: सुबह 9 बजे।
- बीपीटीपी स्थित पार्क फ्लोर दो में प्रदर्शन जारी: सुबह 10 बजे।

निवेश गुरु

म्यूचुअल फंड में निवेश करने पर ज्यादा रिटर्न मिलता है। वैसे, इसमें रिस्क भी रहता है, लेकिन कई ऐसे म्यूचुअल फंड हैं। जिनमें निवेश में ज्यादा जोखिम नहीं होता। म्यूचुअलफंड में निवेश से कई बार इतना ज्यादा मुनाफा होता है कि पहले से इसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता। यह कैपिटल मार्केट पर डिपेंड करता है। अगर आप अपने बच्चों के लिए बेहतर फाइनेंशियल प्लानिंग करना चाहते हैं, तो म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। बच्चों के लिए अलग से कुछ म्यूचुअल फंड प्लान आते हैं।

यूटीलिटी न्यूज

विकास कार्यों का किया शुभारंभ

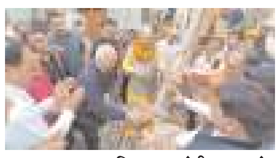

बल्लभगढ़। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने रविवार सायं बल्लभगढ़ विधानसभा क्षेत्र की भगत सिंह कालोनी डी ब्लॉक में करीब 11आरएमसी गलियों के निर्माण कार्य का स्थानीय लोगों के हाथ नारियल तुड़वाकर शुभारंभ कराया। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा की विकास के पहिए को अंतिम छोर की पंक्ति में खड़े लोगो तक लेकर जाना ही भाजपा सरकार का सपना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में सरकार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में अन्तोदय योजना के तहत विकास कार्यों की सौगात दे रही है। उन्होंने कहा की शहर में जहां भी लोगों को मूलभूत दिक्कतें आएगी। उनको तुरंत प्रभाव से दूर करने का प्रयास करेंगे। इन गलियों के निर्माण कार्य पर करीब 51 लाख रुपये की धनराशि की लागत आएगी और जल्द ही ये बनकर तैयार हो जायेगी।

क्विक न्यूज

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

फरीदाबाद। एक महिला की सेक्टर-45 के सामने रेलवे अंडरपास से दिल्ली की ओर ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। शव की पहचान नहीं हो पाई है। जीआरपी ने शव बीके अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। जांच अधिकारी एएसआई सुदेश कुमारी ने बताया कि महिला के दाएं हाथ पर हिंदी में हेतोबाई लिखा है। महिला की उम्र 65-70 साल की है, जिसने ब्राउन और रेड कलर की दो स्वेटर पहने हुए थे। पेटीकोट राजस्थानी डिजाइन में पहने हुआ है, जिस पर बेल बनी हुई है और महिला के बॉयज स्टाइल में बाल कटे हुए हैं। शव की पहचान के लिए आसपास के लोगों से जानकारी ली गई, लेकिन शव की पहचान नहीं हो पाई है।

लापरवाही या भ्रष्टाचार : विज्ञापन घोटाले की जांच के नाम पर लीपापोती

दिखावे की जांच के बाद निगम ने माना ढाई करोड़ का घोटाला हुआ

राजेश दास। फरीदाबाद

नगर निगम आर्थिक तंगी के कारण शहर के लोगों को मूलभूत सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं करवा पा रहा है। ऐसे में लोगों को छोटी छोटी समस्याओं के समाधान के लिए भी निगम कार्यालय के चक्कर काटने पड़ जाते हैं, लेकिन इसके बावजूद नगर निगम के अधिकारी आय के सबसे बड़े स्रोत की तरफ आंखें मूंद कर बैठे हुए हैं।

निगम की इस लापरवाही के कारण विज्ञापन से जुड़े ठेकेदारों के बारे न्यारे हो रहे हैं। शहर में विज्ञापन करने के लिए ठेकेदारों ने सभी कायदे कानून ताक पर रख दिये हैं। पूरा शहर वैध से ज्यादा अवैध विज्ञापनों से पटा हुआ है, लेकिन निगम अधिकारी इस ओर ध्यान ही नहीं दे रहे हैं। वर्ष 2020 में विज्ञापन घोटाला नगर निगम सदन की बैठक में भी खूब जोर शोर से उठाया जा चुका है। वहीं विज्ञापन घोटाले का पर्दाफाश करने के लिए सामाजिक कार्यकर्ता दीपक गोदारा द्वारा निगमायुक्त, उपायुक्त के साथ साथ स्टेट विजिलेंस से भी शिकायत की गई है, लेकिन शिकायत पर जांच कर रहे निगम अधिकारियों द्वारा सिर्फ लीपापोती ही की जा रही है। हाल ही में निगम के अधिकारियों ने माना कि करीब ढाई करोड़ का घोटाला हुआ है। लेकिन जांच रिपोर्ट की प्रति शिकायतकर्ता को निगम अधिकारियों ने आज तक नहीं सौंपी।

सेक्टर 15-15ए की डिवाइडिंग पर नियमों के विपरित लगे यूनिपोल।

प्रतिबंध के बावजूद मोबाइल वैन से किया जा रहा विज्ञापन।

लंबे समय से उठ रही आवाज

शहर में बड़े पैमाने पर अवैध विज्ञापनों के माध्यम से नगर निगम को काफी समय से चूना लगाया जा रहा है। निगम पार्षद जयवीर खटाना ने नवंबर 2020 में हुई नगर निगम सदन की बैठक में विज्ञापन घोटाले का मामला बड़े ही जोर शोर के साथ उठाया था। खटाना का आरोप था कि निगम ने तीनों जोनों का ठेका 41.68 लाख रुपये प्रति माह के हिसाब से दिया हुआ है, लेकिन इनसे निगम के पास जितनी रिकवरी आनी चाहिए वह नहीं हुई। जिससे नगर निगम को करीब साढ़े छह करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। घिरते देखकर बाद में इसमें से कुछ रकम ठेकेदारों ने जमा करवाई थी। लेकिन इसके बावजूद इस घोटाले को उजागर नहीं किया गया। सामाजिक कार्यकर्ता दीपक गोदारा द्वारा लगातार शिकायत करने के बाद निगम द्वारा उन्हें गत सितंबर में जांच के लिए बुलाकर एक सप्ताह में जांच पूरी करने का समय मांगा था। लेकिन करीब दो महीने का समय गुजरने के बाद भी निगम अधिकारियों द्वारा उन्हें जांच रिपोर्ट आज तक सौंपने की जरूरत महसूस नहीं की गई।

प्रतिबंधित स्थानों पर विज्ञापन

ग्रेटर फरीदाबाद में कायदे कानून ताक पर रखकर किया जा रहा विज्ञापन।

आमतौर पर राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की गति अंदरूनी सड़कों के मुकाबले ज्यादा तेज होती है। ऐसे में वाहन चालकों की जरा सी लापरवाही अथवा अन्य कारणों से अक्सर सड़क दुर्घटनाएं भी हो जाती है। दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन चालकों का ध्यान भटकाने वाले विज्ञापनों पर केंद्र सरकार की तरफ से कई साल पहले ही प्रतिबंध लगा दिया गया है, लेकिन सरकार के आदेशों को ताक पर रखकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर विज्ञापन अथवा प्रचार करने के लिए कई स्थानों पर प्रतिबंध के बाद भी होर्डिंग्स लगाए हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ स्मार्ट सिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे मेट्रो ट्रेन के पिलरों पर लाखों रुपये खर्च करके चित्रकारी करवाई गई है। विज्ञापन के लिए लगाए गए होर्डिंग्स और आकर्षक चित्रकारी की वजह से वाहन चालकों का ध्यान भटकने की पूरी सम्भावना बनी रहती है। लेकिन इसके बावजूद एनएचएआई की तरफ से इन होर्डिंग्स को लगाने वालों के खिलाफ कभी कार्रवाई नहीं की जाती है। कार्रवाई के अभाव में हाइवे पर होर्डिंग्स की संख्या बढ़ती जा रही है।

सरेआम अवैध विज्ञापनों का खेल

सरेआम शहर में जगह जगह अवैध विज्ञापन लगा सरकार को चूना लगाया जा रहा है। शहर में लगे यूनिपोल और गेनट्री टेंडर में दिये गए लोकेशन और शर्तो को पूरा नहीं करते। नियमों के मुताबिक यूनीपोल एक निश्चित दूरी के बाद भी दूसरा लगाया जाता है, लेकिन शहर में कई जगह दो से तीन यूनिपोल एक ही जगह पर लगे हुए हैं। वहीं कुछ यूनिपोल तय नियम से कम दूरी पर लगे हुए हैं। लेकिन निगम अधिकारी जानबूझ कर चुप बैठे रहते हैं। शिकायकर्ता का कहना है कि बढ़ती दुर्घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर विज्ञापन के बोर्ड लगाने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया हुआ है, लेकिन इसके बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह-जगह विज्ञापन के बोर्ड लगे हुए हैं। हाईकोर्ट ने मोबाइल वैन के माध्यम से विज्ञापन करने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया हुआ है। निगम अधिकारियों की मिलीभगत से दर्जन भर मोबाइल वैन जगह-जगह प्रचार करती हुई नजर आती है।

जांच के नाम पर खानापूर्ति

सामाजिक कार्यकर्ता दीपक गोदारा का कहना है कि अवैध विज्ञापनों के माध्यम से लगातार नगर निगम को चूना लगाया जा रहा है। जिसकी शिकायत वे लंबे समय से करते आ रहे हैं। उपायुक्त के आदेश पर पिछले दिनों निगम के अधिकारियों ने मामले की जांच करने का दावा भी किया था। अब जांच पूरी हो चुकी है। लगातार मेल करने के बाद भी निगम अधिकारी जांच रिपोर्ट देने को तैयार नहीं है।

महिलाएं शिक्षा के माध्यम से हिंसा का प्रत्युत्तर दें

महिलाएं बिना किसी भेदभाव और दबाव के अपना जीवन जी सकें

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सराय के सरकारी स्कूल में महिलाओं के विरूद्ध हिंसा उन्मूलन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते प्राचार्य रविन्द्र कुमार मनचंदा।

गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद में प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा की अध्यक्षता में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन दिवस पर हिंसा और उन्मूलन का विरोध करने बारे जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जूनियर रेडक्रॉस, सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड एवम् स्काउट्स और गाइड्स के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया।

विद्यालय की जेआरसी एवम एसजेएबी अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि महिलाओं के विरुद्ध होने वाली हिंसा से उनके मानवाधिकारों का उल्लघन हो रहा है। भेदभाव, अशिक्षा, निर्धनता, एचआईवी अशांति आदि महिला हिंसा का प्रमुख कारण है। इस दिवस का उद्देश्य ऐसे समाज का निर्माण करना है जहां महिलाओं के खिलाफ हिंसा ना हो और महिलाएं बिना किसी भेदभाव और दबाव के अपना जीवन जी सकें। यह दिवस मानने के लिए प्रत्येक वर्ष एक थीम भी निश्चित की जाती है। इस वर्ष की थीम है एक्टिविज्म टू एंड वायलेंस अगेंस्ट वूमन एंड गर्ल्स। प्राचार्य मनचंदा ने बताया कि महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध हिंसा का स्वरूप विश्वव्यापी है।

महिलाओं और लड़कियों के विरुद्ध इस प्रकार की हिंसा विश्व में सबसे भयंकर, निरंतर और व्यापक मानव अधिकार उल्लंघनों में सम्मिलित है। जिस का दंश विश्व में हर तीन में से एक महिला को भुगतना पड़ रहा है। उल्लेखनीय है कि इन हिंसा की अधिकांश घटनाएं प्रतिष्ठा,मौन, चुप्पी, कलंक और शर्म के कारण रिपोर्ट ही नहीं होती है। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि सामान्य शब्दों में महिलाओं के विरुद्ध हिंसा शारीरिक शोषण, यौन शोषण और मनोवैज्ञानिक शोषण के स्वरूपों में प्रकट होती है।

सजग और समझदार युवा पर्यावरण संरक्षण की नींव

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ की एनएसएस इकाई-सेकेंड के स्वयंसेवकों ने 27 नवंबर 2022 को अरावली यात्रा में भाग लिया। इस यात्रा का आयोजन सेव अरावली ट्रस्ट नामक एनजीओ के द्वारा किया गया। जो लगातार कई वर्षों से अरावली के जंगलों के संरक्षण के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रही है। सरकार से इन्हें ना काटने के लिए आंदोलन कर रही है।

इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य जनमानस को जंगलों की दशा और उपयोगिता दिखाना और उनके संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास करना था। जिस प्रकृति ने हमें इतने संसाधन दिए हम सिर्फ उसका भोग कर रहे हैं, तो अब समय है हम अपनी धरती मां की सुरक्षा करें और उसका कर्ज चुकाएं। ट्रस्ट के समन्वयक जितेंद्र भडाना, पंकज ग्रोवर और यश के नेतृत्व में इस यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा की कुल दूरी 4 किलोमीटर थी और सुबह 7.30 बजे से मोहब्बताबाद से इस यात्रा का शुभारंभ हुआ। दिल्ली एनसीआर के विभिन्न हिस्सों से लोगों ने इसमें भाग लिया। प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत के दिशा निर्देशन में एनएसएस इकाई सेकेंड के 10 स्वयंसेवकों ने इस यात्रा में भागीदारी की। प्राचार्य ने वन संरक्षण की दिशा में इसे कारगर कदम बताया और इस यात्रा को अपने आप में एक अनूठी पहल बताया। उन्होंने युवा पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सजगता और समझदारी सुनिश्चित करने संदेश दिया। कार्यक्रम की सफलता पर प्राचार्य ने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी शोभना गोयल और सभी स्वयंसेवकों को बधाई दी और भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में भाग लेने का आग्रह किया।

सेव अरावली संस्था द्वारा आयोजित अरावली यात्रा में शिरकत करते अग्रवाल कालेज के छात्र एवं छात्राएं।

गांवों में करवाएं बिना भेदभाव से विकास : मूलचंद शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। बल्लभगढ़

कैबिनेट मंत्री मूलचंद शर्मा ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में गांवों में छोटी सरकार बिना भेदभाव से विकास कार्य करवाए। मांदकोल गांव से नवनियुक्त पंचायत के सदस्यगण का प्रदेश परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने अपने सेक्टर-8 कार्यालय पंहुचने पर सभी का स्वागत करके यह बात कही।

परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने सभी ग्राम पंचायत के नवनियुक्त पंच सरपंचों को बधाई दी और कहा की गांव की भलाई के लिए बिना किसी भेदभाव से गांव को विकास के पथ पर ले जाने का कार्य करें। परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि गांव में चल रहे विकास कार्यों को तेज गति देने का काम करें। इस मौके पर शर्मा ने स्वयं सभी को मिठाई खिलाते हुए कहा की आज प्रदेश विकास कार्यों में निरंतर आगे बढ़ रहा है। इस मौके पर मास्टर जगदीश, राजेंद्र शर्मा, टेकचंद शर्मा मौजूद रहे। इसके अलावा गांव में जुनहेड़ा से नवनियुक्त सरपंच योगेंद्र कौशिक भी सभी ग्राम पंचायत के निर्वाचित सदस्यों को साथ लेकर परिवहन मूलचंद शर्मा के कार्यालय पहुंचे। इसके अलावा प्रदेश के परिवहन मंत्री मूलचंद शर्मा ने टिकरी खेड़ा गांव से सरपंच बने नासिर एडवोकेट को भी बधाई दी। इस मौके पर चो. क्यूम खान, सत्तार नंबरदार, मोसिम खान, आबिद खान और कल्लू खान भी मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री शर्मा छोटी सरकार के सरपंचों का मुंह मीठा करवा कर जीत की बधाइयां और शुभकामनाएं देते हुए।

सिखों ने मनाया नौवें गुरु तेगबहादुर जी का शहीदी पर्व

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गुरू तेगबहादुरजी सिखों के नौवें गुरू हैं। इनके शहीदी पर्व पर हरियाणा सरकार की तरफ से इस बार अवकाश की घोषणा की गई है, लेकिन इस पर्व से पहले पड़ने वाले रविवार को इसे मनाया जाता है। रविवार को एनएच पांच स्थित गुरूद्वारे से नगर कीर्तन निकाला गया है। नगर कीर्तन की अगुवाई पंच प्यारे कर रहे थे।

इस नगर कीर्तन में श्रद्धालुओं ने श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ हिस्सा लिया। नगर निगम शहर के विभिन्न हिस्सों से होता हुआ शाम को गुरूद्वारा पहुंच कर सम्पन्न हुआ। इसके अलावा रविवार को जगह-जगह मौजूद गुरूद्वारों में इसे मनाया गया। गुरू तेगबहादुरजी ने धर्म व मानवता की रक्षा करते हुए हंसते-हंसते अपने प्राणों की कुर्बानी दी थी। गुरु तेगबहादुरजी का जन्म पंजाब के अमृतसर में हुआ था। उनके बचपन का नाम त्यागमल था। उनके पिता का नाम गुरु हरगोबिंद सिंह था। वे बाल्यावस्था से ही संत स्वरूप गहन विचारवान, उदार चित्त, बहादुर व निर्भीक स्वभाव के थे। गुरु तेगबहादुर जी की शिक्षा-दीक्षा मीरी-पीरी के मालिक गुरु-पिता गुरु हरिगोबिंद साहिब की छत्र छाया में हुई। इसी समय इन्होंने गुरुबाणी, धर्मग्रंथों के साथ-साथ शस्त्रों तथा घुड़सवारी आदि की शिक्षा प्राप्त की। सिखों के 8वें गुरु हरिकृष्ण राय जी की अकाल मृत्यु हो जाने की वजह से गुरु तेगबहादुर जी को गुरु बनाया गया था। मात्र 14 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ मुगलों के हमले के खिलाफ हुए युद्ध में उन्होंने अपनी वीरता का परिचय दिया। इस वीरता से प्रभावित होकर उनके पिता ने उनका नाम तेगबहादुर यानी तलवार के धनी रख दिया।

गुरु तेगबहादुर के शहीदी दिवस पर नगर कीर्तन की अगुवाई करते पंज प्यारे।

पायनियर पाठकों के लिए

यदि आपको अखबार की प्रति मिलने में कठिनाई आ रही है,तो आप निम्न पते से प्राप्त कर सकते हैं

- विनोद कुमार, ओल्ड रेड लाइट
- आनंद,एनआईटी 4-5 चौक 9818848494
- मदनलाल, अंबेडकर चौक बल्लभगढ़ 9811477204
- पाहुजा,पलवल मीनार गेट मोबाइल नंबर- 9255029919
- त्रिलोक,फोर्टिस हॉस्पिटल, नीलम चौक
- हितेश सेक्टर 29, 9910533103

नज़रिया

दिनेश रघुवंशी, कवि

गऱीबी, भुखमरी, बेरोज़गारी से नहीं मतलब
इशारों पर किसी के बस दिखाते खूब हैं करतब
सकल संसार में दिनमान बस वो हैं, उन्हें भ्रम है
ज़रा पाने की चाहत में ही तलुवे चाटते हैं अब

औद्योगिक नगरी का लहराएगा विश्व में परचम: गुर्जर

मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने आजादी के अमृत महोत्सव में कहा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रंखला में प्रधानमंत्री नरेन्द्र और मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने चहुमुखी विकास के नए आयाम स्थापित करने से औद्योगिक नगरी फरीदाबाद का विश्व में परचम लहराएगा।

भारत सरकार के भारी उद्योग एवं ऊर्जा विभाग के केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में आज रविवार को सेहतपुर गांव में 2 एकड़ में नगर निगम फरीदाबाद के द्वारा नवनिर्मित आधुनिक सामुदायिक भवन का आज उद्घाटन कर क्षेत्रवासियों को समर्पित कर उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि इस भवन के निर्माण से अब सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन सुविधाजनक रूप से हो पाएगा। केन्द्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने फरीदाबाद के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों के नए आयाम स्थापित किए हैं और आने वाले समय में और ज्यादा विकास होगा। लोगों को रोजगार मिलेगा और बड़े-बड़े उद्योग इस क्षेत्र में स्थापित होंगे। इससे उद्योगिक नगरी फरीदाबाद का विश्व में परचम लहराएगा। फरीदाबाद शहर को जेवर एयरपोर्ट के को जोड़ने वाले एक्सप्रेस वे के बनने से क्षेत्र में विकास के नए रास्ते खुलेंगे। फरीदाबाद शहर आने वाले समय में विकास की नई दौड़ में शामिल होने जा रहा है। जिससे विकास कार्यों और औद्योगिक विकास के क्षेत्र में फरीदाबाद को विश्व में अलग पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली मथुरा एक्सप्रेस वे के बाद दिल्ली मुंबई एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। उन्होंने कहा कि इसके बाद फरीदाबाद से जेवर एयरपोर्ट तक एक नया एक्सप्रेस में बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेस वे 31 किलोमीटर लंबा होगा और छह लेन का बनाया जाएगा।

इस अवसर पर लोकसभा निगरानी कमेटी के चैयरमैन एवं भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओमप्रकाश रक्सवाल एवं निवर्तमान पार्षद गीता रक्षवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष अनिल नागर, जिला सचिव मुकेश शर्मा, भाजपा नेता सरपंच उमेश शर्मा, रवि भड़ाना, मंडल अध्यक्ष विवेक मिश्रा, पुर्व मंडल अध्यक्ष यशोदा डबराल, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष आरती साहु, ओबीसी मोर्चे के अध्यक्ष जगमोहन यादव, युवा मोर्चे के उपाध्यक्ष जयंत कपासिया, कामेश्वर चौबे, पुर्व मंडल अध्यक्ष विजय पाल सिह, महामंत्री विशाल, मुकेश झा, जयंत, सचिव विरेंद्र सहित अन्य कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

गांव सेहतपुर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्र राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर।

जनहित में किए जा रहे सेवा कार्य प्रशंसनीय : नीरज शर्मा

फरीदाबाद। मानव सेवा समिति ने सेवा कार्यों की श्रृंखला में रविवार को डबुआ कालोनी में सिलाई कढ़ाई केंद्र का शुभारंभ किया। मुंशी लाल सुनहरी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से खोले गए इस सेवा केंद्र का उद्घाटन मुख्य अतिथि विधायक नीरज शर्मा ने किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में नीरज शर्मा ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है।

शहर की प्रमुख सामाजिक संस्था मानव सेवा समिति यह पुण्य कार्य पिछले 23 साल से कर रही है। समिति के सभी सेवा कार्य प्रशंसनीय हैं। उनके विधानसभा क्षेत्र में खोले गए इस सिलाई कढ़ाई केंद्र के लिए उन्होंने समिति का आभार प्रकट करते हुए समिति से एनआईटी विधानसभा में और अधिक सेवा प्रोजेक्ट शुरू करने की बात कही। समिति के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, चैरिटेबल ट्रस्ट के संयोजक दिनेश शर्मा, उपाध्यक्ष कैलाश चंद शर्मा, महिला सेल की राजराठी, रमा सरना, सरिता गुप्ता, कुसुम बंसल, एनआईटी संयोजक केदारनाथ अग्रवाल, अनिल बंसल, केशव शर्मा, राहुल, टीचर अंजलि ने मुख्य अतिथि का माला, शाल, सम्मान पट्टिका पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। चेयरमैन अरुण बजाज, महासचिव सुरेंद्र जग्गा ने कहा है कि समिति 8 दिसंबर को सेक्टर 10 के दयानंद स्कूल में तीसरा सिलाई कढ़ाई केंद्र का शुभारंभ करेगी।

डबुआ कालोनी में सिलाई कढ़ाई केंद्र का रिबन काट कर शुभारंभ करते विधायक नीरज शर्मा।

दिन में जलती हैं और रात में बंद रहती हैं स्ट्रीट लाइटें

कविता। फरीदाबाद

शहर में रात को जलने वाली स्ट्रीट लाइटें बेशक रात में न जलें पर कुछ इलाकों और सेक्टरों में दिन में भी यह स्ट्रीट लाइटें जलती रहती है। शहर के सेक्टर-55 में भी पिछले तीन दिनों से स्ट्रीट लाइटें दिनभर जलती हुई नजर आई। इसी तरह शहर के अन्य कई हिस्सों में भी दिन के समय स्ट्रीट लाइटें जलती रहती हैं। न तो नगर निगम, न स्मार्ट सिटी और न ही जिला प्रशासन की इस ओर नजर जा रही है।

खास बात तो यह है कि अधिकतर लाइटों के ऑन आफ करने के स्वीच तक नहीं हैं। जिसके कारण आम आदमी चाह कर भी इन जलती हुई लाइटों को बंद नहीं कर पाता है। वहीं कई समाजसेवी संस्थाओं की ओर से अधिकारियों को इस बारे में सूचित किया जाता है। लेकिन प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है। शहर के लोगों ने बताया कि कर्मचारियों को इतना तो ध्यान देना ही चाहिए कि कब प्रकाश की जरूरत है और कब नहीं। दिन में स्ट्रीट लाइटों का बंद न होना कर्मियों की लापरवाही को दर्शाता है।

सेक्टर-55 में लगी स्ट्रीट लाईटें दिन में भी जलती हुई।

करीब 40 वॉट की लाइट : सूत्रों की माने तो कम से कम 40 वॉट की स्ट्रीट लाइटें लगती हैं। 40 वॉट की एक स्ट्रीट लाइट अगर 24 घंटे जलेगी तो वह एक यूनिट बिजली खर्च करेगी। ऐसे में एक स्ट्रीट लाइट से एक यूनिट व्यर्थ जा रही है, तो शहर की अधिकतर स्ट्रीट लाइटों के हालातों को ध्यान में रखकर पिछले तीन दिनों से सेक्टर-55 इलाके में जल रही स्ट्रीट लाइटों से इसका अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि जिले में बिजली की फिजूल खर्ची स्ट्रीट लाइटों के जरिये की जा रही है।

वायरल की पोस्ट : सेक्टर-55 निवासी गुरमीत सिंह देओल ने बताया कि उनके इलाके में पिछले तीन दिनों से लगातार स्ट्रीट लाइटें जल रही हैं। रविवार को भी दोपहर बाद तक यह लाइटें जलती रही पर नगर निगम, एफएमडीए और जिला प्रशासन की ओर से इन लाइटों को बंद करवाने की जहमत नही उठाई गई। उन्होंने कहा कि लोगों की ओर से टैक्स में दिए गए पैसों को फिजूल में खर्च किया जा रहा है। जबकि शहर में ऐसे अनेक इलाके हैं, जहां स्ट्रीट लाइटें रात के समय भी नहीं जलती। शाम को अंधेरे में डूब इन इलाकों में दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है।

जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्य चुनाव के परिणाम घोषित

शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुए दोनों चुनावों के विजेताओं को सौंपे गए प्रमाणपत्र

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में जिला परिषद सदस्यों और पंचायत समिति के चुनाव पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो गए। इन चुनावों के लिए 23 नवंबर को मतदान हुआ था। रविवार सुबह शहर के तीन निर्धारित स्थानों पर मतगणना का इंतजाम किया गया था। सुबह से ही चुनाव परिणाम सामने आने शुरू हो गए थे। जिसके बाद जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने जिला परिषद के निर्वाचित सदस्यों को प्रमाणपत्र सौंपे गए। वहीं पंचायत समिति चुनाव में तिगांव ब्लॉक के विजेता उम्मीदवारों को आरओ परमजीत चहल ने प्रमाणपत्र सौंपे।

निर्वाचित सदस्यों को दी बधाई : जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी विक्रम सिंह ने रविवार को जिला परिषद के सदस्यों को बधाइयाँ और शुभकामनाएं देकर के विजय रहे उम्मीदवारों को सर्टिफिकेट प्रदान किए। डीसी विक्रम सिंह ने बताया कि फरीदाबाद जिला के वार्ड नंबर 1 से हरिंदर सिंह सपुत्र सरजीत सिंह, वार्ड नंबर 2 से समीना वाइफ ऑफ़ साहब जान, वार्ड नंबर 3 से अब्बास खान सपुत्र कमल खान, वार्ड नंबर 4 से विजय सिंह सपुत्र भग्गू सिंह, वार्ड नंबर 5 से श्वेत स्नेहा वाइफ ऑफ धर्मेंद्र,वार्ड नंबर 6 से बीएसपी उम्मीदवार डॉली शर्मा वाइफ ऑफ़ परवेश शर्मा, वार्ड नंबर 7 से धर्म चौधरी सपुत्र सुभाश चंद, वार्ड नंबर 8 से रेखा वाइफ ऑफ दिगंबर सिंह, वार्ड नंबर 9 से अनिल पराशर सपुत्र मामचंद,वार्ड नंबर 10 से रेखा वाइफ ऑफ़ संदीप ने जिला परिषद सदस्य के तौर पर जीत दर्ज की है।

जिला परिषद के चुनाव में विजय प्राप्त करने पर एडवोकेट अनिल पाराशर को कंधे पर उठा कर खुशी मनाते समर्थक।

पंचायत समिति चुनाव में किए तिगावं ब्लाक के विजेता : तिगावं ब्लाक के आरओ कम एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल ने कहा कि हरियाणा निर्वाचन आयोग द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार पंचायत समिति चुनाव में तिगांव ब्लाक के विजेताओं नाम घोषित कर दिए गए हैं। एसडीएम परमजीत चहल ने बताया कि वार्ड 1 से ओमप्रकाश, वार्ड 2 से प्रवीण कुमार, वार्ड 3 से शशी, वार्ड 4 से जय भगवान, वार्ड 5 से पूनम, वार्ड 6 से वर्षा, वार्ड 7 से इलियास, वार्ड 8 से इन्द्रेश, वार्ड 9 से कुलदीप सिंह, वार्ड 10 से सरोज बाला, वार्ड 11 से कृष्ण कुमार, वार्ड 12 से मीनू कुमारी, वार्ड 13 से पवन, वार्ड 14 से सुनील कुमार, वार्ड 15 से अनिता अधाना और वार्ड 16 से जसवंत तिगांव में पंचायत समिति के सदस्य घोषित कर दिए गए हैं।

बल्लभगढ़ पंचायत समिति का परिणाम : आरओ कम एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद ने कहा कि निर्वाचन आयोग की हिदायतों के अनुसार बल्लभगढ ब्लाक में पंचायत समिति सदस्य का चुनाव वार्ड एक से असीम ने, वार्ड 2 से रचना ने वार्ड 3 से रविंद्र सिंह ने वार्ड 4 से पूनम ने वार्ड 5 से प्रवीण ने, वार्ड 6 से प्रीति ने, वार्ड 7 से सनोवर ने, वार्ड 8 से डोली रानी ने, वार्ड 9 से यशपाल और वार्ड 10 से चंद्रपाल जीत लिया है। उन्होंने आगे बताया कि वार्ड 11 से कंचन, वार्ड 12 से काजल, वार्ड 13 से शिवचरण, वार्ड 14 से उमेश रावत, वार्ड 15 से वर्षा, वार्ड 16 से योगेश कुमार व वार्ड 17 से खुशबू विजयी हुई है। एसडीएम त्रिलोक चंद ने कहा कि वार्ड 18 से पिंकी ने, वार्ड 19 से दिनेश कुमार ने, वार्ड 20 से हरप्रीत कौर ने, वार्ड 21 से शिवम ने वार्ड 22 से सोनम ने, वार्ड 23 से लवकेश ने वार्ड 24 से सुमेश कुमार ने, वार्ड 25 से राधा रानी ने, वार्ड 26 से निशू ने, वार्ड 27 से विनय चौधरी ने और वार्ड 28 से ज्योति ने जीत लिया है।

फरीदाबाद सहित छह जिलों में होगी ई-टिकटिंग व्यवस्था

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 29 नवंबर को प्रदेश को देंगी हरियाणा रोडवेज में ई-टिकटिंग प्रणाली की सौगात

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मंगलवार, 29 नवंबर को प्रदेशवासियों को हरियाणा रोडवेज में नई टिकटिंग व्यवस्था (ई-टिकटिंग) की सौगात देने जा रही हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की प्रेरणा से हरियाणा रोडवेज में ओपन लूप टिकटिंग सिस्टम को लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बन जाएगा। इस नई ई-टिकटिंग व्यवस्था से न केवल यात्रियों को लाभ मिलेगा बल्कि हरियाणा रोडवेज को भी फायदा होगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कुरुक्षेत्र से इस परियोजना का शुभारंभ करेंगी। जिन 6 जिलों के रोडवेज डिपो में ई-टिकटिंग व्यवस्था लागू होगी उनमें फरीदाबाद जिला भी शामिल है। एक सरकारी प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मौजूदा मैनुअल प्रिंटेड टिकट प्रणाली के स्थान पर ओपन लूप टिकटिंग सिस्टम को राज्य परिवहन में लागू करने का फैसला लिया था। इसके अंतर्गत पेपर पास, प्रिंटेड टिकट प्रणाली के स्थान पर नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड को लागू किया जाएगा। इसमें मुफ्त या रियायती बस यात्रियों व अन्य यात्रियों को 10 लाख नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड जारी किए जाएंगे। प्रारंभिक चरण में इस टिकटिंग परियोजना को 6 रोडवेज डिपो फरीदाबाद, चंडीगढ़, करनाल, सोनीपत, भिवानी और सिरसा में लागू किया जाएगा। इसी तरह हरियाणा रोडवेज के शेष 18 डिपो में जनवरी 2023 के अंत तक परियोजना को पूरी तरह लागू कर दिया जाएगा।

प्रवक्ता ने बताया कि नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड पूरे भारत में यात्रा के लिए अलग-अलग इस्तेमाल किया जाएगा। अन्य प्रदेश भी नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड की दिशा में काम कर रहे हैं लेकिन हरियाणा ने तेजी से काम करते हुए सबसे पहले लागू किया है। इस कार्ड को भविष्य में मेट्रो, बस, ट्रेन आदि के सफर में इस्तेमाल किया जाएगा। ट्रांसपोर्ट की करीब-करीब विकल्पों के लिए इस कॉर्ड का इस्तेमाल होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि वन नेशन-वन कार्ड का इस्तेमाल हो। इसी सोच को हरियाण के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने मूर्त रूप दिया है।

होगा फायदा : सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि नई टिकटिंग व्यवस्था से हरियाणा रोडवेज को भी फायदा होगा। इससे राजस्व लीकेज पूरी तरह रूकेगी।

लापरवाही : पौने घंटे तक नहीं मिला घायल को इलाज

फरीदाबाद। सीढ़ियों से गिरकर घायल हुए एक व्यक्ति को बादशाह खान अस्पताल में करीब पौने घंटे तक उपचार के लिए तरसना पड़ा। अस्पताल में घायल हुए व्यक्ति के पैर में हुए फैक्चर के लिए पट्‌टी तक उपलब्ध नहीं थी। गरीबी के कारण पट्टी के पैसे भी उसने यहां-वहां से मांगकर एकत्रित किए।

यह है पूरा मामल : पल्ला निवासी ओमप्रकाश रविवार को पानी की बाल्टी लेकर सीढ़ियों से छत पर चढ़ रहा था। अचानक उसका पैर फिसल गया और उसे चोट लग गई। जिस पर उसकी पत्नी और पडोसी उसे लेकर बीके अस्पताल में पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे अस्पताल में जांच के बाद पैर का एक्स-रे करवाने की बात कहकर ड्रेसिंग करवाने को कहकर अपना पल्ला झाड़ दिया। जब वह ड्रेसिंग कक्ष में पहुंचा तो वहां कोई नहीं था। इंतजार करते हुए करीब पौना घंटा हो गया। पौने घंटे बाद डॉक्टर पहुंचे और उन्होंने जांच के बाद उसे ऑर्थों वार्ड में भर्ती करने के निर्देश दिये। इस दौरान पौने घंटे तक उसे न तो किसी तरह की दवा दी गई और न ही इलाज की सुविधा।

पट्‌टी के पैसे: ओमप्रकाश की हालत खराब हो रही थी और चिकित्सक ने उसे पट्‌टी बाहर से लाने को बोल दिया। दुकान पर उसकी पत्नी को जब पट्टी का रेट पता चला तो वह घबरा गई और पड़ोसियों से तथा फोन पर पैसे एकत्रित करके उसने पट्टी का इंतजाम किया। तब जाकर ओमप्रकाश का इलाज संभव हो सका।

उद्यमिता के विशेषज्ञों के साझा विचारों से मिली सीख

वर्क4प्रोग्रेस इंडिया ने सफलतापूर्वक किया वार्षिक कार्यशाला का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

स्पेन के 'ला काशिया' फाउंडेशन ने इंडिया हैबिटेट सेंटर अपने भारतीय प्लेटफॉर्म वर्क4प्रोग्रेस इंडिया की तरफ से वार्षिक वर्कशॉप का आयोजन किया। समावेशी एवं व्यवस्थित रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए पिछले 5 साल से यह आयोजन किया जा रहा है। 2016 से इसकी अगुआई डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स (डीए) द्वारा की जा रही है। 2020 से एक्शनएड एसोसिएशन (एएए) इससे जुड़ा है। सालाना वर्कशॉप वर्क4प्रोग्रेस उद्यमिता के क्षेत्र में बदलाव लाने वाले व अन्य विशेषज्ञों के साझा अनुभवों से सीखने के एक प्लटफॉर्म के रूप में सामने आया है।

इस वर्कशॉप में उपस्थित लोगों को उद्यमिता के माध्यम से रोजगार सृजन की दिशा में अनूठी सामाजिक नवोन्मेष एवं परिवर्तनकारी प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस वार्षिक कार्यशाला के माध्यम से उपस्थित लोगों को उद्यमिता को गति देने और सम्मानजनक रोजगार के अवसर सृजित करते हुए समाज को सशक्त करने के विविध पहलुओं को समझने में सहायता मिली। कार्यक्रम के दौरान डीए और एएए द्वारा वर्क4प्रोग्रेस इंडिया द्वारा की गई प्रगति के बारे में प्रजेंटेशन दिया गया। साथ ही वर्क4प्रोग्रेस इंडिया की एक्सटर्नल को-ऑर्डिनेटर प्रेमा गेरा ने वर्क4प्रोग्रेस इंडिया प्लेटफॉर्म के सामने आए अवसर एवं चुनौतियों को लेकर संबोधित किया। इसके अतिरिक्त 'समावेशी उद्यमिता के लिए क्रेडिट तक पहुंच' और 'इंस्टीट्यूशनल एंगेजमेंट और विकास के माहौल के माध्यम से उद्यमिता को मुख्यधारा में लाना' विषयों दो सत्र भी आयोजित किए गए। इन सत्रों का आयोजन क्रमश: डीए के नेटवर्क पार्टनर्स रंग दे और ट्रांसफॉर्म रूरल इंडिया फाउंडेशन (टीआरआईएफ) ने किया था। एएए ने सामाजिक परिवर्तन के लिए अर्थव्यवस्था में महिलाओं का योगदान बढ़ाने पर चर्चा की और बताया कि कैसे महिलाओं द्वारा संचालित उद्यम इस वर्ग को सशक्त कर सकते हैं। डेवलपमेंट अल्टरनेटिव्स ग्रुप के सीईओ श्रृष्टांत पातरा ने कहा, 'वर्क4प्रोग्रेस पहल में प्रयोग होने वाली सोशल इनोवेशन की प्रक्रिया ने व्यावहारिक बदलाव किया है, जिससे ज्यादा समावेशी आर्थिक सशक्तीकरण और ग्रामीण समुदायों के लिए टिकाऊ भविष्य की राह सुनिश्चित हुई है।'

संघर्ष समिति ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया

फरीदाबाद। चंदावली फ्लाईओवर संघर्ष समिति ने अनिश्चितकालीन शान्तिपूर्ण धरना व प्रदर्शन का आगाज चन्दावली पुल पर किया। धरने को मोहना रोड पर पडने वाले सभी गांवों के लोगों का पूर्ण समर्थन प्राप्त है।

ज्ञात हो चंदावली फ्लाइओवर संघर्ष समिति ने दिल्ली-बड़ोदरा-मुम्बई एक्सप्रेसवे को बनाने वाले केन्द्र व हरियाणा सरकार के सभी अधिकारियों, जन प्रतिनिधियों को इस रोड को बंद ना करने के बारे में कई बार ज्ञापन दिया जा चुका है, लेकिन जनता की इस भारी समस्या को अनदेखा करते हुए अभी तक न ही सरकार और न ही किसी अधिकारी ने इस समस्या का समाधान किया हैं। अब चंदावली फ्लाईओवर संघर्ष समिति ने अंत में निर्णय लिया हैं कि जब तक मोहना रोड पर एनएचआईए द्वारा पुल नहीं बनाया जायेगा तब तक चंदावली पुल पर समस्त ग्रामवासियों अनिश्चितकालीन शान्ति पूर्ण धरना प्रदर्शन करते रहेगें और आवश्यकता पड़ी तो रोड भी जाम किया जायेगा।

अंगदान से बच सकती है मरीजों की जान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

अंगदान को लेकर लोगों में जागरूकता लगातार बढ़ रही है। लेकिन जरूरत के हिसाब से अभी अंगदान करने वाली संख्या कम है। मेट्रो अस्पताल के वरिष्ठ किडनी स्पेशलिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट सर्जन डॉ निमिष गुप्ता का कहना है कि अंगदान दो तरह का होता है। पहला जीवित अंगदान और दूसरा मृत्यु के बाद अंगदान।

जीवित अंगदान में कोई व्यक्ति किडनी और पैंक्रियास का कुछ हिस्सा जरूरतमंदों की मदद के लिए दानकर सकता है। मृत्यु के बाद अंगदान में मृत व्यक्ति के वो सभी अंग दान किए जा सकते हैं जो ठीक से काम करते हों। अंगदान को लेकर लोगों में कई भ्रांतियां हैं। लोग समझते हैं कि किडनी दान कर हमारा शरीर कमजोर हो जाएगा। हम ज्यादा परिश्रम वाला काम नहीं कर पाएगे। जबकि ऐसा कुछ नहीं है। एक किडनी शरीर में पूरा काम करने के साथ उसे फिट रखती है। अब किडनी प्रत्यारोपण दूरबीन से होता है। इसमें कोई दर्द या जटिल ऑपरेशन नहीं होता है। दो दिन में डोनर की अस्पताल से छुट्‌ टी कर दी जाती है। भारत में पांच लाख लोगों को सालाना किडनी ट्रांसप्लांट की आवश्यकता होती है, लेकिन लगभग आठ हजार यानि 4 प्रतिशत रोगी को मिल पाती है। अंगदान कर हम कई लोगों की जान बचा सकते हैं। नेशनल आर्गन डे का उद्देश्य है कि लोग जागरूक हों और अंगदान के लिए आगे आएं। किसी भी अंग को डोनर के शरीर से निकालने के बाद 6 से 12 घंटे के अंदर को ट्रांसप्लांट कर देना चाहिए। कोई भी अंग जितना जल्दी प्रत्यारोपित होगा, उस अंग के काम करने की संभावना उतनी ही ज्यादा होती है। लिवर ट्रांसप्लांट सर्जन डा. अंकुर गर्ग एक व्यक्ति के कोई भी परिवारीजन ब्रेन डेड मरीज का अंगदान कर सकता है। घरवालों की रजामंदी के बाद डॉक्टर अंगदान की प्रक्रिया पूरी करते हैं। सबसे पहले डॉक्टर की कमेटी ब्रेन डेड मरीज की जांच पड़ताल करते हैं। उसके बाद कमेटी मरीज के ब्रेन डेड होने की संस्तुति करते हैं। फिर काउंसलर खुद घरवालों से संपर्क करते हैं। ब्रेन डेड के अंगदान के लिए प्रेरित करते हैं। अंगदान को लेकर लोगों में पहले से जागरुकता बढ़ी है। फिर भी मांग के मुताबिक अंगदान कम हो रहे हैं। अंग दान दिवस का मुख्य उद्‌देश्य लोगों को जागरुक करना और डेड बॉडी को स्वास्थ्य सेवा और मानव जाति में किए गए नि:स्वार्थ योगदान को पहचानना है। साथ ही मानवता में हमारे विश्वास को फिर से स्थापित करना है। पहली बार अंग दान दिवस साल 2010 में मनाया गया था।

डॉ. अंकुर।

डॉ. निमेष।

ग्रेस बानू को मिला मोस्ट प्रॉमिसिंग इंडीविजुअल का सम्मान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

मार्था फैरेल फाउंडेशन (एमएफएफ), पार्टिसिपेटरी रिसर्च इन एशिया (पीआरआईए) और रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट (आरडीटी) ने महिला सशक्तीकरण एवं लैंगिक समानता के क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वालों को सम्मानित करने के लिए नई दिल्ली के इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में छठे मार्था फैरल अवार्ड कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान मीडिया, शिक्षा एवं सिविल सोसायटी समेत विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी प्रतिष्ठित हस्तियों ने हिस्सा लिया।

एमएफफ के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम कदम बढ़ाते चलो के तहत चयनित 50 किशोरों और दिल्ली एवं हरियाणा से एमएफफ की महिला डोमेस्टिक वर्कर चैंपियंस ने मिलकर शानदार प्रस्तुति दी। इसमें दैनिक जीवन में, कार्यस्थल पर एवं समाज में लैंगिक आधार पर होने वाली हिंसा के विरुद्ध प्रयासों में हो रही प्रगति की झलक दिखी। इस पुरस्कार समारोह में उन लोगों एवं संस्थानों को चुना गया, जिन्होंने महिला सशक्तीकरण एवं कार्यस्थल पर, घर में, समाज में, शिक्षण संस्थानों में एवं अन्य क्षेत्रों में लैंगिक समानता की दिशा में सतत प्रयास किया है और उल्लेखनीय योगदान दिया है। पुरस्कारों के लिए 200 से ज्यादा नामांकन मिले थे। छह सदस्यों वाली ज्यूरी ने इनमें से विजेताओं का चयन किया। ज्यूरी में पीआरआईए के संस्थापक प्रेसिडेंट एवं मार्था फैरेल फाउंडेशन के चेयरपर्सन डॉ. राजेश टंडन, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के महासचिव डॉ. पंकज मित्तल, लेखक, समाजसेवी एवं थिएटर से जुड़े फैसल अलकाजी, पत्रकार एवं लेखिका नमिता भंडारे, गोस्पोर्ट्स फाउंडेशन की सीईओ दीप्ति बोपैया और रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के डायरेक्टर ऑफ प्रोग्राम मोंचो फेरर शामिल रहे। इस सम्मान पर ग्रेस बानू ने कहा, 'हम सभी ट्रांसजेंडर लोगों के लिए भेदभाव एवं हिंसा से मुक्त समाज चाहते हैं। मुझे विश्वास है कि इस पुरस्कार एवं सम्मान से हमें अपने संदेश को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।'

संक्षिप्त समाचार

गांवों में विकास का आधार होते हैं पार्षद : बबली

फरीदाबाद। जिला परिषद के आज घोषित परिणामों में वार्ड नंबर छह से डोली शर्मा पत्नी संदीप शर्मा पन्हेड़ा तथा वार्ड नंबर नौ से अनिल पाराशर के विजयी होने पर अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेंद्र शर्मा बबली ने खुशी जताते हुए दोनों ही नवनिर्वाचित पार्षदों का स्वागत किया। पंडित सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि जिला परिषद के चुने गए पार्षद गांवों में विकास का आधार होते है, उनके प्रयासों से ही गांवों में विकास होते है और उन्हें उम्मीद है कि जिन दोनों ही युवा पार्षदों को जिस उम्मीद व स्नेह से जनता ने विजयी बनाया है, उस पर वह पूरी तरह से खरा उतरेंगे और अपने-अपने वार्डो का समुचित विकास करवाकर जनता की सेवा करेंगे। पंडित सुरेंद्र शर्मा ने कहा कि चुनावों के दौरान इन दोनों ही पार्षदों के पक्ष में उन्होंने जमकर प्रचार किया था और लोगों से आह्वान किया कि वह ऐसे ईमानदार, युवा और कर्मठ युवाओं को विजयी बनाए ताकि वह सही मायनों में अपने वार्डो का विकास करें और जनता ने उन्हें स्नेह रूपी आर्शीवाद देते हुए उन्हें भारी मतों से विजयी बनाने का काम किया है। पंडित सुरेंद्र शर्मा ने संदीप शर्मा व अनिल पाराशर के साथ-साथ जिला परिषद के अन्य वार्डो से विजयी पार्षदों को भी बधाई देते हुए कामना की कि वह जनता के हितों में काम करेंगे और अपने वार्ड को सुंदर और विकासात्मक दृष्टि से मजबूत बनाएंगे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर

फरीदाबाद। पार्क फ्लोर-2, सेक्टर 76, फरीदाबाद में फ्री आई चेकअप कैंप हॉस्पिटल सेंटर फॉर साइट की तरफ से एवं ब्लड डोनेशन कैंप रोटरी क्लब की तरफ से आयोजित किया गया। जिसमें करीब 100 से ज्यादा रेजिडेंट्स के आंखें चेक की गई एवं करीब 60 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। इस बारे में आरडब्ल्यूए प्रेजिडेंट राजीव भारद्वाज और आरडब्ल्यूए जनरल सेकेट्री संतोष चौरीहा ने बताया कि यह कैम्प्स आरडब्लूए, हॉस्पिटल सेंटर फॉर साइट एवं रोटरी क्लब के सहयोग से किया गया। इसके सहयोग के लिए आरडब्लूए की पूरी टीम रमेश गुलिया, कपिल ठाकुर, सरवन डाबी, सत्येंद्र कुमार, देव शर्मा, मनोज मिश्रा, विकास पाठक, देव शर्मा, रविंद्र रावत, हेमंत शर्मा का बहुत-बहुत धन्यवाद करती है।

दो दिवसीय मिक्स्ड नेट बॉल प्रतियोगिता का समापन

फरीदाबाद। दो दिवसीय जिला स्तरीय मिक्स नेट बॉल प्रतियोगिता का समापन हुआ। प्रतियोगिता के दूसरे दिन मॉडर्न स्कूल और एमवीइन स्पोर्ट्स एकेडमी के बीच में सेमीफाइनल हुआ। जिसको एम वी एन स्पोर्ट्स एकेडमी ने 18.2 से जीता। दूसरा सेमीफाइनल मॉडर्न स्पोर्ट्स अकैडमी और एस एस अकैडमी के बीच हुआ। जिसमें एस एस अकैडमी ने मैच 12.10 से जीता। फाइनल मैच एम वी एन स्पोर्ट्स अकैडमी और एस एस अकैडमी के बीच हुआ। जिसमें एमवीएन स्पोर्ट्स अकैडमी 11.10 से विजयी हुई। एस एस अकैडमी दूसरे स्थान, तीसरे स्थान पर मॉडर्न स्पोर्ट्स अकेडमी और चौथे स्थान पर मॉडर्न स्कूल रहा। कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य टाउन प्लानर सुधीर सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके द्वारा जीतने वाली टीमों को ट्राफी, मेडल, सर्टिफिकेट एवं नगद राशि देकर सम्मानित किया गया। फरीदाबाद मिक्सड नेट बॉल एसोसिएशन के प्रधान दीपक कपिल, वरिष्ठ उप प्रधान नरेंद्र जैन द्वारा मुख्य अतिथि सुधीर सिंह चौहान का फूलों का गुलदस्ता एवं मोमेंटो द्वारा स्वागत किया गया। कार्यक्रम में समाज सेवी कंवरपाल, हरियाणा मिक्स बॉल एसोसिएशन के चेयरमैन जगबीर सिंह तेवतिया, कोच रमन शर्मा और मेंटर सुनील भारद्वाज उपस्थित थे।

नेशनल में हरियाणा महिला टीम बनी चैंपियन

फरीदाबाद। भारतीय फ्लाइंग बाल एसोसिएशन के राष्ट्रीय मीडिया कोर्डिनेटर सत्यवीर धनखड (फरीदाबाद) ने जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय फ्लाइंग बाल एसोसिएशन और मध्यप्रदेश फ्लाइंग बाल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में सब जूनियर और सीनियर वर्ग की नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन भारतीय हैवी इलेक्ट्रिक लिमिटेड खेल परिसर भोपाल (मध्यप्रदेश) में 25 नवम्बर से 27 नवम्बर तक किया गया। भारतीय फ्लाइंग बाल एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव सोमवीर ने बताया कि नेशनल फ्लाइंग बाल चैंपियनशिप में सब जूनियर और सीनियर वर्ग के लडके और लड़की खिलाड़ियों के लिए चैंपियनशिप का आयोजन किया गया और इस नेशनल चैंपियनशिप में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश, तेलांगना, तमिलनाडु, कर्नाटक, छत्तीसगढ सहित 18 राज्यों की टीम भोपाल मध्यप्रदेश में भाग लिया। भारतीय फ्लाइंग बाल एसोसिएशन महासचिव सोमवीर ने बताया कि हरियाणा लडकी टीम ने दिल्ली की टीम को 7-4 अंक से हराया और चैंपियन बनी। दिल्ली टीम ने दूसरा स्थान एवं पंजाब और छत्तीसगढ़ ने संयुक्त तीसरा स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर कैटेगरी लडका में दिल्ली ने पहला, महाराष्ट्र ने दूसरा और छत्तीसगढ़ और एन सी आर ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर लडकी वर्ग में दिल्ली चैंपियन बनी और महाराष्ट्र रनर अप रही एवं उत्तरप्रदेश और मध्य भारत टीम ने संयुक्त तीसरा स्थान प्राप्त किया। सोमवीर ने बताया कि सीनियर वर्ग लडका वर्ग में राजस्थान चैंपियनशिप ट्राफी जीती, महाराष्ट्र रनर अप रही और दिल्ली और हरियाणा टीम संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रही। भारतीय फ्लाइंग बाल एसोसिएशन के फाउंडर अवनीश साहू, उपाध्याक्ष राहुल मौर्य और आर्गनाइजिंग सैक्रेटरी नारायण ने खिलाड़ियों को अच्छा खेल प्रदर्शन कर अपने अपने राज्य के लिए पदक और ट्राफी जीतने की हार्दिक शुभकामनाएं प्रदान कीं।

रेड लाइट जंप न करने का दिया संदेश

फरीदाबाद। रोड सेफ्टी ओमनी फाउंडेशन की टीम ने रविवार को सेक्टर 28-29 चौक पर विशेष अभियान सड़क सुरक्षा पर चलाया। जिसमें ई-रिक्शा चालकों को सड़क सुरक्षा के नियम बताए। वहीं पर रोड सेफ़्टी ओमनी फ़ाउंडेशन से वाइस प्रेसिडेंट विवेक चंडोक एवं वाइस प्रेसिडेंट अरुण कक्कड़ ने सभी को बताया कि आप जेबरा क्रॉसिंग पर ही रुके एवं पैदल सवारियों को समझाया कि आपका जीवन अनमोल है हर एक मिनट में एक एक्सीडेंट व तीन मिनट में मौत हो जाती है इसलिए सड़क हमेशा ध्यान पूर्वक पार करें उल्टी दिशा में बिल्कुल ना चलें। दुपहिया वाहन पर दोनो हेलमेट लगाए। इस समय पूरा शहर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है इसलिए सड़क नियम ना तोड़े। वरना आपके घर पोस्टल चालान आपके घर पहुँच सकता है। सड़क सुरक्षा मोटर व्हीकल एक्ट 2019 के बारे में आम जनता को जानकारी दी। बिना हेलमेट चल रहें वाहन चालकों को रोक कर समझाया और बताया की आपके घर पर आपका परिवार इंतजार कर रहा है इसलिए अपनी जान की क़ीमत समझे ओर हेलमेट पुलिस को देख नहीं अपने परिवार को देखकर लगाए।

यू-ट्यूबर दंपत्ति ने बिजनेसमैन को ब्लैकमेल कर वसूले 80 लाख रुपये

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राजधानी से दिल्ली से गुरुग्राम आकर एक बिजनेसमैन के साथ ब्लैकमेलिंग करते हुए यूट्यूबर दंपत्ति ने 80 लाख रुपये वसूल लिए। आरोप है कि पहले तो महिला ने उससे शादी करने के लिए कहा। उसके बाद अपने पति के साथ मिलकर ब्लैकमेलिंग करने लगी।

हनीट्रैप के इस केस की शिकायत मिलने के तुरंत बाद पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके तलाश शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता सुभाष बोकन ने रविवार को बताया कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हनीट्रैप में फंसाकर की गई काफी बड़ी रकम की वसूली

पहली बिजनेसमैन को शादी के लिए कहा, फिर पति के साथ मिलकर ब्लैकमेलिंग

गुरुग्राम में एक विज्ञापन एजेंसी चलाने वाले बादशाहपुर निवासी पीड़ित बिजनेसमैन ने बताया कि वह शालीमार बाग दिल्ली निवासी नामरा कादिर नामक यूट्यूबर महिला के कुछ महीने पूर्व संपर्क में आए थे। उनकी उससे सोहना रोड पर स्टार होटल में मुलाकात हुई थी। नामरा कादिर के साथ विराट उर्फ ??मनीष बेनीवाल नामक व्यक्ति भी था। उसने काम के सिलसिले में नामरा कादिर को 2.50 लाख रुपये दिए थे। कुछ समय के बाद उसने नामरा कादिर से काम पूरा होने के बाद में जानकारी मांगी।

इस पर नामरा ने काम के बारे में जानकारी देने की बजाय सीधे शादी करने का ही प्रस्ताव रख दिया। दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। समय-समय पर वे मिलते भी रहे। दोनों ने साथ रातें भी बिताई।

निजी पलों की वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल : पीड़ित बिजनेसमैन का आरोप है कि नामरा ने चतुराई से निजी पलों की वीडियो बना ली। वह इस बात से अनजान था कि नामरा पहले से ही शादी शुदा है। इसके बाद नामरा व उसके पति ने निजी पलों की रिकॉर्डिंग से उसे धमकी देकर ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पीड़ित ने बताया कि नामरा कादिर ने उसे धमकी दी कि उसके खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कराएंगे। इसी धमकी से उन्होंने पीड़ित से करीब 80 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित बिजनेसमैन ने अपने साथ हुई घटना की शिकायत पुलिस में दी। जिस पर पुलिस ने 10 अक्टूबर 2022 को नोटिस जारी किया। नोटिस का जवाब देने से पहले आरोपी यूट्यूबर दंपत्ति ने अंतरिम जमानत की गुरुग्राम अदालत में याचिका लगाई। उनकी इस याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया।

अब फरार है यूट्यूबर दंपत्ति, पुलिस कर रही तलाश : सेक्टर-50 थाना प्रभारी राजेश कुमार का कहना है कि हनी ट्रैप के आरोपी दंपत्ति के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है। उनकी तलाश जारी है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि समाज में कई तरह से लोग ठगी को अंजाम देने की फिराक में रहते हैं। ऐसे लोगों से बचें।

संक्षिप्त समाचार

सामान्य बस स्टैंड पर टूटा हाई टेंशन लाइन का तार, हादसा टला

सोहना। सोहना के सामान्य बस स्टैंड पर उस समय एक बड़ा हादसे टल गया। जब बस स्टैंड परिसर के बीचों बीच जा रही हाई टेंशन लाइन का तार टूट कर जमीन पर गिर गया, लेकिन उस समय न तो कोई बस हाईटेंशन लाइन के नीचे थी और न ही कोई यात्री। इससे बड़ा हादसा टल गया। रविवार को दोपहर बाद दो बजे सोहना के सामान्य बस स्टैंड परिसर के बीचोबीच से जा रही हाई टेंशन बिजली की लाइन का तार टूट कर जम्पर गिर गया। तार जमीन पर कंकरीट के फ र्श पर करंट होने के कारण चिंगारी उठले लगीं। तार ने फ र्श में लगे कंक्रीट के पत्थरों को भी जला दिया। बस परिसर में मौजूद यात्रियों में हड़कंप मच गया। जिसकी सूचना बिजली निगम को दो गई। बस स्टैंड प्रभारी रमेश का कहना है कि जल्द ही इस हाई टेंशन लाइन को हटाए जाने के लिए उससे पूर्व में रहे अधिकारी मांग कर चुके है। लेकिन न जाने क्या कारण रहा जो हट न सकी। जल्द ही उनके द्वारा यह मांग निगम को फिर से की जाएगी।

बलिदान, बहादुरी की गाथाओं को जन-जन तक पहुंचाना जरूरी

गुरुग्राम। भारत विकास परिषद की चाणक्य शाखा की ओर से रविवार को सेक्टर-109 स्थित यूरो इंटरनेशनल स्कूल में भारत विकास परिषद समर्पण प्रान्त स्तरीय भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को भारतीय सभ्यता, संस्कृति, रीति-रिवाज, भूगोल आदि से अवगत कराना है। इस प्रतियोगिता का संयोजन प्रदीप शर्मा ने किया। इस कार्यक्रम में बोलते हुए भारत विकास परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष महेंद्र शर्मा ने कहा कि भारत का समृद्ध और शौर्यपूर्ण इतिहास है। इसमें बलिदान और बहादुरी की कई ऐसी गाथाएं हैं, जो इतिहास के पन्नों पर कहीं दबकर रह गई। इन गाथाओं से भावी पीढ़ी रूबरू हो, इसके लिए हमें मिलकर प्रयास करने चाहिए। जन-जन तक यह गाथाएं पहुंचनी चाहिए। जिला अध्यक्ष रिषी अग्रवाल कहा कि यह संस्था संस्कारों का समावेश अपनी पीढ़ी में करती है। हर तरह से भारतीयता को आगे बढ़ाना ही भारत विकास परिषद का मूल ध्येय है। उन्होंने कहा कि जिस भारत को जानो शीर्षक से यह प्रतियोगिता कराई गई, इसका आधार यही है कि हमें भारत को जानना होगा। जिला सचिव डा. डीपी गोयल ने कहा कि हम चाहे दुनिया के किसी भी कोने में, किसी भी देश में रहें, लेकिन हमारी भारतीयता कम नहीं होनी चाहिए। हमें अपनी सभ्यता, संस्कृति का वहां भी डंका बजाना चाहिए। तभी हम भारत को विश्व गुरू बना सकते हैं। वर्तमान दौर में भारत जिस मजबूती के साथ उभरकर दुनिया के सामने खड़ा है, उसके पीछे वर्षों की तपस्या है। भारत को जानो प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में 16 टीमें और सीनियर वर्ग में 14 टीमों ने भाग लिया। जूनियर और सीनियर वर्ग में आरपीएस रेवाड़ी की टीमें विजेता रही। जूनियर वर्ग में दूसरे नंबर पर सीएल पब्लिक स्कूल नारनौल, तीसरे नंबर पर होली चाइल्ड स्कूल फरीदाबाद, सीनियर वर्ग में दूसरे नंबर पर यदुवंशी स्कूल नारनौल, तीसरे नंबर पर फोगाट सीनियर सेकेंडरी स्कूल फरीदाबाद की टीम रही।

वाल्मीकि समाज है हमारा महत्व पूर्ण अंग : नवीन गोयल

हम सभी को भगवान वाल्मीकि के आदर्शों को अपनाने की जरूरत

नई बस्ती में भगवान वाल्मीकि द्वार का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

रविवार को यहां नई बस्ती में भगवान वाल्मीकि द्वार का पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर गुरुग्राम की पूर्व मेयर मधु आजाद, पूर्व पार्षद सीमा पाहुजा, पूर्व पार्षद दलीप साहनी, भाजपा कर्मचारी प्रकोष्ठ प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बाली पंडित, भाजयुमो प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गगन गोयल,

गुरुग्राम की नई बस्ती में भगवान वाल्मीकि द्वार का उद्घाटन करते पर्यावरण संरक्षण विभाग भाजपा हरियाणा प्रमुख नवीन गोयल।

समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रमुख लोग मौजूद रहे।

वाल्मीकि द्वार के उद्घाटन समारोह में सभी अतिथियों को वाल्मीकि समाज के अग्रणी व्यक्तियों सुल्तान वाल्मीकि, जुगेश कुमार, कुलदीप, तिलक पोपट, अजय पहलवान, रणबीर पहलवान समेत अनेक सदस्यों ने स्वागत किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में नवीन गोयल ने कहा कि वाल्मीकि समाज हमारे देश का महत्वपूर्ण अंग है। समाज के व्यक्तियों द्वारा स्वच्छता में जो योगदान दिया जाता है, वह अनुकरणीय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान को सिरे चढ़ाने के लिए वाल्मीकि समाज द्वारा जमीनी स्तर पर काम किए जाते हैं। सर्व समाज वाल्मीकि समाज के इस कार्य के लिए ऋणी है। उन्होंने कहा कि समाज में सभी को बराबरी से लेकर चलना हमारा ध्येय है। किसी भी स्तर पर भेदभाव जैसा काम ना हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाता है। सर्व समाज से मिलकर हमारा भारत देश महान बनता है। हर समाज, हर व्यक्ति की यहां विशेषता है। वाल्मीकि समाज से निकले हुए व्यक्तियों ने भी देश, समाज का नाम रोशन किया है। श्री गोयल ने कहा कि भगवान वाल्मीकि के आदर्शों पर भारतीय समाज के सभी वर्गों को चलना चाहिए। इतिहास उठाकर देखें तो सभी समुदायो, समाज से महापुरुष हुए हैं। लेकिन किसी ने भी हमें बांटने की शिक्षा नहीं दी। एक होकर रहने, काम करने को प्रेरित किया है। दूसरों की भलाई करने, दूसरों को आगे बढ़ाने का संदेश दिया है। इसलिए हम सबका भी समाज में रहते हुए यही प्रयास होना चाहिए कि जो भी व्यक्ति हमारे बीच से निकलकर आगे बढ़ता है, उसका हौंसला बढ़ाएं। समारोह में वाल्मीकि समाज की ओर से सभी अतिथियों का सम्मान किया गया।

गुरुग्राम नगर निगम ने बांटे स्वच्छता रैंकिंग पुरस्कार

गुरुग्राम। रविवार को सेक्टर-29 स्थित रंगभूमि ओपन एयर थिएटर में स्वच्छ वार्ड रैंकिंग पुरस्कार वितरित किए। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा आई-टू-आई फाऊंडेशन, बल्लेबाजी डॉट कॉम, इकोग्रीन एनर्जी तथा आकाश पब्लिक स्कूल के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में निवर्तमान मेयर मधु आजाद, निवर्तमान डिप्टी मेयर सुनीता यादव, नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त आयुक्त (स्वच्छ भारत मिशन) डा. नरेश कुमार, चीफटाऊन प्लानर सतीश पराशर, आरजे खुराफाती नितिन, एथलीट मिहिका गुप्ता, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर यशिका रोहिल्ला सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भागीदारी की। इस मौके पर स्वच्छता रैंकिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 11 आरडब्यूए, 3 सरकारी कार्यालय, 10 एनजीओ, 7 सामाजिक कार्यकर्ताओं, 21 होटलों, 80 स्कूलों, 22 अस्पतालों, 7 मार्केट एसोसिएशनों तथा 21 अन्य को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इस अवसर पर निवर्तमान मेयर मधु आजाद ने कहा कि गुरुग्राम ने स्वच्छ सर्वेक्षण-2022 में पूरे देश में 19वां स्थान प्राप्त किया, जिसका श्रेय यहां के नागरिकों को जाता है। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से आह्वान किया कि वे स्वच्छ सर्वेक्षण-2023 में गुरुग्राम को स्वच्छता के प्रथम पायदान पर लाने में अपना भरपूर योगदान देंगे। नगर निगम गुरुग्राम के संयुक्त आयुक्त (स्वच्छ भारत मिशन) डा. नरेश कुमार ने कहा कि हम सभी को यह भलीभांति पता है कि ठोस कचरा प्रबंधन कितना महत्वपूर्ण है और इसकी पहली सीढ़ी सेग्रीगेशन एट सोर्स को माना गया है।

ईज ऑफ लिविंग के तहत सिटीजन प्रसेप्शन सर्वे के बारे में किया गया जागरुक

प्रवीन शर्मा। गुरुग्राम

Ministry of Housin and Urban Affairs
Government of India

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 264 शहरों का किया जा रहा है सर्वे

केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा गुरुग्राम सहित देश के 264 शहरों का ईज ऑफ लिविंग के तहत सिटीजन प्रसेप्शन सर्वे किया जा रहा है। सभी नागरिक इसमें अपनी भागीरी सुनिश्चित करें तथा गुरुग्राम को बेहतर रैंकिंग दिलाने में अपना योगदान दें। यह जानकारी नगर निगम गुरुग्राम के चीफ टाऊन प्लानर सतीश पाराशर ने दी।

उन्होंने कहा कि सिटीजन प्रसेप्शन सर्वे में भाग लेने के लिए क्यूआर कोड को स्कैन करें या ऑनलाईन लिंक 99999 के माध्यम से ओपन करके कुछ सवालों के जवाब देकर गुरुग्राम की जीवनशैली के बारे में सरकार को अवगत करवाएं। इससे एक ओर जहां हम अपने शहर की जीवनशैली के बारे में सरकार को अवगत करवाएंगे, वहीं विकास योजनाएं तैयार करने में भी सरकार का सहयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक अपना फीडबैक जरूर दें तथा दूसरों को भी इस बारे में बताएं।

उन्होंने कार्यक्रम के मंच से अतिथियों के द्वारा सिटीजन प्रसेप्शन सर्वे का पोस्टर भी लांच किया। नगर निगम गुरुग्राम द्वारा इस बारे में होर्डिंग, एफएम रेडियो, मुनादी आदि के माध्यम से विशेष अभियान की शुरुआत की गई है।

राज्य मंत्री ने मिशन रेडियोलॉजी इंडिया लॉन्च किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

भारत सरकार में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग और नागर विमानन मंत्रालय के राज्य मंत्री जनरल (डॉ.) वी के सिंह (रिटायर्ड) ने मिशन रेडियोलॉजी इंडिया (एमआरआई) को लॉन्च किया। इसके साथ ही मिशन रेडियोलॉजी इंडिया के विशेष रूप से तैयार किये गये %%माय स्टाम्प%% को भी पेश किया गया। इस मौके पर दिल्ली सर्कल के पोस्ट मास्टर जनरल (ऑपरेशंस) अशोक कुमार ने रिलीज के लिए पहले अलबम को प्रस्तुत किया। एमआरआई संदीप शर्मा फाउंडेशन की एक सामाजिक पहल है।

एमआरआई एक अभियान है, जिसका मकसद प्रत्येक भारतीय को उनके घर के नजदीक उचित डायग्नॉस्टिक सेवा मुहैया करना और पहुंच में सुधार और सस्ती सेवा के साथ बीमारी के बोझ को कम करना है। इसे पूरा करने के लिए एमआरआई देश भर में डायग्नॉस्टिक सेंटर्स के नेटवर्क का निर्माण करेगा, जो स्थापित दिशानिर्देशों का पालन करेंगे और संबंधित हितधारकों द्वारा समग्र रूप से इसकी निगरानी की जाएगी। स्थापित डायग्नॉस्टिक सेंटर्स मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग 1.5 टी, कंप्यूटेड टोमोग्राफी, डिजिटल एक्सरे, टेली कंसल्टेशन और पैथोलॉजी सेवाओं समेत अन्य के साथ उत्कृष्ट सेवाओं की पेशकश करेंगे। माय स्टाम्प का अनावरण करते हुए माननीय जनरल (डॉ.) विजय कुमार सिंह, एमओएस, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग व नागर विमानन मंत्री ने कहा, मैं इस बेहतरीन पहल की शुरुआत के लिए संदीप शर्मा फाउंडेशन को धन्यवाद देना चाहता हूं,

जिससे प्रत्येक भारतीय को उत्कृष्ट डायग्नॉस्टिक सेवाएं बेहद सस्ती दरों पर मिलेंगी। मिशन रेडियोलॉजी इंडिया शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बीच मौजूद अंतर को भरते हुए भारतीय स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में नए युग की शुरुआत करेगा। इसके साथ ही, यह आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीए-जेएवाई) और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन समेत भारत सरकार के महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमों को मदद देगा। मिशन रेडियोलॉजी इंडिया की शुरुआत और माय स्टाम्प के अनावरण के मौके पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए संदीप शर्मा फाउंडेशन के संस्थापक, सामाजिक-राजनीतिक उद्यमी, को-ऑपरेट स्ट्रैटेजिस्ट और कन्वर्सेशनलिस्ट संदीप शर्मा ने कहा, महात्मा गांधी ने कहा था कि अगर रोग की सही जांच हो जाए तो तीन चौथाई इलाज अपने आप हो जाता है। सही जांच (डायग्नोसिस) होनेसे उपचार में मदद मिलती है और यह फिजियोलॉजिस्ट के लिए सबसे बड़ा लक्ष्य होना चाहिए। हर भारतीय, फिर चाहे उसकी जाति, आर्थिक स्थिति, सामाजिक दर्जा और भौगोलिकता कुछ भी हो, बेहतर स्वास्थ्य सेवा के हकदार हैं।

ब्रेकथ्रू ने लड़कियों के सपनों को दी नई उड़ान

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

लड़कियों की शिक्षा, उनके सपनों और आकांक्षाओं के बारे में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता पैदा करना और माता-पिता को इस चर्चा में शामिल करना जरूरी है। हमारी आने वाले पीढ़ी अपने सपनों को लेकर सचेत रहे और उसमें हम सबकी भूमिका है। हमें मिलकर निभानी होगी ताकि सभी किशोर-किशोरियां अपने सपनों तक पहुंच पाएं।

ब्रेकथ्रू के बड़ी-सी आशा अभियान के दूसरे दिन सोहना ब्लॉक के गांव खेड़ली लाला में दो नाटक आयोजित किये गए। नाटक में ग्रामवासियों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया। यह अभियान शिक्षा विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से 22 दिन तक गुरुग्राम के तीन ब्लॉक के 30 गांवों और स्कूलों में चलाया जा रहा है। जो 17 दिसंबर तक चलेगा। ज्यादातर लड़कियां अपने सपने नहीं बता पाती। इस अभियान का एक उद्देश्य लड़कियों की शिक्षा और उनके सपनों और आकांक्षाओं के बारे में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता पैदा करना और माता-पिता को इस चर्चा

खेड़ली लाला में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूक करते बेकथ्रू के कलाकार।

में शामिल करना है। हमारी आने वाले पीढ़ी अपने सपनों को लेकर सचेत और उसमें हम सबकी भूमिका है जो हमें मारकर मिलक निभानी होगी ताकि सभी किशोर- किशोरियां अपने सपनो तक पहुंच पाए । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के सेकेंड इंचार्ज राजेश ने कहा कि नाटक में जिस भेदभाव और शिक्षा व सपनों में आने वाली परेशानियों के बारे में बात की वो आज भी हमारे समाज में मौजूद हैं। उन्होंने ब्रेकथ्रू संस्था के इस अभियान और तारों को टोली के कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि ब्रेकथ्रू का काम सामाजिक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ब्रेकथ्रू के गुरुग्राम जिला प्रबंधक नरेश ने बताया कि हालांकि बहुत सारे कार्यक्रम किशोर और युवाओं की स्किल बिल्डिंग के थ्रू कराए जा रहे हैं लेकिन आकांक्षाओं की कमी और सपनों व लक्ष्य की पहचान होना बहुत जरूरी है। तभी स्किल बिल्डिंग भी उपयोगी साबित होगी। कुछ बनने की ललक होना ही आगे के रास्ते तय करता है। ब्रेकथ्रू का बड़ी-सी आशा अभियान सपने देखने के लिए किशोरियों और युवाओं को प्रेरित करने का काम कर रहा है।

आईआईटीएफ में केरल पैवेलियन ने जीता स्वर्ण पदक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित 41वें इंडिया इंटरनेशनल ट्रेड फेयर का रविवार को समापन हो गया। इसमें केरल पैवेलियन ने राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों की श्रेणी में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। बिहार को रजत और मध्य प्रदेश को कांस्य पदक मिला। कोविड से जुड़े प्रतिबंध पूरी तरह हटने के बाद यह 14 दिन तक चला पहला पूर्ण ट्रेड फेयर था। ट्रेड फेयर की थीम 'वोकल फॉर लोकल एंड लोकल टू ग्लोबल' रखी गई थी। केरल पैवेलियन का कॉन्सेप्ट और डिजाइन पूरी तरह से ट्रेड फेयर की इसी थीम के अनुरूप था।

पैवेलियन को केरल के अनूठे आर्किटेक्चरल स्टाइल में डिजाइन किया गया था। इस साल उत्तर प्रदेश के साथ केरल फोकस स्टेट्स में से था। पैवेलियन को हॉल नंबर 5 में पहले फ्लोर पर तैयार किया गया था। इसमें 42 स्टॉल बनाए गए थे, जिसमें कृषि, हैंडलूम, आयुर्वेदिक, हर्बल, मसाले और टेक्सटाइल के उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे। पैवेलियन में आठ कलाकारों ने लाइव परफॉर्मेंस भी दी। पैवेलियन के अंदर के स्टॉल्स के अलावा कॉरिडोर में भी कई स्टॉल लगाए गए थे। कॉरिडोर को कोझिकोड मिठाई गली की तर्ज पर तैयार किया गया था। केरल पैवेलियन का उद्घाटन राज्य के वित्त मंत्री के. एन. बालगोपाल ने किया था। केरल के वन एवं वन्यजीव संरक्षण मंत्री ए. के. शशींद्रन, केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक, आईटी, कौशल विकास एवं

उद्यमिता राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर, आंध्र प्रदेश के वित्त मंत्री बुगन्ना राजेंद्रनाथ, ओडिशा के वन एवं पंचायत मंत्री प्रदीप कुमार अमत, लोकसभा सदस्य थॉमस चाझिकदन, राज्य सभा सदस्य एए रहीम, सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश जस्टिस सीटी रविकुमार, हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस बसंत बालाजी, केरल फिल्म एकेडमी के वाइस चेयरमैन प्रेम कुमार, तमिलनाडु के सूचना एवं पीआरडी डायरेक्टर वी पी जयशीलन, केरल के सूचना एवं पीआरडी डायरेक्टर एच. दिनेशन, कॉइर डेवलपमेंट डायरेक्टर ए. शिबू, सांस्कृतिक विभाग के डायरेक्टर मुहम्मद रियाज, उद्योग एवं वाणिज्य डायरेक्टर एस. हरिकिशोर, फिशरीज डायरेक्टर डॉ. अदीला अब्दुल्ला, भूराजस्व जॉइंट कमिश्नर अर्जुन पांडियन, औषधि की चेयरपर्सन शोभना जॉर्ज और प्रतिष्ठित लेखक सी. राधाकृष्णन समेत कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने 14 दिन चले इस ट्रेड फेयर के दौरान राज्य के पैवेलियन का भ्रमण किया। केरल की तरफ से वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों की टीम ने इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर प्रदीप सिंह खरोला से पदक प्राप्त किया।

बार एसोसिएशन चुनाव : फोटोयुक्त मतदाता सूची से पहली बार वोट डालेंगे अधिवक्ता

बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान ने कहा, चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने को है यह कदम

सोहना। सोहना बार एसोसिएशन का 16 दिसम्बर को होने वाले आम चुनाव में 450 मतदाता भाग लेंगे। पहली बार फोटो वाली मतदाता सूची जारी की गई है। सभी मतदाताओं से अपनी वोट स्थानीय एसोसिएशन में ही रखने के लिए हलफनामा लिया गया है।

सोहना बार एसोसिएशन का चुनाव प्रक्रिया गति पकड़ने लगी है। पहली बार सोहना बार एसोसिएशन की गठित चुनाव कमेटी ने मतदाता की मतदाता सूची पर वोटर का फोटो लगा होना अनिवार्य किया है। जिसके लिए प्रत्येक मतदाता से हलफनामा मांगा गया है। बार एसोसिएशन के पूर्व प्रधान लखमिंदर खटाना ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के उद्देश्य ये यह कदम उठाया है। उन्होंने बताया कि मतदाता से हलफनामा लेने का सबसे बड़ा कारण वह अपनी वोट का यदि स्थानीय बार एसोसिएशन में ही रखना चाहता है। उसके लिए उसे अपना हलफनामा देना होगा।

क्या है चुनाव प्रक्रिया : एक और दो दिसम्बर को नामाकंन भरे जाएंगे। 3 दिसम्बर को भरे गए नामाकंनों की छंटनी होगी। 5 दिसम्बर को उम्मीदार अपना नामाकंन वापस ले सकता है। इसी दिन शेष उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह दे दिया जाएगा। 16 दिसम्बर को तय समय पर चुनाव शुरु करते हुए सामान तक चलेगा। इसी दिन चुनाव का नतीजा आ जाएगा।

> **पूरी** चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होगी। चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी को भी अव्यवस्था फैलानी की अनुमति नहीं होगी। व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। चुनाव के नियमों की पालना को तोड़ने नहीं दिया जाएगा।
>
> **सीपी शर्मा**
> (चुनाव कमेटी प्रधान)

केंद्रीय कृषि मंत्री ने किया क्लोवर ऑर्गेनिक को सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। देहरादून

फसलों की जैविक खेती को अपनाने में 50 से अधिक एफपीसी की मदद करने, मिजोरम राज्य में 18 मीट्रिक टन जैविक अनानास और 350 मीट्रिक टन से अधिक जैविक अदरक की बिक्री का लक्ष्य प्राप्त करने वाली क्लोवर आर्गेनिक प्रालि को कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री द्वारा सम्मानित किया गया। समारोह में क्लोवर द्वारा प्रवर्तित और एमओवीसीडीएनईआर के तहत समर्थित मिजोरम राज्य के ख्वाजोल जिले के तुईचांगरल एफपीसी को राज्य में सर्वश्रेष्ठ एफपीसी से सम्मानित किया गया।

पुणे में आयोजित एक समारोह में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने एमओवीसीडीएनईआर के तहत कृषि क्षेत्र में उत्कृष्टता और दिये गये मूल्यवान योगदान के लिए क्लोवर ऑर्गेनिक को सम्मानित किया। भव्य समारोह में मिजोरम के ख्वाजोल जिले के तुइचांगराल एफपीसी को सीईओ श्री वनलालरेमरुतपुइया को केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर द्वारा सर्वश्रेष्ठ एफपीसी से सम्मानित किया गया। कंपनी ने हरियाणा के एक खरीदार द्वारा दिये गये 18 मीट्रिक टन रसायन मुक्त अनानास के ऑर्डर को पूरा करने के लिये उपरोक्त सभी एजेंसियों द्वारा निर्देशित और समर्थित एक समूह के रूप में काम करने के लिए प्रेरित किया था।

क्लोवर ऑर्गेनिक के लिए पुरस्कार सीईओ संजय अग्रवाल ने प्राप्त किया। इस विशिष्ट उपलब्धि को प्राप्त करने के बाद सीईओ संजय अग्रवाल ने इसका श्रेय किसानों की कड़ी मेहनत और कंपनी और अन्य सभी सक्षम एजेंसियों में जैविक प्रक्रिया में उनके द्वारा किए गए भरोसे को दिया। संजय अग्रवालजी ने बताया की क्लोवर ऑर्गेनिक प्रा. लिमिटेड की स्थापना वर्ष 2008 में किसानों को अपनी फसलों की बिक्री के माध्यम से अधिकतम आर्थिक लाभ प्रदान करने के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए की गयी थी। क्लोवर ऑर्गेनिक ने

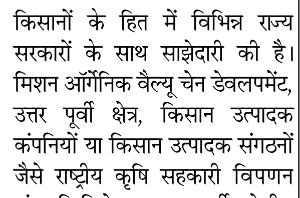

किसानों के हित में विभिन्न राज्य सरकारों के साथ साझेदारी की है। मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट, उत्तर पूर्वी क्षेत्र, किसान उत्पादक कंपनियों या किसान उत्पादक संगठनों जैसे राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड, उत्तर पूर्वी क्षेत्रीय कृषि विपणन निगम लिमिटेड, उत्तर प्रदेश विविध कृषि सहायता परियोजना पीडीएएसपी, 10,000 एफपीओ आदि का गठन और प्रचार जैसी योजनाओं के तहत क्लोवर ऑर्गेनिक खेती की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला में कई भारतीय राज्यों में किसानों की मदद कर रहा है। सीईओ संजय अग्रवाल ने बताया की 55 किसान उत्पादक कंपनियों और 40,000 से अधिक पंजीकृत किसानों के साथ 5 राज्यों, मिजोरम, मणिपुर, मेघालय, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश में कंपनी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही है।

शिक्षित युवा नई सोच के साथ ग्रामीण विकास करेंगे : धनखड़

ओमप्रकाश धनखड़ ने दी नवनिर्वाचित जिला पार्षदों व खंड समिति सदस्यों को बधाई

प्रदेशभर में ज्यादातर स्थानों पर भाजपा व भाजपा समर्थित उम्मीदवार जीते

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रदेशभर में जिला परिषद और पंचायत समिति के लिए ज्यादातर स्थानों पर भाजपा व भाजपा समर्थित उम्मीदवार निर्वाचित हुए हैं। पंचायती राज संस्थाओं के नतीजों से यह बात तय हुई है कि ग्रामीण क्षेत्र में भाजपा का जनाधार निरंतर मजबूत हुआ है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने जिला परिषद व खंड समिति के लिए नवनिर्वाचित हुए सदस्यों को बधाई देते हुए ये बातें कहीं। धनखड़ ने नवनिर्वाचित सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अधिकतर शिक्षित युवा चुनाव जीतकर आए हैं। शिक्षित युवा नई सोच के साथ ग्रामीण क्षेत्र का विकास करेंगे। धनखड़ ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र की जनता बधाई की पात्र है कि उन्होंने शांतिपूर्ण ढंग से निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी की और अपनी पसंद के उम्मीदवारों को चुनकर भेजा। यही भारतीय लोकतंत्र की खूबी है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा शिक्षित पंचायत कानून बनाने के सुखद परिणाम आए हैं। प्रदेश की जनता ने शिक्षित पंचायत कानून को पूरा मान-सम्मान दिया है। धनखड़ ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विकास को अब और तेज गति मिलेगी, क्योंकि ज्यादातर स्थानों पर भाजपा व भाजपा समर्थित सदस्य जीतकर आए हैं। नवनिर्वाचित सदस्य मोदी-मनोहर सरकार की गरीब कल्याण की सोच के साथ कार्य करने की नीति को ग्रास रूट स्तर पर अमलीजामा पहनाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़।

पटौदी हलके में चेयरपर्सन की दावेदार उम्मीदवार को भी नहीं जिता पाए जरावता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विधायक सत्यप्रकाश जरावता के लिए प्रतिष्ठा का सवाल था वार्ड-9

महिला चेयरमैन के लिए एससी प्रत्याशी के लिए आरक्षित था यह वार्ड

लाख प्रयासों के बावजूद भारतीय जनता पार्टी गुरुग्राम जिला परिषद के चुनावों में वह कमाल नहीं कर पाई, जिसके दावे किए जा रहे थे। यहां 10 सीटों में से भाजपा को मात्र 4 सीटें ही हाथ लगी हैं। पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश के जिम्मे जिला परिषद चेयरपर्सन के लिए जिस उम्मीदवार को विजयी बनाने का भार थी, वार्ड-9 से वह प्रत्याशी भी हार गई।

जिला परिषद के चुनाव में भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ की ओर से 27 अक्टूबर 2022 को सभी 10 वार्ड के प्रत्याशियों की सूची जारी की गई थी। बीजेपी जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ का भी दावा थी कि भाजपा जिला परिषद के चुनाव में 7 सीटें जीतेगी। जिला परिषद की चेयरपर्सन के ख्वाब देखने वाली मधु वाल्मीकि पटौदी खंड के गांव गुढ़ाना की रहने वाली है। चुनाव से पहले मधु वाल्मीकि के बारे में किसी को जानकारी नहीं थी कि वे बीजेपी में हैं या नहीं। मधु वाल्मीकि 2019 के विधानसभा चुनाव में मधु वाल्मीकि के पति सुमित कुमार सारवान कांग्रेस के एजेंट थे। चर्चाएं रही कि बीजेपी ने पैराशूट उम्मीदवार को चुनाव मैदान में उतारा है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा था कि जिला परिषद के उम्मीदवारों का चयन का निर्णय जिला कार्यकारिणी ही करेगी। ऐसे में भाजपा गुरुग्राम जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़ ने बड़ी सूझबूझ से जिला परिषद के वार्ड-2, वार्ड-5, वार्ड-7, वार्ड-9 और वार्ड-10 पर महिलाओं को उम्मीदवार बनाकर चुनाव मैदान में उतारा गया था। दो एससी प्रत्याशियों को टिकट दी गई। इसमें एक पुरुष प्रत्याशी खजान सिंह वार्ड-3 से और दूसरी वार्ड-9 से एससी प्रत्याशी मधु वाल्मीकि रहीं। भाजपा के लिए जिला में सबसे बड़ी हार मधु वाल्मीकि की है।

संक्षिप्त समाचार

भारी अव्यवस्था और एक घंटा देरी से शुरू हुई मतगणना

मतदान केंद्र के बाहर सड़क पर मौजूद समर्थकों की भीड़।

तावडू। तीस अक्टूबर को जिला परिषद व ब्लॉक समिति सदस्यों के लिए हुए मतदान की मतगणना रविवार को तावडू के मेवात मॉडल स्कूल में भारी अव्यवस्था के बीच शुरू हुई। मतगणना निर्धारित समय से लगभग एक घंटा देर से हुई। उपमंडल के अंतर्गत जिला परिषद के तीन वार्ड और ब्लॉक समिति सदस्यों के 29 वार्डों की मतगणना हुई। सबसे पहले जिला परिषद उम्मीदवारों की मतगणना हुई। 120 बूथों के लिए नौ राउंड मे मतगणना शुरू हुई, प्रत्येक राउन्ड पर 14 टेबल लगाई। सभी जिला परिषद उम्मीदवारों के मतदान एजेंटों के समक्ष मतगणना शुरू कराई गई। 120 बूथों के एजेंटों को बुलाकर बूथ स्तर पर प्राप्त मतों की सूची थमा दी गई। जिसके बाद उन्हें बगैर परिणाम बताए मतदान केंद्र से बाहर निकाल दिया गया। निर्वाचन अधिकारी की इस पहल से उम्मीदवार, एजेंट और उनके समर्थकों ने नाराजगी दिखाई। सभी अधिकारिक परिणाम की जानकारी लेने के लिए उत्सुक रहे। वहीं जानकारी जुटाने के लिए बेताब मीडिया कर्मियों को भी कोई सही जानकारी नहीं दी गई। मतगणना केंद्र पर मौजूद कर्मचारियों से जब मीडिया कर्मियों ने पूछा तो वह कुछ भी कहने से बचते रहे। हताश व उत्सुक लोग सोशल मीडिया पर अफवाहों का सहारा लेते रहे। दोपहर 3:00 बजे तक जिला परिषद चुनाव परिणाम की तावडू मे आधिकारिक रूप से घोषणा नहीं की गई। वहीं ब्लॉक समिति सदस्य उम्मीदवारों के चुनाव की मतगणना दो राउंड में की गई, पहले राउंड में वार्ड नंबर 1 से 14 और दूसरे राउंड में वार्ड नंबर 15 से 29 के परिणाम घोषित किए गए। जिले के अन्य खंडों के मुकाबले में तावडू खंड की मतगणना बहुत धीमी गति से हुई। ब्लॉक समिति सदस्य और जिला परिषद उम्मीदवारों के चुनाव की मतगणना के दौरान तावडू मेवात मॉडल स्कूल परिसर के आसपास पुलिस की व्यवस्था काफी चाक चौबंद रही। तावडू बाईपास रोड पर सुबह से ही पुलिस अलर्ट थी। शहर और सदर थाना प्रभारी दोनों संयुक्त रूप से अलग-अलग जगह पर अपनी टीम के साथ निरीक्षण करते रहे। सदर थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि चुनाव पंचायत समिति व जिला परिषद चुनाव की मतगणना को देखते हुए 700 पुलिस जवानों की ड्यूटी लगाई गई थी बाईपास सड़क पर 7 पुलिस नाके लगाए गए। पार्किंग की अलग व्यवस्था थी।

अल्ट्रासाउंड की नई पद्धति एनटीएनबी के बारे में बताया

पलवल। आज एक होटल में पलवल की गाइनेकोलॉजिस्ट एसोसिएशन का सम्मेलन हुआ। इस कार्यक्रम का आयोजन अल्बर्ट डेविड के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर प्रधान डॉ संजना अरोड़ा और सचिव डॉ सपना जिंदल ने समय-समय पर हो रही इस प्रकार की गतिविधियों को बहुत ही महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा इन सब कार्यक्रमों से हम अपने आप को नई-नई पद्धतियों से अवगत कराते हैं। इस अवसर पर डॉ श्रद्धा अग्रवाल, केसी अस्पताल, पलवल ने एनटीएनबी नामक अल्ट्रासाउंड पद्धति के बारे में बताया। जिसको आप गर्भ के 11 से 13 हफ्ते के बीच में प्रयोग करके बच्चे के अंदर आने वाले विकारों के बारे में जान सकते हैं। इस पद्धति की एफएमएफ प्रमाणित विशेषज्ञ डॉक्टर श्रद्धा अग्रवाल ने केसी अस्पताल में 12 हफ्ते के गर्भ की अल्ट्रासाउंड जांच द्वारा विभिन्न प्रकार की जन्मजात बीमारियों का पता लगाया है। इस पद्धति के द्वारा डॉ श्रद्धा ने पलवल के कई मरीजों को फायदा पहुंचाया है। इस अवसर पर डॉ रेखा सिंह, डॉ कुनिका, डॉ श्रुति, डॉ मिथलेश बंसल, डॉ मंजू गोयल, डॉ पूजा, डॉ सुमन सोरोत, डॉ अरुणा अग्रवाल, डॉ नितिका जिंदल, डॉ साधना गुप्ता, डॉ संगीता गुप्ता, डॉ उषा गुप्ता मौजूद रही।

बाइक और 20 टायर ट्रोला आपस में टकराए, युवक की मौत

क्षतिग्रस्त अवस्था में पड़ी मृत युवक की मोटरसाइकिल।

फिरोजपुर झिरका। थाना अंतर्गत के गांव महोली में प्रातः 10.00 बजे मोटरसाइकिल और 20 टायर ट्रोला की आमने-सामने की टक्कर से मौके पर ही एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। उसके दूसरे साथी की हालत काफी गंभीर है। जो मांडी खेड़ा सामान्य अस्पताल में जिंदगी मौत से लड़ रहा है। जांच अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि वसीम पुत्र उमर मोहम्मद निवासी खेड़ली कलां पिनगवा किसी जरूरी काम के सिलसिले में अपने साथी शौकीन पुत्र उस्मान निवासी खेड़ली कलां निजी काम के लिए मोटरसाइकिल पर सवार होकर अलवर जा रहा था। वही रास्ते में दिल्ली अलवर हाईवे रोड से तेज रफ्तार के साथ लापरवाही से आ रही 20 टायर ट्रोला से मोटरसाइकिल की आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गई। जिसकी वजह से वसीम पुत्र उमर मोहम्मद की मौके पर ही मौत हो गई और उसके दूसरे साथी शौकीन पुत्र उस्मान कि दोनों टांगें टूट गई। जिसका इलाज मांडी खेड़ा के सामान्य अस्पताल में चल रहा है और जिंदगी मौत से लड़ रहा है। वहीं 20 टायर ट्रोला चालक अपने ट्रेला को छोड़कर मौके से फरार हो गया। जांच अधिकारी सुरेंद्र कुमार का कहना है कि मृतक वसीम के शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। जल्द ही कानूनी प्रक्रिया पूरी होते ही फरार 20 टायर ट्रेलर चालक को गिरफ्तार किया जाएगा और कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

वाहन की टक्कर में एक की मौत, तीन गंभीर रूप से घायल

फिरोजपुर झिरका। दिल्ली अलवर नेशनल हाईवे पर स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर चौक में गत रात्रि 1:00 बजे पिकअप चालक ने गाड़ी पिकअप को ठोक दिया। इस दुर्घटना के संदर्भ में पिकअप में बैठे एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि मृतक के बेटे सहित तीन व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक के बेटे की शिकायत पर पुलिस ने पिकअप गाड़ी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं सिटी चौकी प्रभारी सुनील कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि गाड़ी पिकअप चालक अर्जुन सिंह निवासी स्याहचोली थाना राजगढ़ राजस्थान गाड़ी पिकअप में पशुओं को दौसा राजस्थान से भर कर दिल्ली बेचने जा रहा था। आरोप है कि इसका चालक इस गाड़ी को तेज गति से चला रहा था। करीब रात्रि 1:00 बजे गाड़ी पिकअप चालक ने गाड़ी को दिल्ली अलवर नेशनल हाईवे पर स्थित अंबेडकर चौक में तेजी से ठोक दिया। इस दुर्घटना में गोपाल पुत्र छोटेलाल निवासी बजरंग नगर कॉलोनी थाना दौसा घायल होने पर उसे अस्पताल ले जाते समय गोपाल ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जबकि इसका बेटा जय किशन और उसके साथ पिकअप में बैठा उनका रिश्तेदार मान सिंह निवासी पिनाना व चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस चौकी सिटी प्रभारी सुनील कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल मांडीखेड़ा भिजवाया। मृतक गोपाल के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव उसके परिजनों को सौंप दिया। सिटी चौकी प्रभारी सुनील कुमार का कहना है कि दुर्घटना में मरने वाले गोपाल के बेटे जय किशन की शिकायत पर गाड़ी पिकअप चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मृतक का पोस्टमार्टम कराकर उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।

जिला परिषद चुनाव : 25 वार्डों में से 7 में खिला कमल

भाजपा ने जिला परिषद के 25 वार्डों में से 24 पर उतारे थे अपने उम्मीदवार

सभी राजनीतिक दलों ने अपने समर्थक को जिला प्रमुख बनाने की भागदौड़ शुरू की

अजय कुमार डीसी एवम जिला निर्वाचन अधिकारी नूंह।

नवनिर्वाचित जिला परिषद के सदस्य को सर्टिफिकेट प्रदान करते डीसी अजय कुमार। मतगणना केंद्र के अंदर मतगणना करते कर्मी।

रिजवान कासिम। मेवात

जिला परिषद नूंह के लिए 25 वार्ड हैं। जिलेभर में करीब 10.50 लाख मतदाता हैं। रविवार को जिले भर के 25 वार्डों की मतगणना के लिए जिलेभर में बनाए गए छह स्ट्रांग रूम में की गई। जिले के 25 जिला परिषद के वार्डों में से 7 वार्डों में कमल का फूल खिला है। आपको बता दें कि भारतीय जनता पार्टी ने इस बार जिला परिषद के 25 वार्डों में से 24 वार्डों पर अपना उम्मीदवार उतारा था। सिर्फ वार्ड 21 को छोड़कर भाजपा ने अपने उम्मीदवार उतारे थे। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार वार्ड नंबर 5, 8,10, 18,19, 23 तथा 25 वार्ड में चुनाव में जीत दर्ज कर पाए। जिला परिषद के नतीजे आते ही अब जिला प्रमुख की कुर्सी के लिए कसरत शुरू हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी अपना जिला प्रमुख बनाने का दम भर रही है तो निर्दलियों के सहारे कांग्रेस भी जिला प्रमुख की रेस में पीछे नहीं है।

दूसरी तरफ अगर हम बात करें तो मेवात जिले की पहली जिला प्रमुख रह चुकी हाजरा बेगम के पुत्र यहूदा खान भी जजपा नेता हैं। जिन्होंने वार्ड नंबर 4 से जीत दर्ज की है। सभी दल अपने-अपने समर्थक को जिला प्रमुख बनाने की भागदौड़ शुरू कर चुके हैं। कुल मिलाकर जिला प्रमुख के लिए मुकाबला दिलचस्प होने जा रहा है।

किस-किस ने मारी बाजी

जिला परिषद के वार्ड नंबर 1 से हरशरण, वार्ड नंबर 2 से नरेंद्र सिंह, वार्ड नंबर 3 से अफसाना, वार्ड नंबर 4 से यहूदा मोहम्मद, वार्ड नंबर 5 से सलमा, वार्ड नंबर 6 से मोहम्मद आरिफ, वार्ड नंबर 7 से नुसरत, वार्ड नंबर 8 से कैलाशवति, वार्ड नंबर 9 से यासीन, वार्ड नंबर 10 से श्वेता, वार्ड नंबर 11 से मोहम्मद आबिद, वार्ड नंबर 12 से हसरत जहान, वार्ड नंबर 13 से राशिद खान, वार्ड नंबर 14 से फरहाना, वार्ड नंबर 15 से उमर मोहम्मद, वार्ड नंबर 16 से नेहा रानी बंसल, वार्ड नंबर 17 से खुर्शीद अहमद, वार्ड नंबर 18 से बिलकीस, वार्ड नंबर 19 जान मोहम्मद, वार्ड नंबर 20 से सिरीन खान, वार्ड नंबर 21 से मोहम्मद तारिफ, वार्ड नंबर 22 से मुबीना, वार्ड नंबर 23 से फखरुद्दीन, वार्ड नंबर 24 से तशमीना, वार्ड नंबर 25 से तौफीक ने जीत दर्ज की है।

सबसे बड़ी जीत

नूह जिले के फिरोजपुर झिरका खंड के वार्ड नंबर 16 से जिला परिषद उम्मीदवार नेहा रानी बंसल ने 12138 तथा उनके प्रतिद्वंदी सुमैया हुसैन ने 4952 वोट लिए। जिले में नेहा रानी बंसल ने 7186 वोट से सबसे बड़ी जीत दर्ज की। अगर जिले में सबसे कम वोट के अंतर से जीत की बात करें तो वार्ड नंबर 5 में सलमा 4073 तथा तस्लीमा 3994 वोट पा सकी। कुल 79 वोटों से सलमा ने जीत दर्ज की। पंचायत समिति :- नूंह जिले में कुल सात खंड है। नूंह, तावडू, नगीना, फिरोजपुर झिरका, इंडरी, पिनगवां, पुनहाना खंड में पंचायत समिति के लिए चुनाव हुए। जिले में सात पंचायत समिति के चेयरमैन बनेंगे। पंचायत समिति सदस्य के नतीजे आते ही अब पंचायत समिति चेयरमैन के लिए भागदौड़ शुरू हो गई है।

सुरक्षा के रहे कड़े इंतजाम

मतगणना के दौरान रविवार को जिले भर के सभी छह स्ट्रांग रूम पर सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह से चाक-चौबंद रही। तकरीबन 1200 पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी फील्ड में उतारे गए। जिसके चलते स्ट्रांग रूम पर किसी तरह की कोई अफरा-तफरी नहीं दिखी। सबसे खास बात यह है कि जिला प्रशासन के अधिकारियों ने स्ट्रांग रूम के दूर-दूर तक भी किसी को भी जीत का जश्न मनाने की इजाजत नहीं दी। जिसकी वजह से पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल देखने को मिला। ध्यान रहे कि मतदान के दिन नूंह जिले के तकरीबन 2 दर्जन गांव में झड़प हुई थी। जिसके चलते दो लोगों की जान चली गई थी और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए थे। इसे देखते हुए पुलिस कप्तान वरुण सिंगला ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम मतगणना के दिन किए थे, जिसमें उन्हें काफी हद तक सफलता मिली।

उधारी के पैसे मांगने पर एक पक्ष ने दूसरे पर किया जानलेवा हमला

फिरोजपुर झिरका। थाना अंतर्गत के गांव अगोंन में अमानती पैसे मांगने के एवज में एक पक्ष को दूसरे पक्ष पर जानलेवा हमला बोल दिया। जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। वही थाना फिरोजपुर झिरका पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चार नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगामी कार्यवाही शुरू कर दी है।

जुबेर पुत्र रहमान निवासी अगोंन ने थाना फिरोजपुर झिरका पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि मेरे भाई हमीद ने दूसरे पक्ष के हनीफ को 15 हज़ार रुपए बतौर उधारी के रूप में दिए थे।जब में और मेरा भाई हमीद अपने पैसे के तगादे को लेकर हनीफ के पास गए तो उसने हमें धमका कर गाली गलौज करके अपने घर से भगा दिया। इसके बावजूद बेइज्जत होने पर भी दोबारा हनीफ के पास अपने उधारी पैसे लेने गए तो उसने पहले की तरह घटिया सलूक करके अपने घर से धक्का मार कर भगा दिया। इसके बाद हनीफ बार-बार पैसे के तगादे को लेकर उसने अपने घरवाले मुस्तकीम, मौसम, फर्मिना हमशवरा होकर लाठी-डंडों के साथ लैस होकर हमारे घर आ गए। जिसमें हमारे परिवार के तीन लोग जुबेर, शकील, हमीद निवासी अगोंन गंभीर रूप से घायल हो गए।

गुरुग्राम जिप की 10 में से 4 सीटों पर भाजपा, 6 पर निर्दलीय जीते

जिप चेयरपर्सन की दावेदार भाजपा प्रत्याशी मधु वाल्मीकि को निर्दलीय प्रत्याशी दीपाली ने हराया

गुरुग्राम। जिला परिषद के चुनाव में इस बार 10 सीटों में से 4 सीटों पर भाजपा जीत दर्ज कर पाई। बाकी सभी 6 सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने बाजी मारी। इस चुनाव में वार्ड-9 से जिप की चेयरपर्सन की दावेदार मधु वाल्मीकि को भी हार का मुंह देखना पड़ा। वह भी निर्दलीय प्रत्याशी से। मधु वाल्मीकि को जिताना पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता के लिए भी प्रतिष्ठा का सवाल था। जरावता की लोकप्रियता पर अब सवाल खड़े हो गए हैं।

रविवार को जिला परिषद के मतों की गणना शुरू होते ही परिणाम चौंकाने वाले सामने आने लगे। मतगणना में ज्यादातर भाजपा उम्मीदवार पिछड़ते ही जा रहे थे और निर्दलीय उम्मीदवारों का ग्राफ बढ़ रहा था। यहां वार्ड-1 से भाजपा उम्मीदवार ओमप्रकाश सिलानी 1450 वोटों से जीते। वार्ड-2 से भी भाजपा उम्मीदवार पुष्पा देवी 3426 वोटों से जीती। वार्ड-3 से निर्दलीय उम्मीदवार श्रीभगवान 548 वोटों से, वार्ड-4 से निर्दलीय उम्मीदवार मनोज यादव 1388 वोटों से, वार्ड-5 से बीजेपी उम्मीदवार ऋतु यादव 301 वोटों से, वार्ड-6 से निर्दलीय उम्मीदवार नवीन जून 78 वोटों से, वार्ड-7 से बीजेपी उम्मीदवार अंजू देवी 2068 वोटों से, वार्ड-8 से निर्दलीय उम्मीदवार यशपाल चौहान 1133 वोटों से जीते। वार्ड-9 अहम था। क्योंकि इस बार जिला परिषद की चेयरमैनी एससी के लिए आरक्षित है। जिला परिषद के 10 वार्ड में से वार्ड नंबर-9 ही आरक्षित था। यानी इस वार्ड से चुने जाने वाला उम्मीदवार ही चेयरमैन की कुर्सी पर विराजमान होगा।

ऐसे में भाजपा की ओर से यहां मधु वाल्मीकि को प्रत्याशी बनाया गया था। उनकी जीत सुनिश्चित करने के लिए पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने खूब जोर लगाया। क्योंकि यह वार्ड उनके विधानसभा क्षेत्र में ही आता है। यहां से भाजपा प्रत्याशी मधु वाल्मीकि को निर्दलीय उम्मीदवार दीपाली ने हराया। इसी तरह वार्ड-10 से निर्दलीय प्रत्याशी संजू देवी करीब 1780 वोट लेकर जीतीं।

खंड की तीन जिला परिषद की सीटों पर हारे भाजपा प्रत्याशी

पायनियर समाचार सेवा। फिरोजपुर झिरका

फिरोजपुर झिरका खंड की जिप की तीन और पंचायत समिति की 28 सीटों का परिणाम आया

पंचायत समिति वार्ड-13 से फखरुद्दीन पहले ही निर्विरोध चुने गए

पंचायती राज संस्थाओं के चुनावों में तीन जिला परिषद और 27 पंचायत समिति के परिणामों की रविवार को घोषणा हो गई। पंचायत समिति वार्ड 13 से फखरुद्दीन पहले ही निर्विरोध चुने गए हैं।

खंड की जिला परिषद की वार्ड 15 से उमर पाड़ला ने 370 से जीत हांसिल की जबकि भाजपा के जफर खान पांचवें स्थान पर रहे। वार्ड 16 से नेहा ने अपनी प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी सुमैया को 7186 बड़े अंतर से जीत दर्ज कर सभी को हैरत में डाल दिया। वार्ड 17 से खुर्शीद अहमद ने भाजपा के प्रत्याशी जकरिया को 2313 से हरा कर बाजी मारी। प्रदेश की पहले चरण चुनाव में 30 सितंबर को हुए जिला परिषद और पंचायत समिति के परिणामों के लंबे इंतजार करने के बाद रविवार को शहर के श्री शांति सागर जैन कन्या महाविद्यालय में रिटर्निंग अधिकारी दीपक बाबूलाल करवा की देखरेख में सुबह आठ बजे शुरू हुई मतगणना शुरू हुई।

मतगणना को लेकर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती स्ट्रांग रूम के आसपास की गई। सबसे पहले जिला परिषद की वार्ड 15 की काउटिंग कराई गई। जिसमें उमर पाड़ला ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी सद्दाम हुसैन को 370 वोटों से पराजित कर दिया।

इसी तरह वार्ड 16 की काउंटिंग जब आरंभ हुई तो नेहा की शुरू से ही भारी बढ़त दिखाई दी। चौथे राउंड तक नेहा 12138 वोट लेने में कामयाब रही। नेहा ने अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा प्रत्याशी सुमैया हुसैन को 7186 मतों के भारी अंतर से पराजित कर दिया। वार्ड 17 में खुर्शीद अहमद साकरस ने अपने निकटतम उम्मीदवार जकरिया को 2313 मतों से हराकर चुनाव जीत लिया। जिला परिषद के परिणामों के बाद बारी आई पंचायत समिति के प्रत्याशियों के भाग्य के फैसले की

मतगणना के बाद विजेता प्रत्याशियों को जीत का सर्टिफिकेट देते रिटर्निंग अधिकारी।

मतगणना केंद्र में मतगणना के दौरान भीड़।

यहां पंचायत समिति की वार्ड नंबर एक से इनामुल हसन, वार्ड दो से फराना, वार्ड तीन से सहरुन खान, वार्ड चार से सकीना खातून, पांच से नईम, छह से शमशाना, सात से सरिता, आठ से राजपाल वर्मा, नौ से रविन्द्र कुमार, 10 से अफसीना, 11 से हामिद हुसैन, 12 से मनीषा, 13 से फकरुदीन, 14 से बईमन, 15 से आरिफ खान, 16 से असमीना, 17 से जाहिद हुसैन, 18 से वसीमा, 19 से तारिफ हुसैन, 20 से नाजरीन, 21 से रफीक, 22 शाजिया, 23 से वसीम खान, 24 से मुनफीदा, 25 से इकराम, 26 से सलमा और वार्ड 27 से जुबेर तथा वार्ड 28 से नफीसा ने जीत दर्ज की।

रिटर्निंग अधिकारी दीपक बाबूलाल करवा ने जानकारी देते हुए बताया कि खंड की तीनों जिला परिषद और 27पंचायत समिति के नतीजे घोषित कर दिए गए हैं इसके अलावा वार्ड नंबर 13 से फखरुद्दीन पहले ही पंचायत समिति निर्विरोध चुने गए हैं। उन्होंने खंड के सभी मतदाताओं और सभी प्रत्याशियों का शांतिप्रिय चुनावों को लेकर आभार व्यक्त किया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रवीण मोहंती द्वारा सोका क्रिएशन प्राइवेट लिमिटेड, प्लाट नंबर 262 आईकेएल, सेक्टर-24, फरीदाबाद (हरियाणा) से प्रकाशित और बीएफएल इंफोटेक लिमिटेड, सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, जिला- गौतमबुद्ध नगर - 201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादक : नवीन उपाध्याय, स्थानीय संपादक : प्रवीण मोहंती। दूरभाष नंबर : (0129) 4195000। पी.आई.बी. एक्ट के अनुसार सभी विवादित समाचारों की जिम्मेदारी लेखक की होगी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापन के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।

एक वीर योद्धा का हिंदूकरण

राजनीतिक मकसद

इतिहास के नायकों का यह महिमामंडन अच्छी बात है, क्योंकि इससे आज की पीढ़ी को न केवल अपनी विरासत की जानकारी मिलती है, बल्कि व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरणा भी मिलती है। लेकिन लचित बोरफुकन के नायकत्व को जिस तरह भाजपा हिंदुत्व के आवरण में लपेटने की कोशिश कर रही है, उस पर अब कई इतिहासकारों ने आपत्ति जतलाई है। इतिहास का पुनर्पाठ जरूरी होता है, क्योंकि उससे हम वर्तमान और भविष्य के लिए सबक ले सकते हैं। लेकिन राजनीतिक मकसद से इतिहास का पुनर्लेखन सही नहीं है। भाजपा कई बार ये आरोप लगा चुकी है कि देश की पाठ्य पुस्तकों में जो इतिहास पढ़ाया जाता है, वह वामपंथी नजरिए से प्रेरित है या अंग्रेजों का लिखा हुआ है। लेकिन भाजपा खुद जिस तरह का इतिहास प्रस्तुत करती है, उसमें साफ तौर पर अंध और उग्र राष्ट्रवाद के साथ-साथ हिंदुत्व का परचम लहराने के लिए तथ्यों की गलतबयानी बिना किसी झिझक के होती है। कुछ समय पहले ही एक उदाहरण पेश हुआ था जिसमें वी डी सावरकर को बुलबुल के पंखों पर मातृभूमि की सैर करते बताया गया था। भाजपा के इतिहास लेखन में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित नेहरू को भी गलत बताने की सायास कोशिश दिखती है। ताजा मिसाल संरा सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सीट के सवाल को लेकर है, जिसके बारे में भाजपा का आरोप है कि पं.नेहरू ने इस सीट को इसलिए ठुकरा दिया, क्योंकि वे चीन से संबंध खराब नहीं करना चाहते थे। जबकि इस बारे में 27 सितंबर 1955 को लोकसभा में डॉ. जेएन पारेख के सवाल का जवाब देते हुए पं.नेहरू ने साफ कहा था कि इस तरह का कोई प्रस्ताव औपचारिक या अनौपचारिक तौर पर नहीं आया है। प्रेस में तथ्यहीन संदर्भों के हवाले से यह बात उठाई गई है। सुरक्षा परिषद का गठन संरा के चार्टर के मुताबिक हुआ है, जिसमें कुछ खास देशों को स्थायी सीट दी गई है। इस चार्टर में संशोधन के बिना कोई बदलाव नहीं किया जा सकता। इसलिए भारत को सीट मिलने और इंकार करने का कोई प्रश्न ही नहीं उठता। देश के प्रधानमंत्री का यह जवाब संसद के दस्तावेज में दर्ज है, लेकिन इसे नजरंदाज कर, कुछ प्रभावशाली लोग मीडिया के इस्तेमाल से गलतबयानी कर रहे हैं। यह अपने इतिहास ही नहीं, जनता के साथ भी छल है। क्योंकि उससे सच छिपाया जा रहा है।

यही छलावा तब भी दिखाई देता है, जब मुगल शासकों को उन विदेशी आक्रांताओं के समकक्ष खड़ा किया जाता है, जिन्होंने हिंदुस्तान पर आक्रमण केवल दौलत लूटने के उद्देश्य से किया। जबकि मुगल दौलत लूटकर कहीं भागे नहीं, बल्कि यहां उसी तरह उनकी सल्तनत कायम हुई, जैसे अनेक राजवंशों की रही। मुगलकाल की स्थापत्य कला से लेकर खानपान, नृत्य, संगीत, साहित्य, वस्त्राभूषण, शासन व्यवस्था की धरोहर भारतीय इतिहास और संस्कृति को समृद्ध बनाती है। लेकिन राजनीतिक स्वार्थ में इस खजाने के लुटने का खतरा है। इतिहास के पन्ने ऐसी कई गाथाओं से भरे पड़े हैं, जब राजवंशों में अपने राज्य के विस्तार और प्रभाव के लिए आपसी लड़ाइयां होती थीं। राजाओं की सेना में धर्म के आधार पर नहीं, योग्यता और वफादारी के आधार पर सैनिक और अधिकारी नियुक्त होते थे। ऐसी ही एक लड़ाई मुगल बादशाह औरंगजेब और अहोम साम्राज्य के बीच हुई, जिसे 1671 के सराईघाट के युद्ध के तौर पर जाना जाता है। इस युद्ध में अहोम सेनापति लचित बोरफुकन ने मुगल सेनापति राजा राम सिंह कछवाहा को मात दी, जो आमेर के राजपूत थे। औरंगजेब की सेना में कई हिंदू सैनिक थे और इनका मकसद मुगल साम्राज्य की जद में अहोम साम्राज्य को शामिल करना था। जबकि अहोम सेना में इस्माइल सिद्दीक नाम के नौसेना अधिकारी थे, जिन्हें बाग हजारिका के नाम से जाना जाता है। लचित बोरफुकन ने अपने साम्राज्य की रक्षा के लिए वीरता से युद्ध किया, इसके पीछे कोई धार्मिक कारण नहीं था। लेकिन अब 4 सौ साल बाद लचित बोरफुकन को हिंदुत्व के रक्षक के तौर पर दिखाने की कोशिश हो रही है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा ने कहा कि अहोम सेनापति को वो सम्मान देश में नहीं मिला, जो छत्रपति शिवाजी को मिला। और ये उत्सव उन्हें सही सम्मान का अधिकार देने के लिए हैं। लचित बोरफुकन को पूर्वोत्तर का शिवाजी भी कुछ अखबारों ने लिखा है। जो पूर्वोत्तर के लिए हमारे अलग नजरिए की परिचायक है। छत्रपति शिवाजी और लचित बोरफुकन दोनों में ये समानताएं तो ढूंढी जा सकती हैं कि दोनों ही वीर थे और दोनों ने औरंगजेब की सेना से मोर्चा लिया।

गुजरात में भाजपा की विजय संभव

गुजरात में त्रिकोणीय मुकाबले में भी भाजपा की रिकार्ड विजय संभव है। इससे 2024 में प्रधानमंत्री मोदी की संभावनायें और मजबूत होंगी।

दीपक के. उप्रेती
(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

गुजरात में पिछले 27 साल से सत्ता संभाल रही भारतीय जनता पार्टी फिर विजय की इच्छुक है। जब भी गुजरात में 'भाजपा के चुनाव लड़ने' की बात होती है तो वास्तव में इसका अर्थ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का चुनाव लड़ना होता है। भले ही वे 2014 में गांधीनगर छोड़ चुके हों, पर वे सातवीं बार इस पश्चिमी राज्य में 2022 में जनादेश प्राप्त करने का प्रयास कर रहे हैं जो 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले निर्णायक सेमीफाइनल की तरह है। यहां भाजपा की एक और विजय का अर्थ लगभग तीन दशक की सत्ता-विरोधी लहर के बावजूद संभवत: कांग्रेस को 'खारिज' करना तथा देश के पश्चिमी तट पर उभर रही आम आदमी पार्टी-आप का 'तीसरा आयाम' बनना होगा। भाजपा समर्थकों के लिए यह आश्चर्यजनक हो सकता है, पर सत्ता पर भाजपा के 'डबल इंजन' के प्रभुत्व के बावजूद कांग्रेस ने पिछले 2017 के विधानसभा चुनाव में न केवल अपनी सीटों में बढ़ोत्तरी की थी, बल्कि उसका मत प्रतिशत भी बढ़ा था। इसके उलट, भाजपा को 2002 में मिली सीटों की संख्या में लगातार कमी आई।

2017 में भाजपा की सीटें 99 थीं, जबकि 2012 के विधानसभा चुनाव में उसे 116 सीटें मिली थीं, हालांकि उसके 49.1 प्रतिशत वोट शेयर में 1.25 प्रतिशत बढ़ोत्तरी हुई थी। कांग्रेस को 2012 में गुजरात विधानसभा चुनाव में 60 सीटें मिली थीं, जबकि 2017 में उसने इनकी संख्या काफी बढ़ा कर 77 कर ली थी। इस प्रकार मुख्य विपक्षी पार्टी ने न केवल अपनी सीटों की संख्या में 17 बढ़ाई थीं, पर उसका मत प्रतिशत भी 2012 गुजरात विधानसभा चुनाव में 41.5 प्रतिशत से 2.57 प्रतिशत बढ़ा था। हालांकि, कांग्रेस को 2017 में इतनी मजबूती नहीं मिली कि वह भाजपा को हरा सके। भाजपा के पास सुसंगठित संगठनात्मक मशीनरी तथा नरेन्द्र मोदी के 'राजनीतिक' दांवपेंच वाले नियंत्रण व संतुलन थे जिसके चलते वे गुजरात में 'चेहरा-विहीन' कांग्रेस तथा केन्द्रीय नेतृत्व के बारे में उसकी अस्पष्टता की तुलना में मतदाताओं की भाजपा में दिलचस्पी बनाए रख सके थे।

अब पहली व पांच दिसंबर को गुजरात विधानसभा चुनाव का मंच सज गया है। वर्तमान चुनाव को 'लहर-विहीन' चुनाव कहा जा सकता है जिसे उम्मीदवारों के 'सही चयन' तथा 'सटीक बूथ प्रबंधन' से जीता जा सकता है जो मजबूत समर्थन आधार का अच्छा मतदान सुनिश्चित करेगा। इसे एक प्रकार का तकनीकी प्रबंधन कहा जा सकता है। संभवत: पिछले विधानसभा चुनावों में घटती सीटों से सतर्क भाजपा ने अपने 40 वर्तमान विधायकों के टिकट काट दिए हैं तथा युवा व नए चेहरों को वरीयता दी है। इस प्रकार वह सत्ता-विरोधी बोझ से बचना चाहती है। हालांकि, सभी राजनीतिक पार्टियां 'विचारधारा' के बजाय जिताऊ उम्मीदवारों पर ज्यादा भरोसा करती हैं, इसलिए भाजपा ने भी 2017 चुनाव के बाद कांग्रेस से इस्तीफा दे कर भाजपा में शामिल होने वाले 19 विधायकों में से 10 को टिकटों के रूप में अपना आर्शीवाद दिया है। इसके उलट कांग्रेस ने 'समझदारी' से अपने अधिकांश वर्तमान पार्टी विधायकों को उम्मीदवार बनाया है। वैसे यह दोनों पार्टियों के लिए जमीन पर उपलब्ध सर्वोत्तम उम्मीदवार चुनने तथा मतदाताओं के समक्ष 'नया इंद्रधनुष' बनाने की तरह है।

गुजरात में अपना किला बचाने तथा इसे 'अजेय' बनाने के लिए भाजपा ने कांग्रेस से पालाबदल कर जुलाई में भाजपा में शामिल होने वाले 29 वर्षीय पाटीदार हार्दिक पटेल को उनके गृह नगर 'विरमग्राम' से मैदान में उतारा है जिसे वे कांग्रेस के लिए दो बार जीत चुके हैं। 2015 में ओबीसी आरक्षण आंदोलन के नेता को अपने साथ लाने से प्रभावशाली पटेल समाज पर भाजपा की पकड़ और मजबूत होगी। अन्य युवा व नए चेहरों में क्रिकेटर रवीन्द्र जड़ेजा की पत्नी 28 वर्षीय रिवाबा जामनगर उत्तर सीट से भाजपा उम्मीदवार हैं। भाजपा में शामिल होने के पहले वे राजपूत समुदाय के आक्रामक संगठन 'करणी सेना' की नेता रह चुकी हैं। मोरबी विधानसभा सीट से 60 वर्षीय कांतिलाल अमुरतिया को मैदान में उतारा गया है। यहां पुल टूटने की विभीषिका में 135 लोगों की जान गई थी। यह भाजपा के सीट वितरण में 'सतर्क माइक्रो प्रबंधन' का एक और उदाहरण है। त्रासदी के बाद भाजपा ने मोरबी से अपने वर्तमान विधायक का टिकट काट दिया और अमुरतिया को इसलिए चुना कि वीडियो में उनको नदी में कूद कर लोगों का जीवन बचाते देखा गया था। अमुरतिया पूर्व विधायक हैं, पर वे 2017 में विधानसभा चुनाव हार गए थे।

अतीत के मुख्य प्रतिद्वंद्वियों कांग्रेस व भाजपा के बजाय इस बार गुजरात चुनाव में आप का प्रवेश भी हुआ है। इससे राजनीतिक विश्लेषकों में जिज्ञासा है कि इससे चुनावों पर क्या प्रभाव पड़ेगा तथा इससे किसे लाभ होगा। आप के आक्रामक नेता अरविंद केजरीवाल द्वारा की गई 'खैरातों' की घोषणा से अनुमान है कि वह भाजपा के शहरी वोटों में सेंध लगायेगी तथा उससे कांग्रेस को कम नुकसान होगा क्योंकि उसका मजबूत आधार गुजरात के ग्रामीण क्षेत्रों में है। लेकिन भाजपा के राज्य अध्यक्ष सी.आर. पाटिल की सोच इससे अलग है। उनके अनुसार, आप कांग्रेस के वोट काटेगी और इससे भाजपा की संभावनायें मजबूत होंगी। आप नेता ने पाटीदार समाज पर सर्वाधिक विश्वास कर गुजरात आप अध्यक्ष गोपाल इटालिया को सूरत के काटरग्राम तथा पाटीदार आंदोलन के पूर्व नेता अल्पेश कठारिया को सूरत शहर में वराछा से मैदान में उतारा है। वर्तमान समय में सर्वाधिक आक्रामक प्रचार कर रही आप ने गुजरात में 2021 के निकाय चुनावों में अपनी सफलता को आधार बनाया है जब उसने पाटीदार वोटों पर विजय प्राप्त कर कांग्रेस को सूरत नगर निगम से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। आप को गांधीनगर नगर निगम में भी एक सीट मिली थी।

2022 के गुजरात चुनाव में आप मजबूत भाजपा व कांग्रेस की तुलना में बेअसर नहीं है और वह अपनी जड़ें और गहरी व मजबूत कर रही है। पाटीदारों के प्रति आप का दृष्टिकोण व पिछड़े समुदाय के इसुदान गाधवी को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के रूप में पेश कर उसने पंजाब में विजय के बाद एक सुनियोजित व दूरगामी रणनीति बनाई है। लेकिन केजरीवाल का 'हिंदुत्व' कार्ड भाजपा के खिलाफ लाभदायक नहीं सिद्ध होगा। सत्तारूढ़ भाजपा का मुख्य मुकाबला कांग्रेस से है जो वर्तमान समय में खामोशी से 'घर-घर' प्रचार अभियान चला कर 2017 में छूट गए खाली स्थान भरने का प्रयास कर रही है।

जहां तक भाजपा का सवाल है, उसकी 'गौरव यात्रा' के साथ ही प्रधानमंत्री गुजरात को महाराष्ट्र से दो विशाल परियोजनायें लाकर मतदाताओं को यह समझाने का प्रयास कर रहे हैं कि प्रशासन में उसकी निरंतरता से गुजरात का अबाध 'विकास' होगा तथा केन्द्र से मिलने वाला पैसा इसकी गारंटी है। टेलीविजन के एंकर चाहे जितने विश्लेषण करें, सच्चाई यह है कि गुजरात में चुनाव हार्दिक पटेल व अल्पेश ठाकोर जैसे 'पालाबदल' करने वालों के हाथ में है। एक समय पाटीदार आंदोलन के नेता व हार्दिक के सहयोगी इटालिया अब आप के उम्मीदवार हैं। वे 2017 में विधानसभा के बाहर भाजपा के मंत्री प्रदीप सिंह जडेजा पर जूता फेंकने के कारण कुख्यात हैं। यदि कोई अदृश्य राजनीतिक धारा त्रिशंकु विधानसभा को जन्म नहीं देती है तो भाजपा की पुन: विजय लगभग पूर्णत: निश्चित है। लेकिन सामने आने वाले 'तथ्य' कभी भ्रामक भी हो सकते हैं। 1985 में कांग्रेस गुजरात में 149 सीटों व 55 प्रतिशत वोटों के साथ सत्ता में आई थी, पर 2002 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 127 सीटें व 49.8 प्रतिशत वोट मिले।

यदि पत्रकारिता को 'जल्दबाजी में लिखा इतिहास' कहा जाता है तो इतिहासकार ई.एच. कार की पुस्तक 'व्हाट इज़ हिस्ट्री' से चुनावों को सही संदर्भ में देखा जा सकता है। उनके अनुसार, 'कहा जाता है कि तथ्य अपने आप बोलते हैं। लेकिन यह सही नहीं है। तथ्य तभी बोलते हैं जब इतिहासकार उनसे पूछता है। वही यह तय करता है कि किन तथ्यों को किस क्रम या संदर्भ में सामने रखा जाए। तथ्य एक बोरे की तरह हैं, जब तक उसमें कुछ डाला न जाए वह खड़ा नहीं हो सकता है।' गुजरात चुनाव इस दृष्टिकोण से भी महतवपूर्ण हैं।

आबादी की चिंता की आड़ में सांप्रदायिक राजनीति!

राजेंद्र शर्मा
(लेखक राजनीति विश्लेषक हैं)

पिछले हफ्ते दुनिया की आबादी ने 8 अरब का आंकड़ा पार कर लिया। यूनाइटेड नेशन्स पॉपूलेशन फंड ने मंगलवार को इसका एलान किया। बहरहाल, इसके साथ ही उसने हम भारतीयों के लिए ध्यान देने वाला एक आंकड़ा और दिया है। यह आंकड़ा बताता है कि दुनिया की आबादी में 100 करोड़ की पिछली बढ़ोतरी में, भारत ने ही 17.7 करोड़ जोड़े हैं यानी उसका योगदान 17.7 फीसदी रहा है। दूसरी ओर, आबादी के मामले में भी भारत के मुख्य प्रतिद्वंद्वी, चीन ने इसमें 7.3 करोड़ यानी हमसे आधे से भी कम, 7.3 फीसदी का ही योगदान दिया है। इतना ही नहीं, यूनाइटेड नेशन्स पॉपूलेशन फंड का ही आंकलन बताता है कि विश्व आबादी में अगले एक अरब की बढ़ोतरी में, चीन का योगदान ऋणात्मक रहेगा यानी उसकी आबादी वृद्धि के रुकने के बाद, अब घटनी शुरू हो रही है। लेकिन, भारत के मामले में आबादी में वृद्धि अभी रुकने की मंजिल दूर है।

इसलिए, इस पर कोई विवाद नहीं होगा कि भारत में आबादी की बढ़ोतरी की चुनौती अब भी बनी हुई है, जिससे निपटने के लिए प्रयत्नों में कोई ढील नहीं दी जानी चाहिए। लेकिन, सवाल यह है कि हमारे यहां बहुत बार जो इसे आबादी विस्फोट कहकर सनसनी पैदा कर दी जाती है और जोर-जबर्दस्ती वाले उपायों की मांगें की जाने लगती हैं, क्या उसकी कोई वजह है? और इस समस्या को सांप्रदायिक रंग देने से तो लाभ की जगह वास्तव में नुकसान ही हो सकता है। सचाई यह है कि भारत निश्चित रूप से और तेजी से, अपनी आबादी को स्थिर करने की ओर बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र संघ की उसी रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि भारत में आबादी वृद्धि स्थिर होती नजर आती है। और उसी रिपोर्ट के अनुसार यह इसी का संकेतक है कि इस मामले में देश की नीतियां भी और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं भी, जिसमें परिवार नियोजन सेवाओं तक लोगों की पहुंच भी शामिल है, अपने प्रयासों में कामयाब हो रही हैं।

इस सिलसिले में सबसे महत्वपूर्ण रुझान है देश में कुल फर्टिलिटी रेट में गिरावट का। इस रेट का, जो मोटे तौर पर औसतन एक महिला के प्रसवों की संख्या को दर्शाती है, 2.1 पर आ जाना, आबादी के स्थिर होने के लिए काफी समझा जाता है। भारत में राष्ट्रीय स्तर पर यह दर 2.2 से घटकर, अब 2.0 ही रह गयी है। इसका अर्थ है, आबादी में वृद्धि की रफ्तार पर तेजी से ब्रेक लगना। बेशक, आबादी पर बढ़ने पर पूरी तरह ब्रेक लगना अभी भी दूर है, पर उसकी बढ़ोतरी की रफ्तार पर तेजी से ब्रेक लग रहा है। बेशक, पूरे देश में फर्टिलिटी रेट एक जैसी ही नहीं है, फिर भी देश के कुल 31 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में, जहां देश की करीब 70 फीसदी आबादी रहती है, यह दर पहले ही आबादी स्थिरता के लिए जरूरी 2.1 से नीचे जा चुकी है। साफ है कि आबादी नियंत्रित करने के सोच से भिन्न, %परिवार नियोजन% की धारणा पर केंद्रित भारत के प्रयास, निश्चित रूप से कारगर हो रहे हैं और उन्हें ही आगे ले जाने की जरूरत है।

संयुक्त राष्ट्र संगठन की वही रिपोर्ट बताती है कि फर्टिलिटी रेट में यह गिरावट परिवार नियोजन के आधुनिक तौर-तरीकों के बढ़ते पैमाने पर अपनाए जाने का परिणाम है। परिवार नियोजन के इन तरीकों का अपनाने वालों का हिस्सा 2015-16 में जहां 47.8 फीसदी था, 2019-20 तक बढ़कर 56.5 फीसदी हो चुका था। दूसरी ओर इसी अवधि में परिवार नियोजन के उपायों की पूरी न हो सकी मांग में पूरे चार फीसदी की कमी हो गयी। संयुक्त राष्ट्र संगठन का ही कहना है कि, यह परिवार नियोजन से संबंधित जानकारियों तथा सेवाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय बढ़ोतरी को दिखाता है। संक्षेप में यह दिखाता है कि भारत की राष्ट्रीय आबादी नीतियां तथा स्वास्थ्य व्यवस्थाएं, काम कर रही हैं। विडंबना यह है कि वर्तमान निजाम और उसके संचालक संघ परिवार, अपने विचारधारात्मक दुराग्रह के चलते, आबादी के मोर्चे पर देश की यह प्रगति देखना ही नहीं चाहता है। उल्टे वह आबादी विस्फोट का हौवा खड़ाकर, एक तो आबादी बढ़ने के वास्तविक कारणों के रूप में, गरीबी और सामाजिक पिछड़ेपन की सच्चाइयों पर पर्दा डालना चाहता है। इससे भी बढ़कर वह आबादी के सवाल को, अपने सांप्रदायिक प्रचार का अभियान बनाना चाहता है, ताकि गरीबी तथा पिछड़ेपन के खिलाफ जन-असंतोष से, वर्तमान शासन को बचाया जा सके। अचरज नहीं कि मुसलमानों की बढ़ती आबादी से हिंदुओं के लिए खतरे का प्रचार, आज आबादी के रुझानों की सारी सच्चाइयों पर हावी है।

वर्ना दुनिया भर में आबादी के रुझानों के सभी अध्ययन, एक स्वर से यह बात कहते हैं कि आबादी में बढ़ोतरी की रफ्तार का किसी समाज में बहुआयामी गरीबी यानी पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, आदि के मामले में गरीबी की स्थिति से सीधा संबंध है। यह गरीबी जैसे-जैसे घटती है, वैसे-वैसे संतानोत्पत्ति और इसलिए आबादी भी, इन्हीं कारकों से मृत्यु दर में होने वाली कमी से भी तेजी से बढ़ती है। बेशक, सामाजिक-सांस्कृतिक कारक भी आबादी में वृद्धि पर प्रभाव डालते हैं, पर उनका प्रभाव बहुआयामी गरीबी की स्थिति से संचालित रुझान को धीमा या तेज करने की ही भूमिका अदा करता है।

इस मामले में शिक्षा की भूमिका तो इतनी महत्वपूर्ण है कि जनसांख्यिकीविदों का तो बहु-उद्यृत सूत्र ही है कि शिक्षा ही बेहतरीन गर्भ निरोधक है। अपेक्षाकृत संपन्न विकसित देशों का अनुभव ही नहीं, खुद भारत में शिक्षा व स्वास्थ्य की दृष्टि से, देश की विशाल हिंदी पट्टी के मुकाबले कहीं संपन्न, केरल जैसे राज्यों का आबादी में वृद्धि की दर का अनुभव भी इसी की गवाही देता है। वास्तव में केरल का अनुभव तो, जहां आधी आबादी मुसलमानों तथा इसाइयों की ही है, इस सच्चाई को भी रेखांकित करता है कि बड़े परिवारों का संबंध, धर्म या धार्मिक परंपराओं से कम है और शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं व आम जीवनस्तर से ही ज्यादा है। आम तौर पर अनुसूचित जाति, जनजाति व अल्पसंख्यक समुदाय चूंकि ज्यादा वंचितता का जीवन जी रहे हैं, उनके बीच जन्म दर संपन्नतर तबकों के मुकाबले ज्यादा है। फिर भी, शिक्षा समेत परिवार नियोजन की बढ़ती जागरूकता के चलते, आम तौर पर सभी तबकों के बीच आबादी में वृद्धि की रफ्तार घट रही है और जिन तबकों में यह रफ्तार ऐतिहासिक रूप से जितनी ज्यादा रही है, अब उतनी ही तेजी से घट भी रही है।

अचरज नहीं कि इस सदी की पहली दहाई के दौरान यानी 2001 तथा 2011 की जनगणनाओं के बीच, हिंदुओं की आबादी में बढ़ोतरी 16.76 फीसदी ही रह गयी, जो इससे पहले के एक दशक में दर्ज हुई 19.92 फीसदी की वृद्धि दर से, 3.16 फीसदी की कमी को दिखाता था। लेकिन, इसी एक दशक के दौरान मुस्लिम आबादी में वृद्धि में और तीखी गिरावट हुई और यह दर 24.60 फीसदी पर आ गयी, जबकि इससे पहले के दशक यानी 1991-2001 के बीच यही दर 29.52 फीसदी थी।

यानी आबादी में वृद्धि दर में दोनों मुख्य समुदायों के मामले में उल्लेखनीय कमी का रुझान है, लेकिन जहां हिंदुओं के मामले में एक दशक में वृद्धि दर 3.16 फीसदी कमी हुई है, मुसलमानों के मामले में यह कमी और भी ज्यादा है, 4.92 फीसदी। संकेत स्पष्ट है कि चंद दशकों में ही हिंदुओं और मुसलमानों की आबादी की वृद्धि दर बराबर हो जाएगी। बेशक, तब तक देश की आबादी में मुसलमानों का हिस्सा कुछ और बढ़ चुका होगा। लेकिन कितना?

कहने की जरूरत नहीं है कि आबादी के प्रश्न का अल्पसंख्यक विरोधी नफरत फैलाने का हथियार बनाया जाना, हमारे देश में आबादी का स्थिरीकरण करने की राह की मुश्किलें ही बढ़ा सकता है। लेकिन, संघ परिवार की विभाजनकारी राजनीति की ठीक यही भूमिका तो है।

छत्तीसगढ़ : क्या खोया, क्या पाया!

डॉ. एआर दल्ला
(लेखक राजनीति विश्लेषक हैं)

एक नवम्बर 2000 की मध्यरात्रि रायपुर के पुलिस ग्राउंड पर एक नये राज्य का उदय हो रहा था। सब तरफ उत्साह और आशा का प्रवाह था। छत्तीसगढ़ के हम लोग अपनी किस्मत की इबारत खुद लिखने वाले थे। नवजात राज्य अब अपनी प्राथमिकतायें तालाश रहा था।

छत्तीसगढ़ की 44 प्रतिशत भूमि वनों से आच्छदित है। धरती रत्न गर्भा है। कोयला लौह अयस्क, लाइम स्टोन (चूना), डोलामाइट, बाक्साइट के साथ टीन के भंडार से यहां की धरती भरी पड़ी है। हीरे जवाहरात के दोहन की इबारत अब लिखी जानी है। 44 प्रतिशत वनों के बाद सिर्फ 35 प्रतिशत भूमि ही खेती के लिये उपलब्ध है। यहां की मिट्टी, मटासी/भाटा, दोमटी और कन्हारी है। सिंचाई के साधन सीमित हैं। धान के इस कटोरे में अब अभिनव प्रयास हो रहे है। उपलब्ध संसाधनों को देखते हुए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री ने गरवा, नरवा, घुरवा और बाड़ी के माध्यम से एक मौलिक और प्रशंसनीय विचार रखा है। जिसकी चर्चा देश और विदेशों में भी हो रही है। ऊर्जावान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की पहल के चलते गौठान, आर्गेनिक खेती और गोबर का महत्व अब छत्तीसगढ़ की पहचान बन रहा हैं। अतिरिक्त बोनस, छत्तीसगढ़ किसान न्याय योजना और अच्छे प्रबंधन के चलते छत्तीसगढ़ में धान का रकबा बढ़ा है। धान की खेती के अलावा अब यहां सोयाबीन, उड़द, अरहर, मूंग और दलहन के साथ, कोदो, कुटकी और गन्ना की खेती को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। उद्यानिकी के क्षेत्र मे भी विकास हो रहा है। निश्चित रूप से छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था उपरोक्त उपायों के चलते मजबूत हुई है।

खेसरी दाल जैसी फसल कम पानी, कड़ी जमीन और विषम मौसम में भी पैदा होती है। कई देशों में इस दाल ने अकाल और कुपोषण से बचाने में भी भूमिका निभाई हैं। दूर्भाग्यवश खेसरी दाल के निरंतर खाने से मांसपेशियां की कंमजोरी एवं लकवा होने की रिपोर्ट मिल रही है। रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में जेनेटिक इंजीनियरिंग के माध्यम से इसके न्यूरो टाक्सीन को हटाकर इस उपज को उपयोगी बनाने का प्रयास हो रहा है।

आदिवासी इलाकों मे रहने वाले लोग अपनी रोजी-रोटी के लिए यहां जंगलों पर निर्भर है। राज्य बनने के पहले यहां के सघन जंगलों में मिलने वाले महुआ, साल-सीड, गोंद, इमली, चिरौंजी जैसी लघु वनोपज बस्तर के हाट बाजारों में कौड़ी के भाव में बिक जाया करती थी। चिरौंजी जैसी मेवा भी एक पायली नमक की एवज में खरीद लिया जाता था। वनांचल के हाट-बाजार में 5-10 रूपये किलो बिकने वाली इमली, अच्छी पेकेजिंग और सुंदर प्रस्तुतीकरण के चलते दुबई के बाजार में 200 रूपये किलो तक के भाव में बिकती है। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद अब वेल्यू एडिशन (मूल्यवर्धन) का अर्थ समझ में आने लगा हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य बनने के बाद अब हम अपनी प्राथमिकताओं को चिन्हीत कर सके हैं। प्रदेश में आदिवासियों, अनुसूचित, जनजातियों और पिछडे वर्ग के लोगों की 68 प्रतिशतों की जनसंख्या रहती है। प्रदेश की स्थापना के साथ हमने यहां व्याप्त सिकल सेल रोग को चिन्हीत किया हैं। पहले प्रशासकीय और चिकित्सीय क्षेत्रों तक में यह भ्रांति थी कि सिकल विकृति एक अनुवांशिक रोग है, जिसके लिये कुछ भी नही किया जा सकता। यह सोच गलत थी। राज्य बनने के बाद हमने इसकी रोकथाम और पुर्नवास के लिये एक सशक्त आवाज उठाई है। फलस्वरूप अब रायपुर में सिकल सेल संस्थान की स्थापना हुई है। अभी भी इस संस्थान की उपयोगिता को ग्रामीण क्षेत्र तक पहुंचाने की आवश्यकता है।

छत्तीसगढ़ के लोक गीत और लोक नृत्य यहां के उत्सवों और श्रम की साधना का संगीत है। यहां औद्योगिक क्रांति के बावजूद छत्तीसगढ़ का आत्मसम्मान और अस्मिता अक्षुण है, यहां नये और पुरातन का एक अप्रतिम समन्वय बना हुआ है। प्रतिवर्ष अंर्तराष्ट्रीय आदिवासी नृत्य समारोह का आयोजन होता है। राज्य स्थापना दिवस पर यह राज्य अपने साहित्यकारों, सामाजिक कार्यकताओं विभिन्न क्षेत्र के अग्रणी लोगों को चिन्हित करते हुए उन्हें सम्मानित भी करता है। तीज त्योहार पर मांदर की थाप के साथ यहां के मुख्यमंत्री भी गेड़ी नृत्य में सम्मिलित होते है। वे हथेली पर भंवरा नचाकर जनजीवन में घुल मिल जाते है। निश्चित रूप से इसलिये कहा जाता है : 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया'

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से pioneerhry@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

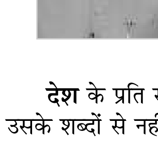

विक्रम-एस दूसरे रॉकेट की तुलना में सस्ता और हल्का है। इसकी लागत भी अंतरिक्ष अभियान से जुड़े दूसरे देशों से काफी कम है।

-नरेंद्र मोदी
भारत के प्रधानमंत्री

देश के प्रति सतर्क दृष्टिकोण अपनाकर उसके शब्दों से नहीं, बल्कि कार्यों से उसका आकलन करेगा।

-पंकज सरन
पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

वह पार्टी की केरल इकाई में किसी से परेशान या नाराज नहीं हैं तथा उन्हें किसी से बातचीत करने में कोई परेशानी नहीं है क्योंकि हम बालविहार में नहीं जहां एक दूसरे से बातचीत करने की मनाही हो।

-शशि थरूर
कांग्रेस सांसद

दर्जनों गरीब छात्राएं अब आ सकेंगी साईकिल से

जरूरतमंद छात्राएं अब समय और सुविधा से आ सकेंगी साइकिल से

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

साइकिल वितरित करते अतिथिगण।

उदयन शालिनी फेलोशिप कार्यक्रम कुरुक्षेत्र ने वातावरण के स्वास्थ्य हेतु जरूरतमंद छात्राओं को साइकिल वितरित की तथा साथ ही संविधान दिवस पर और अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर कार्यशाला आयोजित की।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि सीजीएम दुष्यंत चौधरी, उदयन शालिनी की संयोजिका डॉक्टर सुषमा शर्मा तथा उप संयोजक डॉ रामनिवास रहे। डॉ सुषमा शर्मा ने शालिनियों को अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा दिवस के बारे में विस्तार से बताया की अधिकतर महिलाएं हिंसा का शिकार होती जा रही हैं जिसे रोकना जरूरी है हिंसा को रोकने के लिए आवश्यक है कि हिंसा के प्रति आवाज उठाई जाए। उन्होंने शालिनी को प्रेरित किया कि यदि किसी प्रकार की हिंसा होते हुए देखते हैं तो वह उसके खिलाफ कोई सख्त कार्यवाही करवाएं ताकि वह हिंसा बाद में किसी घातक सिद्ध ना हो। तथा उन्होंने यह भी बताया कि लड़कियों को आवश्यक है कि वह अपना लक्ष्य चुने और उसे पूरा करने के लिए प्रयास करें ताकि वे आने वाले समय में किसी पर भी निर्भर ना रहे। इस कार्यक्रम में उदयन शालिनी की असिस्टेंट कोऑर्डिनेटर निशा तथा आईटीबीटी ट्रेनर गीतांजलि की संचालन में अहम भूमिका रही।

पोस्टर प्रतियोगिता में प्रीति बैच-14 ने प्रथम स्थान पाया

संविधान दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता में प्रीति बैच-14 ने प्रथम पुरस्कार तथा जसप्रीत तथा खुशी बैच-17 ने द्वितीय पुरस्कार तथा लवली शर्मा बैच-15 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता में शानू बैच-15 ने प्रथम स्थान, निशा बैच-16 ने द्वितीय स्थान तथा गीता बैच-15 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भारत का संविधान में थे 145000 शब्द

डॉ रामनिवास ने सविधान दिवस के बारे में बताया कि भारत का संविधान में 22 भागों तथा 8 अनुसूचियों में 395 लेख शामिल हैं। इसमें लगभग 145,000 शब्द थे। रामनिवास में सभी को विस्तार में संविधान दिवस के बारे में बताया।

स्वामी दयानंद भिक्षु महाराज से आशीर्वाद लेते भाजपा नेता राजीव जैन।

साधु संतों के आशीर्वाद से हमारा जीवन प्रकाशमय हो जाता : जैन

स्वामी दयानंद भिक्षु महाराज ने सनातन धर्म सभा की कथा में कहा

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत।

भगवान रूपी अवतारों एवं महापुरुषों की पूजा के साथ-साथ उनके जीवन चरित्र का अध्यन, मनन करके उस पर चलने का प्रयास करेंगे तो मानव जीवन सार्थक होगा। हमारा आचार और व्याहार यथार्थ पर आधारित होगा।

ये विचार स्वामी दयानंद भिक्षु महाराज ने राधा कृष्ण मंदिर नंदवानी नगर में सनातन धर्म सभा के तत्वाधान में आयोजित तीन दिवसीय कथा में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आज के युग में हमारा सादा जीवन दिखावे की शान शौकत पर आधारित हो गया है, जबकि हमें भगवान कृष्ण और हनुमानजी की तरह समाज का माली बनकर सेवा करनी चाहिए। उन्होंने हर सामाजिक कार्यक्रम में दिखावों एवं ढोंग से दूर रहने की अपील की। मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने कार्यक्रम में पहुंचकर महाराज का आशीर्वाद लिया और अपने संबोधन में कहा कि साधु संतों के आशीर्वाद से हमारा जीवन प्रकाशमय हो जाता है और हमें जीने की नई राह मिलती है। उन्होंने कहा कि संतों के कारण ईसान ईशा, द्वेष, मोह माया के जंजाल से निकलकर धर्म एवं समाज की सेवा में समय लगाता है जो हमारे मोक्ष का मार्ग है। कार्यक्रम में रमेश गिरधर, कृष्ण कुमार गंधवानी, सोहन लाल भारती, मुकेश कुमार, राजकुमार शर्मा, दिनेश कुमार, रामेश्वर गुप्ता, प्रेम कुमार आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त-समाचार

मानव मित्र मंडल ने वितरित की जर्सियां

जर्सी वितरित करते मानव मित्र मंडल के सदस्य।

कुरुक्षेत्र। मानव मित्र मंडल के संस्थापक प्रोफेसर राम रतन शर्मा के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से संविधान दिवस के अवसर पर मानव मित्र मंडल द्वारा एक विशेष अभियान के अंतर्गत शरद ऋतु के आगमन पर गांव बाहरी, भौर सैयदा, पलवल आदि राजकीय विद्यालयों में बच्चों को जर्सियां वितरित की गई। मानव मित्र मंडल के पदाधिकारी डॉक्टर संजय कौशिक ने कहा कि संविधान ने हम सबको अपने मौलिक कर्तव्य और मौलिक अधिकारों के प्रति सचेत रहने का अधिकार दिया है। साथ ही हमें समाज में समानता लाने के लिए एक दूसरे के साथ मिलकर प्रयास करने चाहिए। मानव मित्र मंडल का भी यही उद्देश्य है। राजकीय विद्यालय बाहरी, भौर सैयदा एवं पलवल गांव के अध्यापकों प्रवीण शर्मा, संजीव कुमार एवं गुरदीप कौर आदि ने मानव मित्र मंडल के इस पुण्य कार्य के लिए पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया। डॉक्टर संजय ने बताया कि इस पुण्य कार्य में नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी दीपक चिब, सतपाल कल्याण, डॉ राजीव अत्री, अशोक शर्मा, डॉ अनीता गोयल, डॉक्टर अरुण धीमान, डॉ दीपक अग्रवाल ,डॉ अनीता नैन, निकुंज ,अंजलि, नमित शर्मा, रितु शर्मा, प्रवीण शर्मा, डॉ विष्णु दत्त, मोहनलाल, वीरभान, देवेंद्र, भारतेंदु, डॉ अशोक वर्मा, तिलक राज, रमेश शर्मा, राजकुमारी पंवार, रुमन गुप्ता, डॉ माधविका मदान, रविंद्र शर्मा संजीव टोंडक, प्रवीण प्रकाश, लखबीर कौर आदि सभी महानुभावों का विशेष योगदान रहा है।

रसोई में मिट्टी के बर्तनों का करें प्रयोग : रंबा

अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती पर दुकानदारों की समस्या सुनते अध्यक्ष रामकुमार रंबा व अन्य।

कुरुक्षेत्र। हरियाणा मिट्टी कला बोर्ड के सदस्य व प्रजापति जागरूक सभा के अध्यक्ष रामकुमार रंबा ने सभा के सदस्यों के साथ ने आज अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव के अवसर पर ब्रह्मसरोवर के तट पर लगे स्टालों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर प्रजापति समाज के लोगों ने मिट्टी के विभिन्न बर्तन तैयार कर लोगों के सामने प्रदर्शित किए। लोगों को मिट्टी के बर्तन की खरदीदार कर रहे हैं। दुकानदार मिट्टी के अलग-अलग नई डिजाइन तैयार कर रसोई घर में प्रयोग होने वाले बर्तन तैयार कर रहे हैं। जिससे काफी लोग प्रभावित होकर समान खरीद रहे थे। रंबा ने कहा कि मिट्टी के बर्तन प्रयोग करने से लोगों का स्वास्थ्य ठीक रहता है। मिट्टी के दीये जलाने से शुद्ध वातावरण होता है और चाइनीज व अल्मीनियम के बर्तन से सहेत को नुकसान होता है। इसलिए, सभी लोग को सरकारी कार्यालयों, बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों पर चाय, पानी के लिए मिट्टी के बर्तन व गिलासों, घड़े, मटकों का पानी पीने के लिए इस्तेमाल करें। रामकुमार रंबा ने गीता जयंती पर आए हुए दुकानदारों की समस्या को सुना और उनकी समस्या को हल करवाने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर श्रीचंद मेवात, सावित्री, अशोक कुमार पानीपत, दयाराम सोहना, धर्मपाल, यादराम पलवल, देवी राम फरीदाबाद, भरत राम, कन्हैया लाल मेवात आदि मौजूद थे।

बॉक्सिंग चैंपियनशिप में वंशज चौहान ने स्वर्ण पदक जीता

यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता वंशज चौहान।

सोनीपत। स्पेन में 13 से 27 नवंबर तक आयोजित यूथ वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में लिटल एंजल्स बॉक्सिंग एकेडमी के वंशज चौहान ने स्वर्ण पदक प्राप्त कर वर्ल्ड चैंपियन बनकर भारत देश का नाम रोशन किया। वंशज चौहान यूएसए के बॉक्सर क्रॉकलम डेड्रिक को 2-3 से हराकर फाइनल में पहुँचे और फाइनल मुकाबले में जॉर्जिया के कजैया डेमूर को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक पर अपना कब्जा किया। विद्यालय में चारों ओर खुशी की लहर है और विद्यालय पहुंचने पर वंशज चौहान का भव्य स्वागत किया जाएगा। उसके कोच रोहताश ने बताया कि वंशज बहुत मेहनती लड़का है, इससे पहले भी वह एशियन चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुका है। यह उपलब्धि भी उसके कठिन परिश्रम से प्राप्त हुई है। वर्ल्ड चैंपियन बनकर वंशज चौहान ने पूरे भारत देश को गौरवान्वित किया। उसकी इस उपलब्धि से उसके माता-पिता ने खुश होकर कोच रोहताश कुमार व स्कूल प्रशासन को बहुत-बहुत धन्यवाद किया और कहा कि स्कूल द्वारा प्राप्त सुविधाओं से ही आज वंशज वर्ल्ड चैंपियन बन सका। विद्यालय के चेयरमैन तरसेम कुमार गर्ग, सेक्रेटरी विशाल गर्ग, प्रधानाचार्या आशा गोयल, उपप्रधानाचार्या गीता अरोड़ा ने वंशज चौहान को बहुत-बहुत बधाई दी।

केडीबी कार्यालय के सामने बीपीकेएम ने किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड कार्यालय के सामने प्रशासन के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया गया। भारतीय पत्रकार कल्याण मंच के पत्रकार सदस्यों ने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि नायब तहसीलदार के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया तो उन्हें मजबूरन राष्ट्रपति के सामने काली पट्टी लगाकर रोष व्यक्त करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

भारतीय पत्रकार कल्याण मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन आश्री ने कहा कि जिला प्रशासन नायब तहसीलदार अभिमन्यु को बचाने में जुटा हुआ है। इसी विरोध में प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया गया है। उन्होंने कहा कि नायब तहसीलदार के खिलाफ महिला पत्रकारों से छेड़छाड़ व बदसलूकी करने की शिकायत पुलिस अधीक्षक को दिए हुए आज चौथा दिन हो चुका है लेकिन इन 4 दिनों के अंदर पुलिस द्वारा मामला दर्ज करना तो दूर नायब तहसीलदार को बुलाया तक नहीं गया।

दिवस पर 16 ने पूर्ण शरीर दान, 23 लोगों ने अंगदान के फार्म भरे

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

समाज कल्याण शिक्षा समिति द्वारा 13वां विश्व अंगदान दिवस मनाते हुए, जागरूकता अभियान चलाया। शहर के कालूपुर चुंगी, सुभाष चौक, रेलवे स्टेशन, छोटू राम चौक, तिरंगा चौक आदि से होते हुए शहर में लोगों को अंगदान व शरीर दान के बारे में जागरूक किया। हर चौक पर लोगों के अंगदान व शरीर दान के फार्म भरे गए।

इस दौरान समाज कल्याण शिक्षा समिति के प्रधान आनंद कुमार ने कहा कि हम मरणोपरांत भी अपनी आंख दान करके दुनिया देख सकते है। एक

रेलवे स्टेशन पर अंगदान के लिए जागरूक करते संस्था के पदाधिकारी।

ऐसे इंसान को रोशनी दे सकते हैं, जो इस दुनिया को देखने में असमर्थ थे। हमारे शरीर दान करने के पश्चात शरीर को मेडिकल कॉलेज भेज दिया जाता है। तत्पश्चात मेडिकल कॉलेज में उस शरीर के ऊपर बहुत सारे परीक्षण किए जाते हैं। किसी भी बीमारी के इलाज के बारे में पता लगाया जाता है, जो मेडिकल कॉलेज में परीक्षण कर रहे डॉक्टरों के लिए शरीर एक किताब का काम करता है, जिससे वह सफल परीक्षण करने के बाद अच्छा इलाज कर पाते हैं। सुमित बूरा ने कहा कि हर साल लगभग 5 लाख लोगों की अंग न मिलने के कारण मृत्यु हो जाती हैं। लगभग 7 हजार लोगों को ही अंग मिल पाते हैं। अब तक संस्था द्वारा 5218 अंगदान के रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं व 1330 पूर्ण शरीर दान के फार्म भरे जा चुके हैं। जिनमें से 24 लोगों के पूर्ण शरीर दान विभिन्न मेडिकल कॉलेज में करवाए जा चुके हैं।

सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट और जीओ गीता समिति ने लगाया फ्री मेडिकल कैंप

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र।

निः शुल्क शिविर का हजारों लोगों ने उठाया लाभ

सरबत दा भला चैरिटेबल ट्रस्ट रजिस्टर्ड, मुख्यालय पटियाला एवं गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद की प्रेरणा से संचालित श्रीकृष्ण कृपा जीओ गीता समिति के संयुक्त तत्वावधान में श्रद्धेय संत श्रीमोरारी बापू की श्रीराम कथा स्थल, मेला ग्राउंड, निकट ब्रह्मसरोवर पर 19 नवंबर से संचालित 50वां 9 दिवसीय विशाल फ्री मेडिकल कैंप कथा के समापन के साथ ही संपन्न हो गया।

ट्रस्ट की पानीपत जिला इकाई के प्रधान सरदार हरविंदर सिंह लाडी ने बताया कि इस शिविर में प्रतिदिन लगभग 1000 से अधिक मरीजों ने ओपीडी में आकर अपनी चिकित्सा करवाई। कैंप में सभी तरह की बीमारियों के मरीज अपना इलाज करवाने आए। गंभीर मरीजों को ट्रस्ट व समिति की एंबुलेंस द्वारा अस्पताल भेज कर उनका इलाज करवाया गया। इस शिविर में मेदांता अस्पताल, गुड़गांव, लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल, कुरुक्षेत्र के चिकित्सकों व टेक्निशियंस की टीमों ने मरीजों की जांच करके दवाइयां दी। इस शिविर के आयोजन में ट्रस्ट की ओर से राजेंद्र सिंह, जसवंत सिंह, दीपक कुमार व समिति की ओर से सुनील ग्रोवर, सुरेश अरोड़ा ने सहयोग दिया।

हरियाणा योग आयोग का योग साधना शिविर कल से

कुरुक्षेत्र। अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव के उपलक्ष्य में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी हरियाणा योग आयोग, पंचकूला द्वारा स्थानीय योग संस्थाओं के सहयोग से 29 नवंबर से 4 दिसंबर तक भव्य योग साधना शिविर का आयोजन ब्रह्मसरोवर स्थित मेडिटेशन हॉल में किया जाएगा। आयोग के चेयरमैन डॉ जयदीप आर्य द्वारा आयोग के रजिस्ट्रार डॉ हरीश चंद्र व सदस्य डॉ मनीष कुकरेजा की उपस्थिति में स्थानीय योग संस्थाओं के साथ बैठक में यह निर्णय लिया।

शिविर में 29 नवंबर को पतंजलि योग समिति एवं महिला पतंजलि योग समिति, 30 नवंबर को हार्टफुलनेस, 1 दिसंबर को आयुष विभाग व श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय, 2 दिसंबर को आर्ट ऑफ लिविंग, 3 दिसंबर को भारतीय योग संस्थान के सौजन्य से प्रतिदिन प्रातः 6 से 7:30 बजे तक सूर्य नमस्कार, योगासन, प्राणायाम व ध्यान साधना के कार्यक्रम करवाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 29 नवंबर को दोपहर बाद 2:30 से 5 बजे तक मानव उत्थान सेवा समिति द्वारा स्वामी हरी संतोषानंद सरस्वती व महात्मा अनसूइया बाई का सत्संग प्रवचन होगा।

जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा मंत्री कंवरपाल के चुनावी मैदान में प्रतिद्वंदी रहे

कांग्रेस के 18 वार्डो में कई उम्मीदवार रहे विजयी

पूर्व मंत्री एवं कांग्रेसी नेता अकरम खान का भाई शमीम खान जिला परिषद का चुनाव जीता

- कांग्रेस जिला कोऑर्डिनेटर श्यामसुंदर बत्रा की बहू भानू बत्रा ने ने भी शिक्षा मंत्री कुंवर पाल के क्षेत्र में आने वाले वार्ड 7 से लहराया जीत का परचम
- बीएसपी और आप पार्टी, इनेलो ने भी खोला खाता

राकेश भारतीय। यमुनानगर

हरियाणा की राजनीति के साथ-साथ जिले में विधानसभा सीटों पर जीत का परचम लहराने के सपने देख रही कांग्रेस को पंचायती चुनाव में मिली जीत ने पंख लगा दिए हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस ने जिला पंचायत एवं ब्लाक समितियों के चुनाव में कड़ी टक्कर दी है यमुनानगर में जिला परिषद के 18 वार्डों में से 5 वार्डों में बीजेपी उम्मीदवार विजयी हुए हैं, जबकि कांग्रेस के चार से पांच उम्मीदवारों ने भी जीत का स्वाद चखा है। दूसरी ओर बीएसपी, इनेलो और आप पार्टी ने भी यमुनानगर जिला के जिला परिषद चुनाव में अपना खाता खोला है।

जगाधरी विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा मंत्री कंवरपाल के चुनावी मैदान में प्रतिद्वंदी रहे पूर्व मंत्री एवं कांग्रेसी नेता अकरम खान का भाई शमीम खान जिला परिषद का चुनाव जीत गया है जबकि कांग्रेस के जिला कोऑर्डिनेटर श्यामसुंदर बत्रा की बहू भानू बत्रा ने भी शिक्षा मंत्री कुंवर पाल के क्षेत्र में आने वाले वार्ड 7 से जीत का परचम लहराया है। कांग्रेस के जिला कोऑर्डिनेटर श्यामसुंदर बत्रा का दावा है कि जिला परिषद में कांग्रेस की भारी जीत हुई है उन्होंने कहा कि यमुनानगर के छछरौली ब्लॉक में जिला परिषद के 4 वार्डों में से 3 पर कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार जीते हैं। इसी तरह बाकी ब्लॉक में भी कांग्रेसी उम्मीदवार विजयी हुए हैं। जिससे उन्होंने दावा किया कि यहां जिला परिषद में कांग्रेस का चेयरमैन बनेगा। वार्ड नंबर 6 से कांग्रेस समर्थन से जीते नरवेल सिंह व वार्ड 8 से जीते पूर्व मंत्री अकरम खान के भाई शमीम खान ने इस जीत के लिए कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा है कि अब वह 2024 की विजय के लिए काम करेंगे। जीत के पश्चात उत्साह से लबरेज शमीम खान ने अपनी जीत का श्रेय पार्टी के कार्यकर्ताओं और शीश नेतृत्व दिया है।

पांच साल से कम उम्र के बच्चों में फ्लू के कारण अस्पताल में भर्ती होने का खतरा सात गुना रहता है ज्यादा

अंबाला। बच्चों में पूरे साल फ्लू का खतरा रहता है, विशेष रूप से सर्दियों में और मानसून में यह खतरा ज्यादा बढ़ जाता है। टीकाकरण के बाद शरीर में एंटीबॉडी विकसित होने में करीब 2 हफ्ते का समय लग जाता है, इसलिए मानसून या सर्दियों का मौसम आने के 2 से 4 हफ्ते पहले टीका लगवा लेना चाहिए। 5 साल से कम उम्र के बच्चों में न केवल फ्लू के कारण ज्यादा परेशानी होने का खतरा रहता है, बल्कि वे अन्य लोगों को संक्रमित भी कर सकते हैं।

सालाना 4-इन-1 फ्लू टीकाकरण की जरूरत को लेकर भारद्वाज हॉस्पिटल एंड इंस्टीट्यूट ऑफ मदर एंड चाइल्ड हेल्थ, के एमडी और सीईओ डॉ. राकेश चंद्र भारद्वाज ने कहा, 'इन्फ्लूएंजा पांच साल से कम उम्र के बच्चों में गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। सालाना 4-इन-1 फ्लू टीकाकरण इस जोखिम को कम करता है, खासकर ठंड के मौसम में जब फ्लू संक्रमण अधिक होता है। ठंड के मौसम में ठीक पहले बच्चों को फ्लू शॉट देना महत्वपूर्ण है।'

फ्लू इन्फ्लूएंजा वायरस के कारण होता है और यह नाक, गले व फेफड़े पर असर डालता है। इसके कुछ सामान्य लक्षण हैं खांसी, बुखारी, गले में खराश, थकान, मांसपेशियों में दर्द और सिरदर्द। संक्रमित लोगों के बोलने, छींकने या खांसने से वायरस आसानी से दूसरों में पहुंच सकता है। सांसों के साथ बाहर आने वाले ड्रॉपलेट प्रत्यक्ष तौर पर स्वस्थ लोगों तक पहुंच सकते हैं या किसी सतह पर गिरकर वहां से किसी अन्य को संक्रमित कर सकते हैं, जैसे किसी दरवाजे पर वायरस हो सकते हैं, जिसे कोई स्वस्थ व्यक्ति छूकर वायरस के संपर्क में आ सकता है। ज्यादातर लोग कुछ दिन या हफ्ते में ठीक हो जाते हैं, लेकिन 5 साल से कम उम्र के बच्चे, खासकर 2 साल से कम उम्र के बच्चे और जिन बच्चों को पहले से कोई गंभीर बीमारी हो, उनमें फ्लू के कारण बहुत ज्यादा बीमार पड़ने का खतरा रहता है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ सकता है। बच्चों में न्यूमोनिया और ब्रोंकाइटिस जैसी गंभीर परेशानियों का भी खतरा रहता है, क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम पूरी तरह से विकसित नहीं होता है। अध्ययन बताते हैं कि भारत में सांस संबंधी गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे 5 साल से कम उम्र के 11 प्रतिशत बच्चे फ्लू से संक्रमित होते हैं। भारत में 5 साल से कम उम्र के बच्चों में इन्फ्लूएंजा के कारण जान गंवाने की दर भी ज्यादा है। भारत में 1,00,000 में से करीब 10 बच्चों में इन्फ्लूएंजा के कारण मौत का खतरा रहता है। बहुत से फ्लू वायरस हैं जो संक्रमण का कारण बन सकते हैं। इन्हीं में से एक है एच1एन1 वायरस, जो 'स्वाइन फ्लू' श्रेणी का वायरस है। 4-इन-1 फ्लू टीके सबसे ज्यादा पाए जाने वाले चार वायरस वैरिएंट से बचाने में मदद कर सकता है। इन वायरस में लगातार बदलाव होता रहता है, इसीलिए फ्लू के टीके की हर साल समीक्षा होती है।

ब्लड शुगर और प्रेशर की जांच करवाते रहना सेहत के लिए फायदेमंद : कर्मवीर

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र।

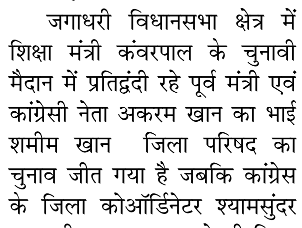

जांच शिविर के आयोजन में न्यू इरा एजुकेशन सोसाइटी का रहा विशेष सहयोग

सर्व समाज कल्याण सेवा समिति एवं न्यू इरा एजुकेशन सोसाइटी के सौजन्य से अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर ब्रह्मसरोवर के तट पर स्थित बूथ नंबर 576 पर निःशुल्क ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर जांच शिविर आयोजित किया गया।

जांच शिविर में सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर सैनी, उप प्रधान एवं चीफ टैक्निकल ऑफिसर कर्मवीर सिंह सैनी, जिला कोषाध्यक्ष ऋषिपाल गोलन, मीडिया प्रभारी तरुण वधवा, जिला प्रधान पुनीत सेतिया, हरमीत कौर विशेष तौर पर उपस्थित रहे। शिविर में जांच के दौरान चीफ टैक्निकल आफिसर कर्मवीर सिंह सैनी ने कहा कि ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर की हर व्यक्ति को समय-समय पर जांच करवाते रहना चाहिए जोकि सेहत के लिए फायदेमंद है। उन्होंने बताया कि आज जांच के दौरान यह पाया गया कि कई लोगों को तो ब्लड शुगर शरीर में सही मात्रा में का पता ही नहीं था और न ही उनको इससे होने वाली हानि के बारे में पता था, जोकि शरीर के लिए घातक है। ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर जांच शिविर में न्यू इरा एजुकेशन सोसाइटी का विशेष सहयोग रहा। जांच शिविर में ब्रह्मसरोवर पर ड्यूटी पर तैनात कई पुलिसकर्मियों ने भी ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर की जांच करवाई और उन्होंने सर्व समाज कल्याण सेवा समिति के आयोजकों का धन्यवाद करते हुए उनके कार्य की प्रशंसा की।

जयपुर में उत्कर्ष इंजीनियर्स क्लासेस का भव्य उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। हिसार

उत्कर्ष क्लासेज द्वारा राजधानी में गुर्जर की थड़ी चौराहा स्थित, गोपालपुरा बायपास रोड पर इंजीनियरिंग के क्षेत्र में सरकारी नौकरी हेतु प्रयासरत् विद्यार्थियों के लिए समर्पित नवीन शाखा का भव्य उद्घाटन मंगलवार प्रातः 10 बजे किया गया। उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत, सह-संस्थापक तरुण गहलोत सहित आमंत्रित इंजीनियर्स, विद्यार्थियों एवं समस्त गुरुजनों की उपस्थिति में उत्कर्ष इंजीनियर्स क्लासेस का शुभारंभ किया गया। यूईसी में इंजीनियरिंग क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी अनुभवी विषय विशेषज्ञों द्वारा करवाई जाएगी। इसके अंतर्गत एसएससी जेई, आरआरबी जेई, गेट, आरपीएससी एई, स्टेट एई/जेई सहित सभी इंजीनियरिंग परीक्षाओं में बेहतर रिजल्ट प्राप्त करने के लिए विद्यार्थियों को तैयार किया जाएगा।

यूईसी में नए बैच 24 नवंबर से होंगे शुरू : उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि उत्कर्ष इंजीनियर्स क्लासेस में सिविल, मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रिकल के अंतर्गत एई एवं जेई के फाउंडेशन बैच सहित सभी ऑफलाइन एवं ऑनलाइन बैचेज 24 नवंबर से शुरू हो जाएंगे। इन बैचेज के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए दो दिनों की डेमो क्लासेस की व्यवस्था भी रखी गई है। इसके अतिरिक्त इस माह की 28 तारीख तक प्रवेश शुल्क में विद्यार्थियों के लिए भारी डिस्काउंट उपलब्ध है। ये सभी कोर्सेस ऑनलाइन रूप में उत्कर्ष एप में लाइव फ्रॉम क्लासरूम की सुविधा के साथ नाममात्र शुल्क में भी उपलब्ध है। गौरतलब है कि उत्कर्ष एप के सभी ऑनलाइन कोर्सेस सीएससी या ई मित्र से प्राप्त करने पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त डिस्काउंट उपलब्ध है।

निःशुल्क काउंसलिंग सेमिनार में विशेषज्ञों ने बताए तैयारी के गुर : उत्कर्ष इंजीनियर्स क्लासेस के उद्घाटन कार्यक्रम के साथ ही विद्यार्थियों के लिए एक निःशुल्क काउंसलिंग सेमिनार का आयोजन रखा गया। इस सेमिनार में विशेषज्ञों द्वारा विद्यार्थियों को सिविल, मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रिकल के अंतर्गत एई एवं जेई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आवश्यक विषय संबंधित जानकारियों से अवगत करवाया गया।

शाहाबाद में जिप और पंचायत समिति मतगणना शांतिपूर्ण सम्पन्न

विधायक की पुत्रवधु को कांग्रेस समर्थित पिंकी हिंगाखेड़ी ने दी करारी शिकस्त

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र/शाहाबाद।

आर्य कन्या महाविद्यालय में एसडीएम कपिल शर्मा की अध्यक्षता में जिला परिषद और पंचायत समिति के सदस्यों हेतु मतगणना शांतमयी ढंग से सम्पन्न हुई। ब्लॉक की तीनो जिला परिषद की सीटों पर मतगणना आखिरी समय तक रोचक बनी रही।

सुबह 8 बजे शुरू हुई मतगणना में सबसे पहले जिला परिषद वार्ड-1 का रिजल्ट सामने आया। जिला परिषद 2018 चुनाव में 10700 वोटों से जीतने वाले विधायक पुत्र कंवरपाल ने इस बार मात्र 747 वोटों से जीत हासिल की। उन्होंने 6262 वोट हासिल करके अपने प्रतिद्वंदी राज कुमार हिंगाखेड़ी को 747 वोटों से हराया है। वार्ड-2 में नलवी के रमेश पाल ने 4033 वोट लेकर मलकीत सिंह को 117 वोटों से हराया है। जिला परिषद वार्ड-3 से कांग्रेस नेता प्रेम हिंगाखेड़ी की पुत्री पिंकी हिंगाखेड़ी ने 7343 वोट हासिल करके निर्दलीय उम्मीदवार स्वीटी रंगा को 2657 वोटों से करारी शिकस्त दी है। वार्ड 3 से हरियाणा शुगरफेड के चेयरमैन और विधायक रामकरण की पुत्रवधू पूजा रानी को 3911 मत प्राप्त करके तीसरा स्थान हासिल किया है।

उल्लेखनीय है कि विधायक के बड़े पुत्र और पूजा रानी के पति सुक्रमपाल ने वर्ष 2018 में जिला परिषद सदस्य चुनाव में 3920 वोटो से अपने प्रतिद्वंद्वी को हराया था, लेकिन इस बार उनकी पत्नी पूजा रानी ने मात्र 3911 वोट हासिल किए। यहां भाजपा प्रत्याशी रेखा वाल्मीकि ने मात्र 631 मत हासिल किए, उनकी जमानत भी जब्त हुई और वह सातवे स्थान पर रही। रविवार को आए चुनाव परिणामों के बाद जिला परिषद चेयरमैन सीट का दावा करने वाले विधायक रामकरण के ख्वाब अब ठंडे बस्ते में जाते नजर आ रहे हैं।

प्रेम हिंगाखेड़ी खुली जीप में सवार होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार करते हुए।

जिला परिषद वार्ड-2 से चुनाव जीतने के बाद विजयी रमेश पाल को बधाई देते समर्थक।

अभी तो पार्टी शुरू हुई है का दावा करने वाले नपा अध्यक्ष नहीं आए पुन: नजर

रविवार को वार्ड-1 के रिजल्ट के बाद नगरपालिका प्रधान गुलशन कवात्रा ने आर्य कन्या महाविद्यालय में एंट्री मारी और फूलमाला पहना कर जजपा समर्थित प्रत्याशी और विधायक पुत्र कंवरपाल को बधाई दी। उसके बाद गुलशन कवात्रा ने मीडिया के सामने कहा कि अभी तो पार्टी शुरू हुई है और अभी वार्ड-3 के परिणाम आने के बाद जश्न होगा। मगर जैसे ही वार्ड-3 का रिजल्ट सामने आया। उसके बाद नपा अध्यक्ष विद्यालय परिसर में कहीं नजर ही नहीं आए।

अब निगाहें 2024 के विधानसभा चुनाव पर

प्रेम हिंगाखेड़ी और उनकी पुत्री पिंकी हिंगाखेड़ी को आर्य कन्या महाविद्यालय में बधाई देने आए पूर्व नपा प्रधान हरीश कवात्रा ने कहा कि जिस तरह ग्रामीणों ने विधायक रामकरण के परिवार को जिला परिषद सदस्य के चुनाव में करारी हार दी है, उससे यह साफ है कि 2024 के विधानसभा चुनाव में भी जनता अब रामकरण को नकारेगी। प्रेम हिंगाखेड़ी ने कहा कि आने वाले समय में शाहाबाद में वह कांग्रेस के प्रत्याशी होंगे और अपनी बड़ी जीत दर्ज करेंगे। करीब 22 वर्षीय पिंकी हिंगाखेड़ी ने कहा कि उनकी यह जीत उनके पिता को समर्पित है और वह इस जीत का सारा श्रेय अपने पिता प्रेम हिंगाखेड़ी को देती है।

जिला परिषद वार्ड-1 से चुनाव जीतने के बाद विधायक पुत्र कंवरपाल को बधाई देते लोग।

जिला परिषद वार्ड-3 से चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस समर्थित पिंकी हिंगाखेड़ी और उनके पिता प्रेम हिंगाखेड़ी को बधाई देते हुए लोग।

शाहाबाद में यह रहा 23 पंचायत समिति सदस्यों का परिणाम

पंचायत समिति वार्ड-1 से संदीप सिंह ने 883, वार्ड-2 से सुक्रमपाल ने 1247, वार्ड-3 से अंजलि ने 709, वार्ड-4 से सीमा रानी ने 964, वार्ड-5 से तरसेम सिंह ने 1456, वार्ड-6 से सुमन देवी ने 1071, वार्ड-7 से गौरव कुमार ने 1152, वार्ड-8 से दलजीत कौर ने 1973, वार्ड-9 से तिलक राम ने 2272, वार्ड-10 से सुमित कुमार ने 1131, वार्ड-11 से आशु ने 1429, वार्ड-12 से मंजीत कुमार ने 806, वार्ड-13 से मनप्रीत ने 1487, वार्ड-14 से रूपा रानी ने 674, वार्ड-15 से प्रदीप शर्मा ने 728, वार्ड-16 से लाभ सिंह ने 1407, वार्ड-17 से सुरमीत कौर ने 1322, वार्ड-18 से अमन कुमार ने 1208, वार्ड-19 से पूजा रानी ने 2074, वार्ड-20 से अंजू बाला ने 1122, वार्ड-21 से मनीष कुमार पुत्र रामकुमार ने 1068, वार्ड-22 से बरखा राम ने 931 और वार्ड-23 से सुमन कौर ने 1474 मत हासिल करके अपनी जीत दर्ज की है।

संक्षिप्त-समाचार

हरियाणा पैवेलियन में होंगे हरियाणवी संस्कृति व लघु भारत के दर्शन : संजय भसीन

कुरुक्षेत्र। आजादी के अमृत महोत्सव के तहत कुरुक्षेत्र में अंतराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का शुभारम्भ 19 नवम्बर से हो चुका है। जिसमें एक ओर जहां शिल्प मेले में विभिन्न राज्यों के शिल्पकार अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए शिल्पों की प्रदर्शनी लगाए हुए हैं। गीता महोत्सव में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा तथा हरियाणा कला परिषद द्वारा पुरुषोत्तमपुरा बाग में हरियाणा पैवेलियन तैयार करवाया जा रहा है, जिसे हरियाणा मण्डप का नाम दिया गया है। हरियाणा पैवेलियन के लिए हरियाणा कला परिषद के निदेशक संजय भसीन को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिनकी देखरेख में हरियाणा पैवेलियन तैयार किया जा रहा है। संजय भसीन ने जानकारी देते हुए बताया कि पुरुषोत्तमपुरा बाग में लगने वाले हरियाणा पैवेलियन का उद्घाटन भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी। पैवेलियन में एक ओर जहां हरियाणा के जन्म से लेकर वर्तमान तक के परिवेश को दिखाया जाएगा, वहीं प्रदेश के लोक कलाकार प्रतिदिन अपनी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से पर्यटकों का मन मोहेंगे। इसके अलावा हरियाणवी व्यंजन जैसे खीर, गुलगुले, बाजरे की खिचड़ी, मक्की की रोटी, साग आदि का जायका भी लोगों को लुभाने में अपनी भूमिका निभाएगा।

सोनीपत जिप व ब्लॉक समितियों की शांतिपूर्ण हुई मतगणना

वार्ड नंबर-10 की विजेता कल्पना को प्रमाणपत्र प्रदान करते डीसी सिवाच।

रणबीर सिंह रोहिल्ला। सोनीपत

जिला निर्वाचन अधिकारी (पं) एवं उपायुक्त ललित सिवाच के निर्देशन में जिला परिषद और ब्लॉक समितियों की मतगणना का कार्य संपन्न हुआ। मतगणना उपरांत जिला परिषद के विजेता प्रत्याशियों को उपायुक्त ने प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए बधाई दी। साथ ही उन्होंने विजेताओं को प्रोत्साहित किया कि वे अपने संबंधित क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दें।

जिला निर्वाचन अधिकारी (पं) एवं उपायुक्त के निर्देशानुसार आठ स्थानों पर जिला परिषद तथा ब्लॉक समितियों की मतगणना का कार्य संबंधित निर्वाचन अधिकारियों की देखरेख में संपन्न हुआ। सभी मतगणना केंद्रों पर मॉक पोल करवाने उपरांत निर्धारित समय पर मतगणना की शुरुआत की गई। सोनीपत में शंभू दयाल स्कूल में निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम अमित कुमार के नेतृत्व में मतगणना का कार्य पूरा किया गया। गन्नौर में निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम सुरेंद्र सिंह दून के नेतृत्व में, गोहाना खंड की मतगणना निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम आशीष कुमार, खरखौदा खंड की मतगणना निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम ज्योति मित्तल, राई खंड की मतगणना निर्वाचन अधिकारी एवं एमडी शुगर मिल्स अनुपमा, मुरथल खंड की मतगणना निर्वाचन अधिकारी एवं डीआरओ हरिओम अत्री तथा कथूरा खंड की मतगणना निर्वाचन अधिकारी एवं तहसीलदार अजय कुमार और मुंडलाना खंड की मतगणना निर्वाचन अधिकारी एवं जीएम रोडवेज राहुल जैन के नेतृत्व में शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। जिला परिषद की मतगणना पूर्ण होने के पश्चात उपायुक्त कोर्ट में विजेताओं को जीत के प्रमाणपत्र वितरित किए गए। जिला निर्वाचन अधिकारी (पं) एवं उपायुक्त ललित सिवाच ने विजेता पार्षदों को प्रमाणपत्र प्रदान करते हुए बधाई दी।

जिला परिषद के परिणामों पर एक नजर

उपायुक्त ने बताया कि जिला परिषद में 24 वार्ड शामिल हैं। इनके विजेता प्रत्याशियों में वार्ड नंबर-1 रवि इंदौरा ने 4786 वोट लेकर जीत हासिल की। वार्ड-2 में 4413 वोट लेकर तकदीर सिंह विजेता बने। इसी प्रकार वार्ड-3 में 5903 वोट लेकर पुष्पा विजेता, वार्ड-4 में 7698 वोट लेने वाले राजेश कुमार ने जीत दर्ज की। वार्ड-5 में 7161 वोट लेकर कुसुमलता, वार्ड-6 में 5028 वोट लेने वाली स्वीटी ने जीत दर्ज की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कल देंगी हरियाणा को रोडवेज में ई-टिकटिंग की सौगात

सोनीपत जिले को किया गया शामिल, विभाग के साथ लोगों को मिलेगी सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। सोनीपत

भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मंगलवार 29 नवंबर को प्रदेशवासियों को हरियाणा रोडवेज में नई टिकटिंग व्यवस्था (ई-टिकटिंग) की सौगात देने जा रही हैं। मुख्यमंत्री मनोहर लाल की प्रेरणा से हरियाणा रोडवेज में ओपन लूप टिकटिंग सिस्टम को लागू करने वाला हरियाणा देश का पहला राज्य बन जाएगा।

इस नई ई-टिकटिंग व्यवस्था से न केवल यात्रियों को लाभ मिलेगा बल्कि हरियाणा रोडवेज को भी फायदा होगा।

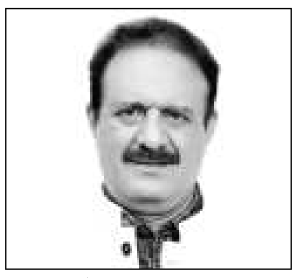

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कुरुक्षेत्र से इस परियोजना का शुभारंभ करेंगी। उपायुक्त ललित सिवाच ने कहा कि नई टिकटिंग व्यवस्था (ई-टिकटिंग) का विशेष फायदा विभाग को मिलेगा। साथ ही आम जनमानस को भी इससे विशेष सुविधा मिलेगी। कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने मौजूदा मैनुअल प्रिंटेड टिकट प्रणाली के स्थान पर ओपन लूप टिकटिंग सिस्टम को राज्य परिवहन में लागू करने का फैसला लिया था। इसके अंतर्गत पेपर पास, प्रिंटेड टिकट प्रणाली के स्थान पर नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड को लागू किया जाएगा। इसमें मुफ्त या रियायती बस यात्रियों व अन्य यात्रियों को 10 लाख नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड जारी किए जाएंगे।

आंतरिक व बाह्य सुरक्षा चुनौतियों पर किया गहन मंथन

अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पूर्व कुलपति जनरल डॉ. रणजीत ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र के फैकल्टी लॉज में ज्योतिबा फुले राजकीय महाविद्यालय, रादौर और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में रक्षा, शिक्षा, संसाधन, अनुसंधान और प्रबंधन के क्षेत्र में समकालीन रुझान : अवसर और चुनौतियां विषय पर दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सेंट्रल विश्वविद्यालय हरियाणा के पूर्व कुलपति जनरल डॉ. रणजीत ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। बाबा मस्तनाथ यूनिवर्सिटी अस्थल बोहर रोहतक की डीन डॉ. अरुणा आंचल व राजकीय महाविद्यालय हिसार के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रमेश आर्य संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि रहे। संगोष्ठी की अध्यक्षता आईसीईआरटी के चेयरमैन डॉ. संदीप कुमार सिंहमार व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राजेंद्र कुमार ने संयुक्त रूप से की।

जिप व पंचायत समिति परिणाम: कहीं खुशी का सूरज तो कहीं गम की शाम

कुरुक्षेत्र। पंचायत चुनाव में जनता ने वोट की चोट से कई दिग्गजों को धराशायी कर दिया, तो अपने चहेतों को प्रतिनिधित्व का मौका दिया। पंचायत चुनाव के शोर के बाद जब परिणाम आया, तो जिले के सभी मतगणना स्थल पर हालात अलग नजर आए। कहीं पर सुबह सूरज खुशी की उमंग लेकर आया, तो कही सूर्योदय के बाद गम की शाम नजर आई। परिणाम जानने स्थल पर पहुंचे अभ्यर्थी व बड़ी संख्या में उनके समर्थकों में परिणाम की जानकारी लगते ही कही खुशी, तो कही गम का माहौल नजर आया। जिला परिषद के वार्ड एक से शाहबाद विधायक रामकरण काला के पुत्र कंवरपाल जीते, तो वार्ड तीन से कांग्रेस नेता प्रेम हिंगाखेड़ी की पुत्री पिंकी हिंगाखेड़ी ने जीत दर्ज की। थानेसर विस से विधायक सुभाष सुधा के समर्थक वार्ड 11 से भाजपा प्रत्याशी धर्मपाल चौधरी ने भारी मतों से जीत दर्ज की। दोपहर लगभग पौने तीन बजे धर्मपाल चौधरी की जीत निश्चित हुई। डीपी की जीत के बाद रेलवे रोड पर बने मतगणना केंद्र के बाद उनके समर्थकों ने पटाखे फोड़कर जमकर खुशी मनाई। वही वार्ड 10 से पूर्व मंत्री अशोक अरोड़ा के समर्थक कांग्रेस प्रत्याशी सुरेंद्र सैनी भिवानीखेड़ा की पत्नी कुसुम लता ने भारी मतों से जीत दर्ज की।

संविधान दिवस बहुत ही गौरव का दिन : डा आरती त्रेहान

शाहाबाद। आर्य कन्या महाविद्यालय में एनसीसी यूनिट द्वारा राजनीतिक शास्त्र एवं नेहरू युवा केंद्र कुरुक्षेत्र के सहयोग से भारतीय संविधान दिवस के उपलक्ष में भारतीय संविधान की विशेषताओं पर जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि एवं मुख्य वक्ता अंबाला के डीएवी कॉलेज के राजनीति शास्त्र विभाग के एसोसिएट प्रो. भूपिंदर सिंह ने शिरकत की। प्रतियोगिता का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यातिथि का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य डा. आरती त्रेहन ने पुष्पगुच्छ देकर किया।

सिक्किम के मुख्यमंत्री ने राज्य में पर्यटन विकास के लिए समर्थन मांगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली।

सिक्कि म के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तामांग ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्री किशन रेड्डी से मुलाकात की।

सीएम तामांग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूर्वोत्तर विकास पहल को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय मंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पश्चिम सिक्किम में पेलिंग से सांगा-छोएलिंग तक यात्री रोपवे प्रणाली और दक्षिण सिक्किम में धप्पर से भालेढुंगा तक यात्री रोपवे के डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए गैप फंडिंग के रूप में निर्धारित राशि के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा कि परियोजनाओं की सिफारिश राज्य स्तरीय अधिकार प्राप्त समिति द्वारा की गई है, और डीपीआर डोनर मंत्रालय को प्रस्तुत किया गया है। मंत्रालय को प्रस्तुत प्रस्तावों पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने पाकयोंग हवाई अड्डे के पास खिलौना संग्रहालय और सांस्कृतिक प्रयोगशाला, युवा संस्कृति और सम्मेलन केंद्र तथा केवजिंग में भूटिया समुदाय के लिए, टैगोर सांस्कृतिक केंद्र स्थापना करने के लिए, सहयोग मांगा। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सिक्किम के लिए राज्य विशिष्ट परियोजनाओं के तहत 15वें वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित कुछ प्रस्तावों को आगे बढ़ाएगी, साथ ही मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से उनके विचार के लिए अनुरोध भी किया। पाकयोंग स्थित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे से उड़ानें अचानक बंद होने के कारण पर्यटन क्षेत्र को हुए नुकसान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि वे उड़ान संचालन की बहाली के लिए संबंधित मंत्रालय के साथ इस मामले को उठाएं। साथ ही मुख्यमंत्री ने बागडोगरा से गुवाहाटी तक उड़ानों की आवृत्ति बढ़ाने के लिए मंत्रालय से समर्थन मांगा, जिससे तीर्थ यात्रा के लिए कामाख्या मंदिर आने वाले सिक्किम और पड़ोसी राज्यों के लोगों को काफी फायदा होगा और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में अंतर-राज्यीय पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। बैठक के दौरान सिक्किम सरकार के मुख्य सचिव वीबी पाठक, सिक्किम हाउस के रेजिडेंट कमिश्नर अश्विनी चंद और एचसीएम के सचिव एसडी ढकाल भी मौजूद रहे।

उत्तराखंड, पंजाब, छत्तीसगढ़ के लोक नृत्यों ने महोत्सव में बांधा समां

खिली धूप में पर्यटकों ने क्राफ्ट और सरस मेले का खूब लिया नजारा

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव

पायनियर समाचार सेवा। कुरुक्षेत्र।

उत्तराखंड, पंजाब, छत्तीसगढ़ के लोक नृत्यों पर कलाकारों ने ऐसी शानदार प्रस्तुति दी कि क्राफ्ट और सरस मेले में खरीदारी करने वाले लोग भी मंच के आस-पास जमा हो गए। इन लोक नृत्यों से कलाकारों ने खूब समा बांधा। जब तक कलाकार नृत्य करते रहे, तब तक कोई भी पर्यटक इधर से उधर नहीं हुआ और पर्यटकों ने भी कलाकारों के साथ जमकर नृत्य किया।

अहम पहलू यह है कि खिली धूप में पर्यटकों ने क्राफ्ट और सरस मेले में खूब खरीदारी की और स्वादिष्ट व्यंजनों का स्वाद भी चखा। अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव 2022 में क्राफ्ट मेले में रविवार को उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला की तरफ से पर्यटकों के मनोरंजन के लिए विशेष रूप से आमंत्रित विभिन्न प्रदेशों लोक कलाकारों ने खूब रंग जमाया। इन कलाकारों ने अपने-अपने प्रदेश के लोक नृत्य की प्रस्तुति दी। इन कलाकारों ने अपने लोक नृत्य में अपने-अपने राज्यों की संस्कृति को सबके सामने प्रस्तुत किया और लोक नृत्य पर नाचते ये कलाकार सभी पर्यटकों का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित कर रहे थे। एनजेडसीसी के अधिकारी राजेश बस्सी व जरनैल सिंह ने कहा कि एनजेडसीसी की तरफ से विभिन्न राज्यों के कलाकार ब्रह्मसरोवर के घाटों पर लोगों का मनोरंजन कर रहे है। इतना ही नहीं यहां आने वाले पर्यटकों को विभिन्न प्रदेशों की लोक संस्कृति और लोक

महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते कलाकार।

प्रसिद्ध गायक वडाली बंधुओं की सुरीली आवाज भरेगी सूफी भक्ति रस

अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव 2022 के सायं कालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए मेला क्षेत्र मुख्य पंडाल में मुख्य मंच सजाया जाएगा। इस मुख्य मंच पर प्रसिद्ध गायक वडाली बंधुओं की सुरीली आवाज ब्रह्मसरोवर की फिजा में सूफियाना भक्ति का रस भरने का काम करेगी। इन कलाकारों के साथ-साथ कुमार विशु, गजेंद्र फौगाट, साध्वी पूर्णिमा, महावीर गुड्डू जैसे प्रसिद्ध कलाकार अपने-अपने कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे। अहम पहलू यह है कि महोत्सव के मुख्य कार्यक्रम 29 नवंबर से चार दिसंबर तक चलेंगे। हालांकि महोत्सव में सरस और शिल्प मेला छह दिसंबर तक जारी रहेगा। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2022 के मुख्य कार्यक्रम मेला क्षेत्र मुख्य पंडाल में मुख्य मंच पर होंगे। यह कार्यक्रम 29 नवंबर से 4 दिसंबर तक जारी रहेंगे। इस कलाओं से रुबरु होने का अवसर भी मिल रहा है। इस महोत्सव के मुख्य महोत्सव में सांयकालीन कार्यक्रम करीब 6.30 बजे शुरू होंगे। इन सांध्यकालीन कार्यक्रमों की सूची को लगभग फाइनल कर लिया गया है और प्राथमिक शेड्यूल भी तैयार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि 29 नवंबर को अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव में मुख्य मंच पर प्रथम स्लॉट में कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग के कृष्णा सिक्ष्यूएंस प्रिंस डांस ग्रुप की प्रस्तुति, दूसरे स्लॉट में उत्तर हरियाणा सांस्कृतिक केंद्र के कुमार विशु एंड ग्रुप भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति, 30 नवंबर को प्रथम स्लॉट में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र का लूर डांस, दूसरे स्लॉट में प्रसिद्ध गायक गजेंद्र फोगाट की प्रस्तुति, 1 दिसंबर को प्रथम स्लॉट में वासवती मिश्रा, दूसरे स्लॉट में प्रसिद्ध गायक वडाली ब्रदर्स के सूफियाना भक्तिमय कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी। इन सभी प्रस्तुतियों में निःशुल्क प्रवेश रहेगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन 29 नवंबर से 4 दिसम्बर तक होगा।

देश-विदेश के 50 लाख लोग सोशल साइट्स से जुड़े महोत्सव से

देश-विदेश के 50 लाख लोग महोत्सव की वेबसाइट, फेसबुक पेज और इंस्टाग्राम सोशल मीडिया के माध्यम से अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव के साथ जुड़े रहे। इस महोत्सव के लिए प्रशासन ने अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2022 के लिए वेबसाइट, इंस्टाग्राम, फेसबुक, फेसबुक पेज तैयार किए गए। इस महोत्सव को सोशल साइट्स के माध्यम से देश-दुनिया के लोगों को जोड़ने के लिए एक टीम को डिजाइन और अपडेशन के लिए लगाया गया। इन सभी के प्रयास सार्थक रहे और सोशल साइट्स के माध्यम से अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव लाखों लोगों तक पहुंच पाया। उपायुक्त शांतनु शर्मा ने बातचीत करते हुए कहा कि अंतराष्ट्रीय गीता महोत्सव-2022 के लिए, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड और एनआईसी सहित अन्य संबंधित विभागों के प्रयासों से इंटरनेशनलगीतामहोत्सव वेबसाइट तैयार की गई। इसके साथ-साथ फेसबुक पेज, इंस्टाग्राम और ट्विटर जैसे सोशल साइटस माध्यमों का भी इस्तेमाल करने की तैयारी पहले से कर ली थी।

राजन बाबू : कभी स्कूल का मुंह नहीं देखा पर रॉकेट वैज्ञानिक बने, अब बनेंगे डॉक्टर

एक लाख आवेदकों में से 1995 में चुने, बाद में इसरो में रॉकेट वैज्ञानिक बने

एजेंसी। नई दिल्ली

आपने ऐसे बहुत से लोगों के बारे में सुना होगा। जिन्होंने स्कूल और कॉलेज की पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी, लेकिन जिंदगी में खूब सफल हुए। ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जिन्होंने नामी स्कूल-कॉलेजों में पढ़ाई की और समाज में अपना एक मुकाम बनाया। आज हम एक ऐसे शख्स के बारे में बात करने वाले हैं, जो कभी स्कूल नहीं गए, लेकिन उन्होंने इसरो में रॉकेट वैज्ञानिक के तौर पर काम किया।

अब 59 साल की उम्र में डॉक्टर बनने के ख्वाहिशमंद हैं तथा मेडिकल में दाखिले की प्रवेश परीक्षा पास कर चुके हैं। वर्ष 1963 में पैदा

राजनबाबू ने 59 साल की उम्र में नीट परीक्षा पास भी कर ली मगर दूसरी बार में ले सके दाखिला

हुए राजन बाबू का जीवन संघर्ष और मजबूत इरादों की मिली-जुली दास्तान है। उनके पिता बीमार रहते थे, लिहाजा बचपन से ही उन्हें घर चलाने के लिए छोटे-मोटे काम करने पड़े। वह पावरलूम में काम करके माता-पिता और बड़ी बहनों की जिम्मेदारी संभालते थे। पढ़ने का शौक था इसलिए मां ने एबीसीडी और दो दूनी चार सिखाया तो यही उनकी प्रारंभिक शिक्षा बन गई। थोड़े

बड़े हुए तो वह खुद से अन्य विषयों की पढ़ाई करने लगे और जीवन अपनी रफ्तार से चलता रहा।

साल 1981 में जीवन ने करवट ली और बेंगलुरु निवासी राजन बाबू ने अपने एक दोस्त की सलाह पर 10वीं कक्षा की प्राइवेट परीक्षा दी। उनका हौसला उस समय कई गुना बढ़ गया, जब उन्होंने यह परीक्षा अच्छे नंबरों से पास कर ली। उसी के आधार पर उन्हें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के डिप्लोमा कोर्स में दाखिला मिल गया। हालांकि इस दौरान वह एक कंपनी में काम करते हुए घर की जिम्मेदारी भी बखूबी निभाते रहे।

राजन बाबू ने एक अखबार के साथ मुलाकात में बताया कि कंपनी में काम करने का उन्हें दोहरा फायदा हुआ। आर्थिक लाभ के साथ ही काम करने का तजुर्बा भी हासिल हुआ, जिसकी वजह से उन्होंने 1992 में एसोसिएट मेंबर ऑफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स की परीक्षा पास कर ली। उस समय इस परीक्षा को बीई के बराबर माना जाता था और इस तरह वह इंजीनियरिंग स्नातक हो गए। इस पढ़ाई के सहारे उन्होंने कुछ साल नौकरी की, लेकिन उनका दिल कहता था कि वह इसके लिए नहीं बने हैं। उन्हें तो कुछ और करना है। जल्दी ही उनके मन की मुराद पूरी होने का वक्त आ गया, जब उन्हें पता चला कि इसरो में रॉकेट वैज्ञानिक के पद के लिए जगह निकली है। उन्होंने तत्काल आवेदन कर दिया। उस नौकरी पर तो जैसे राजन बाबू का नाम लिखा था, तभी तो एक लाख से अधिक आवेदकों में से उन्हें चुन लिया गया और इस तरह वह 1995 में इसरो में रॉकेट वैज्ञानिक बन गए। राजन बाबू की जिंदगी ने 2019 में एक बार फिर करवट बदली जब अपने बच्चों को एमबीबीएस की पढ़ाई करते देखकर उन्होंने भी डॉक्टरी की पढ़ाई करने का इरादा किया। मजे की बात यह है कि 59 साल की उम्र में उन्होंने नीट की परीक्षा पास भी कर ली, लेकिन उन्हें इतने नंबर नहीं मिल सके कि वह सरकारी मेडिकल कॉलेज में दाखिला ले सकें।

पार्टी में किसी से परेशान या नाराज नहीं हूं: कांग्रेस सासंद थरूर

एजेंसी। कोच्चि

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा कि वह पार्टी की केरल इकाई में किसी से परेशान या नाराज नहीं हैं तथा उन्हें किसी से बातचीत करने में कोई परेशानी नहीं है क्योंकि हम बालविहार में नहीं जहां एक दूसरे से बातचीत करने की मनाही हो।

ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस के प्रदेश स्तर सम्मेलन में हिस्सा लेने यहां आए तिरुवनंतपुरम के सांसद थरूर ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने पार्टी में किसी के विरुद्ध कुछ नहीं बोला है, न ही उसके (पार्टी के) निर्देश के खिलाफ कुछ किया ,ऐसे में उन्हें समझ नहीं आ रहा कि क्यों ऐसा विवाद खड़ा किया गया है। उन्होंने कार्यक्रम से पहले संवाददाताओं से कहा, मैं किसी से परेशान या नाराज नहीं हूं। मैंने किसी को दोषी नहीं ठहराया है या किसी पर आरोप नहीं लगाया है। मेरी तरफ से कोई शिकायत या मुद्दा नहीं है। मुझे सभी को एक जैसा देखने में कोई दिक्कत नहीं है और मुझे किसी से बातचीत करने में कोई परेशानी नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के सुधाकरण से बातचीत करेंगे।

भारत जी-20 की अध्यक्षता का उपयोग विश्व कल्याण में करेगा : प्रधानमंत्री

मन की बात में कहा, शांति, एकता, पर्यावरणीय संवेदनशीलता की चुनौतियों का है समाधान

एक साल के दौरान देश में 55 अलग-अलग जगहों पर जी-20 की होंगी 200 से ज्यादा बैठकें

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता मिलना एक बड़ा अवसर है और देश को इसका पूरा उपयोग करते हुए विश्व कल्याण पर ध्यान केंद्रित करना है।

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात की 95 वीं कड़ी में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि शांति हो या एकता, पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता हो या टिकाऊ विकास, भारत के पास इन सबसे जुड़ी चुनौतियों के समाधान हैं।

गौरतलब है कि भारत आधिकारिक तौर पर एक दिसंबर को जी20 समूह की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। भारत एक वर्ष के लिए जी20 का अध्यक्ष रहेगा और इस दौरान देश में 55 अलग-अलग जगहों पर संगठन की 200 से ज्यादा बैठकें होंगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व की आबादी में जी-20 की दो-तिहाई, विश्व व्यापार में तीन-चौथाई और वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 85 प्रतिशत भागीदारी है तथा भारत एक दिसंबर से इतने बड़े व सामर्थ्यवान समूह की अध्यक्षता करने जा रहा है।

उन्होंने कहा, जी-20 की अध्यक्षता हमारे लिए एक बड़ा अवसर बनकर आई है। हमें इस मौके का पूरा उपयोग करते हुए विश्व कल्याण पर ध्यान केंद्रित करना है। प्रधानमंत्री ने कहा कि चाहे शांति हो या एकता, पर्यावरण को लेकर संवेदनशीलता हो या फिर टिकाऊविकास, भारत के पास इनसे जुड़ी चुनौतियों के समाधान हैं।

शैक्षणिक संस्थान चर्चा-परिचर्चा कराएं

प्रधानमंत्री ने देशवासियों, खासकर युवाओं से आग्रह किया कि वे किसी न किसी रूप में जी-20 से जरूर जुड़ें। उन्होंने स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से भी आग्रह किया कि वे अपने संस्थानों में जी-20 विषय पर चर्चा, परिचर्चा और प्रतियोगिताओं का आयोजन करें।

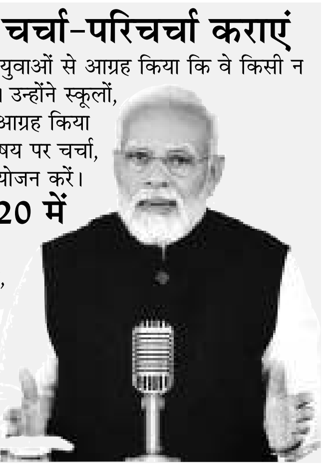

ये सदस्य देश हैं जी-20 में

जी-20 में भारत, अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, दक्षिण कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किए, ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) शामिल हैं।

विक्रम एस का सफल परीक्षण नए युग का प्रतीक

मोदी ने अपने संबोधन में भारत के पहले निजी रॉकेट विक्रम-एस के सफल परीक्षण का भी जिक्र किया और कहा कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि से हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा हो गया। उन्होंने इसे भारत में निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक नए युग के उदय का प्रतीक बताया और कहा कि यह देश में आत्मविश्वास से भरे एक नए युग का आरंभ भी है।

ये हमारे वसुधैव कटुम्बकम संकल्प का नारा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, हमने वन अर्थ (एक पृथ्वी), वन फैमिली (एक परिवार), वन फ्यूचर (एक भविष्य) का जो नारा दिया है, वह वसुधैव कटुम्बकम के प्रति हमारे संकल्प को प्रदर्शित करता है।

पंजाब : 22 आईएएस 10 पीसीएस स्तर के अधिकारियों का तबादला

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने रविवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 22 और प्रांतीय प्रशासनिक सेवा (पीसीएस) के 10 अधिकारियों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया। एक आधिकारिक आदेश में यह जानकारी दी गई है।वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों में 1988 बैच की रवनीत कौर को विशेष मुख्य सचिव, खाद्य प्रसंस्करण के रूप में पदस्थ किया गया है। उन्हें जेल विभाग का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

वहीं, आईएएस अधिकारी अनुराग अग्रवाल को अतिरिक्त मुख्य सचिव-सह- वित्त आयुक्त, निगम का प्रभार दिया गया है। आईएएस अधिकारी मालविंदर सिंह जग्गी, विपुल उज्ज्वल, हरीश नायर, वीके सेतिया, संदीप हंस, कुमार सौरभ राज, मोहम्मद इशफाक, पूनमदीप कौर,हिमांशु अग्रवाल, ऋषिपाल सिंह, मनीष कुमार, पल्लवी, उमाशंकर गुप्ता और संदीप ऋषि का भी तबादला किया गया है। इनके अलावा, पंजाब सिविल सेवा के 10 अधिकारियों का भी तबादला किया गया है।

केजरीवाल ने लिखित में दावा किया आप गुजरात में चुनाव जीतेगी

गुजरात में दो चरणों में एक तथा पांच दिसंबर को मतदान होना है

एजेंसी। अहमदाबाद

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को लिखित में दावा किया कि आम आदमी पार्टी (आप) आगामी विधानसभा चुनाव में गुजरात में सरकार बनाएगी। उन्होंने गुजरात में सरकारी कर्मचारियों के लिए अगले साल 31 जनवरी तक पुरानी पेंशन योजना के क्रियान्वयन का वादा करते हुए उनसे आप का समर्थन करने का अनुरोध भी किया।

सूरत में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली तथा पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए की गई उनकी भविष्यवाणी सच साबित हुई और गुजरात में भी ऐसा ही होगा। उन्होंने दावा किया कि लोग सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इतने डरे हुए हैं कि वे गुजरात विधानसभा चुनाव में आप के लिए समर्थन को खुलकर स्वीकार करने से हिचक रहे हैं। गुजरात में दो चरणों में एक तथा पांच दिसंबर को मतदान होना है। केजरीवाल ने कहा, मैं आप सबके सामने लिखित रूप से एक भविष्यवाणी करने जा रहा हूं...लिख लीजिए कि आप गुजरात में सरकार बनाने जा रही है। 27 साल के खुशासन के बाद गुजरात के लोगों को इन लोगों (भाजपा) से छुटकारा मिलेगा। इसके बाद उन्होंने अपनी भविष्यवाणी एक कागज पर लिखी और इसे मीडियाकर्मियों को दिखाया। आप के राष्ट्रीय संयोजक ने पुरानी पेंशन योजना समेत अन्य मांग कर रहे सरकारी कर्मचारियों से राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनाने में मदद करने का आग्रह किया।

गुजरात सरकार ने एक अप्रैल 2005 को या उसके बाद सेवा में शामिल हुए कर्मचारियों के लिए नई अंशदाई पेंशन योजना (एनपीएस) की घोषणा की थी। इसे लेकर कर्मचारियों के प्रदर्शन के बाद राज्य सरकार ने कहा था कि नई पेंशन उन कर्मचारियों पर लागू नहीं होगी जो अप्रैल 2005 से पहले भर्ती हुए थे।

केजरीवाल ने कहा, 31 जनवरी तक हम गुजरात में पुरानी पेंशन योजना लागू करने के लिए एक अधिसूचना जारी करेंगे। मैं सिर्फ कह नहीं रहा हूं। पंजाब में हमने अधिसूचना जारी की है।

असम ने मेघालय के लिए यात्रा प्रतिबंध हटाया

गुवाहाटी। असम ने अंतरराज्यीय सीमा पर एक विवादित क्षेत्र में हुई हिंसा के बाद मेघालय के लिए लगाए गए यात्रा प्रतिबंध को छह दिन के बाद रविवार को हटा लिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि असम से वाहनों को अब मेघालय में प्रवेश की अनुमति होगी। उन्होंने कहा, जहां भी आवश्यक है, वहां वाहनों को सुरक्षा घेरे में ले जाया जा रहा है। अन्य संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त की व्यवस्था की गई है। असम पुलिस ने एक परामर्श जारी कर लोगों से मंगलवार को हुई घटना के बाद पड़ोसी राज्य की यात्रा करने से बचने को कहा था। गौरतलब है कि वेस्ट कार्बी आंगलोंग जिले में असम-मेघालय सीमा पर अवैध लकड़ी ले जा रहे एक ट्रक को गत मंगलवार की तड़के पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद हिंसा भड़क गई थी जिसमें छह लोगों की मौत हो गई थी।

रालोद छोड़कर चौ. यशवीर सिंह समेत कई नेता भाजपा में शामिल

मेरठ (उप्र)। यूपी के मैनपुरी संसदीय सीट और रामपुर एवं खतौली विधानसभा सीटों पर उपचुनाव के बीच राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के वरिष्ठ नेता व पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष चौधरी यशवीर सिंह ने अपनी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सदस्यता ग्रहण कर ली है। सिंह ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी की मौजूदगी में अपने समर्थकों के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। यशवीर सिंह के अलावा मोदीनगर के पूर्व विधायक सुदेश शर्मा, क्षेत्रीय संगठन मंत्री भोपाल गुर्जर, अभिषेक चौधरी गुर्जर, महिला प्रकोष्ठ की क्षेत्रीय अध्यक्ष नेहा सिरोही, अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष संजय जाटव समेत कई स्थानीय नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है।

संक्षिप्त-समाचार

अमेरिका: गिरजाघर में अंतिम संस्कार के दौरान गोलीबारी

नैशविले। अमेरिका के नैशविले में इस महीने की शुरुआत में गोलीबारी की एक घटना में जान गंवाने वाली एक किशोरी के अंतिम संस्कार के बाद गिरजाघर से निकल रहे लोगों पर की गई गोलीबारी में दो लोग घायल हो गए। मेट्रो नैशविले पुलिस विभाग के प्रवक्ता डॉन आरोन ने बताया कि न्यू सीजन चर्च में 19 वर्षीय टेरियाना जॉनसन के अंतिम संस्कार के बाद शनिवार सुबह गोलीबारी हुई। उन्होंने बताया कि जब गोलीबारी हुई, उस समय शव को ले जाने वाला वाहन गिरजाघर के सामने खड़ा था और उसका पीछे का दरवाजा खुला था तथा लोग गिरजाघर से बाहर निकल रहे थे। पुलिस के मुताबिक, काले रंग की एक कार में बैठे एक या उससे अधिक हमलावरों ने गिरजाघर के पास से गुजरते समय गोलीबारी की।

द्विपक्षीय प्रशिक्षण अभ्यास ऑस्ट्रा हिंद 22 आज से शुरू होगा

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया की सेनाओं के बीच सोमवार से राजस्थान में द्विपक्षीय प्रशिक्षण अभ्यास ऑस्ट्रा हिंद 22 शुरू होगा। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह अभ्यास 11 दिसंबर तक चलेगा। यह वार्षिक अभ्यास होगा जो बारी-बारी से भारत और ऑस्ट्रेलिया में किया जाएगा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारतीय सेना और ऑस्ट्रेलियाई सेना के दलों के बीच ऑस्ट्रा हिंद 22 द्विपक्षीय प्रशिक्षण अभ्यास 28 नवंबर से 11 दिसंबर 2022 तक महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (राजस्थान) में होना है। यह दोनों सेनाओं के सभी शस्त्र और सेवा दलों की भागीदारी के साथ ऑस्ट्रा हिंद श्रृंखला का पहला अभ्यास है। बयान में कहा गया कि दूसरी डिवीजन की 13वीं ब्रिगेड के सैनिकों के साथ ऑस्ट्रेलियाई सेना का दल अभ्यास स्थल पर पहुंच गया है। भारतीय सेना का प्रतिनिधित्व डोगरा रेजीमेंट के जवान कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इस अभ्यास का उद्देश्य सकारात्मक सैन्य संबंध बनाना, एक-दूसरे की उत्कृष्ट प्रक्रियाओं को अपनाना और अर्ध-रेगिस्तानी इलाके में कई क्षेत्रों में अभियान चलाते वक्त एक साथ काम करने की क्षमता को बढ़ावा देना है। मंत्रालय ने कहा कि यह संयुक्त अभ्यास दोनों सेनाओं के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने के अलावा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों को मजबूत करने में मदद करेगा।

नाविकों ने की पेंशन योजना को स्थाई करने अपील

पणजी। गोवा सीमैन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (जीएसएआई) ने मांग की है कि प्रदेश सरकार उनकी पेंशन योजना को हर छह माह पर बढ़ाने के बजाय उसे स्थाई करे। इस संबंध में संपर्क किए जाने पर गोवा के एनआरआई आयुक्त नरेंद्र सवाईकर ने कहा कि सीमैन एसोसिएशन द्वारा उठाए गए इस मुद्दे को वह राज्य सरकार के सामने रखेंगे। जीएसएआई अध्यक्ष फ्रेंक वीगास ने शनिवार को मडगांव में संवाददाताओं से कहा कि प्रदेश सरकार नाविकों के लिए गोवा वेलफेयर पेंशन योजना हर छह महीने पर बढ़ा रही है। उन्होंने कहा, समय-समय पर ऐसे विस्तार से योजना पर अनिश्चिततता खड़ी होती है। इसके बजाय, राज्य सरकार को नाविक समुदाय को राहत प्रदान करते हुए इसे स्थाई कर देना चाहिए। उन्होंने सवाल किया, सरकार को इसे स्थाई बनाने से क्या रोक रहा है?

किम की बेटी दूसरी बार सार्वजनिक रूप से सामने आई

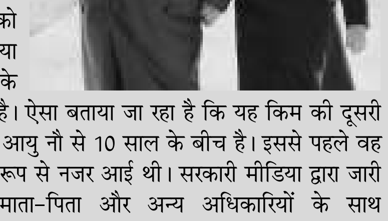

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन मिसाइल वैज्ञानिकों के साथ बैठक में अपनी बेटी को साथ लेकर पहुंचे। उनकी बेटी सार्वजनिक रूप से दूसरी बार सामने आई है। सरकारी मीडिया ने किम की बेटी को उनकी सबसे प्रिय संतान करार दिया तथा इस बहस को और तेज कर दिया कि क्या उसे किम की उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया जा रहा है। ऐसा बताया जा रहा है कि यह किम की दूसरी संतान जु ऐ है और उसकी आयु नौ से 10 साल के बीच है। इससे पहले वह पिछले सप्ताह सार्वजनिक रूप से नजर आई थी। सरकारी मीडिया द्वारा जारी तस्वीरों में वह अपने माता-पिता और अन्य अधिकारियों के साथ अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के परीक्षण का अवलोकन करती दिखाई दी थी।

जरूरी नहीं भाजपा से नाराज सभी लोग माकपा को वोट दें : माणिक सरकार

एजेंसी। अगरतला

त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री माणिक सरकार ने रविवार को कहा कि जो लोग भाजपा से असंतुष्ट हैं, जरूरी नहीं कि वे सभी अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को ही वोट दें।

उन्होंने कहा कि ऐसे में माकपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को नाराज मतदाताओं को अपने पाले में लाने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। माकपा की महिला शाखा के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरकार ने दावा किया कि जनता भाजपा से हताश एवं नाराज हैं।

उन्होंने कहा, यह एक तथ्य है कि कांग्रेस और इंडिजिनस नेशनल पार्टी ऑफ त्रिपुरा (आईएनपीटी) का 40 प्रतिशत संयुक्त वोट 2018 के विधानसभा चुनावों में लगभग भाजपा-आईपीएफटी गठबंधन को चला गया था। और, यह भाजपा के लिए माकपा के नेतृत्व वाली वाम मोर्चा सरकार की हार सुनिश्चित करने में मददगार साबित हुआ। माकपा नेता ने कहा, जनता भाजपा से हताश और नाराज है। आईपीएफटी ने पिछले साढ़े चार साल के दौरान राज्य के पहाड़ी इलाकों पर अपनी पकड़ खो दी है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि आने वाले चुनाव में दोनों पार्टियों के सभी नाराज मतदाता माकपा का समर्थन करेंगे। त्रिपुरा में अगले साल विधानसभा चुनाव प्रस्तावित है।

गुजरात चुनाव : 621 उम्मीदवारों में से मात्र 139 महिलाएं

चुनावी आंकड़ों के मुताबिक गुजरात में करीब 50 प्रतिशत महिला मतदाता

2017 में हुए चुनाव में कुल 1,828 उम्मीदवारों में से 126 महिला उम्मीदवार थीं

एजेंसी। अहमदाबाद

गुजरात में करीब 50 प्रतिशत महिला मतदाता होने के बावजूद अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में महिला उम्मीदवारों की संख्या मात्र 189 है। राज्य की 182 विधानसभा सीट के लिए कुल 1,621 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं।

सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और विपक्षी कांग्रेस ने हमेशा की तरह इस बार भी कुछ ही महिलाओं को टिकट दिया है, लेकिन इस साल इन दलों की ओर से चुनाव लड़ रहीं महिला उम्मीदवारों की संख्या 2017 चुनाव की तुलना में बढ़ी है। भाजपा ने 2017 में 12 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था और इस बार इसने 18 महिलाओं को टिकट दिया है, जबकि कांग्रेस ने 2017 में 10 महिला उम्मीदवारों की तुलना में इस बार 14 महिलाओं को चुनावी मैदान में खड़ा किया है। दोनों दलों ने इस बार दलित एवं जनजातीय समुदायों की अपेक्षाकृत अधिक महिला उम्मीदवारों को चुनावी दौड़ में उतारा है।

वड़ोदरा में सयाजीगंज सीट से कांग्रेस उम्मीदवार अमी रावत ने कहा कि महिलाओं का प्रतिनिधित्व तब बढ़ेगा, जब संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला विधेयक पारित होगा, जबकि भाजपा की राज्य महिला शाखा की प्रमुख दीपिकाबेन सर्वदा ने कहा कि उनकी पार्टी पहले से ही अध्यक्ष समेत महत्वपूर्ण पद देकर महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, अगले महीने दो चरणों में एक और पांच दिसंबर को होने वाले गुजरात चुनाव में कुल 1,621 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जिनमें से 139 महिला उम्मीदवार हैं। इन महिलाओं में से 56 निर्दलीय हैं। राज्य में 2017 में हुए चुनाव में कुल 1,828 उम्मीदवारों में से 126 महिला उम्मीदवार थीं। उस साल गुजरात ने 13 महिला उम्मीदवारों को विधानसभा भेजा था।

आप ने 182 में छह महिला उम्मीदवार उतारे

आम आदमी पार्टी (आप) ने इस बार सभी 182 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जिनमें से एक उम्मीदवार ने अपना नाम वापस ले लिया है। आप ने केवल छह महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया है और उनमें से तीन अनुसूचित जनजाति (एसटी) सीट पर चुनाव लड़ रही हैं।

एआईएमआईएम ने 13 में दो महिलाओं को उतारा

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) 13 सीट पर चुनाव लड़ रही है और उसने दो महिलाओं को टिकट दिया है, जिनमें एक मुस्लिम और एक दलित समुदाय की महिला है।

बसपा ने 101 में 13 महिलाओं को दी टिकट

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने आगामी चुनाव के लिए 13 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। बसपा 101 सीट पर चुनाव लड़ रही है।

राज्यपालों की भूमिका, महंगाई और बेरोजगारी पर संसद सत्र में सरकार को घेरेगा विपक्ष

संसदीय कार्य राज्यमंत्री ने कहा, छह दिसंबर को सर्वदलीय बैठक में तय किए जाएंगे मुद्दे

एजेंसी। नई दिल्ली

संसद के आगामी शीतकालीन सत्र के दौरान सरकार की नजर डाटा संरक्षण विधेयक सहित करीब एक दर्जन विधेयक पारित कराने पर है लेकिन विपक्ष के तेवर देख लगता नहीं कि सदन में उसकी राह आसान होगी। विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों के कथित हस्तक्षेप, जांच एजेंसियों के दुरुपयोग, बेरोजगारी, किसानों की समस्या, महंगाई, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग जैसे मुद्दों पर विपक्ष सरकार को घेरने की तैयारी कर रहा है।

संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया, हम सत्र में सुचारू रूप से कामकाज सुनिश्चित करना चाहते है। इसके बारे में छह दिसंबर को सर्वदलीय बैठक में

विभिन्न दलों के साथ चर्चा होगी और विषय तय किए जाएंगे। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, आरएसपी सहित कई विपक्षी दल सत्र के दौरान महंगाई, बेरोजगारी के अलावा विपक्षी दलों के शासन वाले तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, केरल जैसे राज्यों में राज्यपाल द्वारा कथित तौर पर कामकाज में हस्तक्षेप करने के विषय को शीतकालीन सत्र में पुरजोर तरीके से उठाएंगे।

लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के.सुरेश ने बताया कि सत्र में उठाए जाने वाले मुद्दों को लेकर अगले एक-दो दिनों में पार्टी की रणनीति संबंधी बैठक होगी। जिसमें विषयों को अंतिम रूप दिया जाएगा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, विपक्षी दलों के शासन वाले तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, केरल, झारखंड जैसे राज्यों में राज्यपाल द्वारा कथित तौर पर कामकाज में हस्तक्षेप करने का विषय एक एक प्रमुख मुद्दा है। कुछ समय पहले महाराष्ट्र में भी हमने देखा था कि क्या हुआ। उन्होंने कहा कि राज्यपालों द्वारा राज्य सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप करना संविधान एवं संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ है और यह मुद्दा सत्र के दौरान उठाया जा सकता है। सुरेश ने कहा कि सत्र के दौरान महंगाई, बेरोजगारी के मुद्दे को प्रमुखता मिलेगी, साथ ही किसानों के मुद्दे भी प्रमुख होंगे क्योंकि सरकार ने उनसे किया वादा पूरा नहीं किया है। दूसरी ओर, मेघवाल ने कहा, हम कम से कम 10 विधेयक पारित कराना चाहते हैं। इस बारे में चर्चा होगी और यह सब निर्भर करेगा कि परिस्थितियां कैसी रहती हैं। यह पूछे जाने पर विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी, पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों को रिहा करने के अदालती आदेश से जुड़े विषय को उठाना चाहेगा, मेघवाल ने कहा कि सर्वदलीय बैठक में जो भी विषय उठेंगे, उस पर विचार करने के बाद सत्र में चर्चा के मुद्दे तय किए जाएंगे और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर लिया जाएगा। ज्ञात हो कि संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस बैठक के लिए लोकसभा एवं राज्यसभा में राजनीतिक दलों के सदन के नेताओं को निमंत्रण भेज दिया है। यह पहला सत्र होगा जब उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ राज्यसभा की अध्यक्षता करेंगे।

नियम 193 के तहत निचले सदन में चर्चा कराएंगे

रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने कहा, महंगाई और बेरोजगारी सबसे प्रमुख मुद्दे होंगे। हम इन दोनों विषयों पर नियम 193 के तहत निचले सदन में चर्चा कराने की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा एक प्रमुख मुद्दा पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने का है और इस विषय पर भी विपक्ष सदन में चर्चा कराने की मांग करेगा। सत्र के दौरान डाटा संरक्षण विधेयक एक प्रमुख विधेयक है जिस पर सरकार और विपक्ष में सहमति बनना जरूरी होगा। डाटा संरक्षण से जुड़े विधेयक के विरोध के संकेत सरकार ने डाटा संरक्षण से जुड़े विधेयक को नए सिरे से पेश करने के उद्देश्य से कुछ दिनों पहले ही संशोधित विधेयक का मसौदा जारी किया था।

ग्रेनो-नोएडा के बीच वैकल्पिक मार्ग का निर्माण जल्द

प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी ने टेंडर जारी किया, बनाने में करीब 34.77 करोड़ के खर्च का आकलन

सीईओ ऋतु माहेश्वरी

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थ्री से नोएडा के सेक्टर 146 व 147 के बीच 60 मीटर चौड़ी एप्रोच रोड पर जल्द काम शुरू होने की उम्मीद है।

नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ ऋतु माहेश्वरी की पहल पर इसे बनाने के लिए टेंडर जारी हो गए हैं। इसे बनाने में करीब 34.77 करोड़ रुपये खर्च होने का आकलन है। इसे मिलाकर कुल 28 कार्यों के लिए भी करीब 84 करोड़ रुपये के टेंडर निकाले गए हैं। सेक्टर ज्यू वन, टू व थ्री और ओमीक्रॉन वन में सामुदायिक केंद्र का निर्माण भी इनमें शामिल हैं। नोएडा के सेक्टर 146 व 147 से ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थ्री के बीच नया वैकल्पिक मार्ग बनाया जाना है। इसके लिए हिंडन पर पुल निर्माणाधीन है। इसके बन जाने से नोएडा.ग्रेटर नोएडा के बीच सफर करने वालों को एक और वैकल्पिक मार्ग मिल जाएगा।

इससे पीक ऑवर में परी चौक पर ट्रैफि क जाम की समस्या से जूझना नहीं पड़ेगा, लेकिन जमीन न मिल पाने के कारण यह परियोजना अटक गई है। बीते 10 नवंबर को नोएडा.ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की सीईओ रितु माहेश्वरी ने हिंडन मुहाने तक जाकर इसका जायजा लिया था। मौके पर हुए निर्माण कार्यों पर असंतोष जाहिर करते हुए इसकी गति बढ़ाने के निर्देश दिए थे। सीईओ ने उसी दिन शाम को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के दफ्तर में दोनों प्राधिकरणों के संबंधित अधिकारियों व निर्माणकर्ता एजेंसी सेतु निगम के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और दोनों प्राधिकरण के अधिकारियों से आपसी तालमेल बनाकर किसानों से बातचीत कर पुल और दोनों तरफ एप्रोच रोड का निर्माण शीघ्र शुरू कराने के निर्देश दिए।

परियोजना विभाग ने 34.77 करोड़ रुपये की लागत की इस परियोजना का टेंडर निकाल दिया है। इस कार्य के लिए 29 नवंबर से 13 दिसंबर तक बिड अपलोड की जा सकती है। 15 दिसंबर को प्री क्वालीफि केशन बिड खुलेगी।

सीईओ ने एक माह में टेंडर प्रक्रिया पूरी कर निर्माण शुरू कराने के निर्देश दिए हैं। हाल ही में सीईओ ने परियोजना विभाग के साथ बैठक कर विकास कार्यों के टेंडर शीघ्र जारी करने और काम शुरू कराने के निर्देश दिए थे। इससे अब विकास कार्यों में भी तेजी आने लगी है। परियोजना विभाग ने 27 अन्य कार्यों के लिए भी टेंडर जारी कर दिए हैं। सेक्टर ज्यू वन, टू व थ्री और ओमीक्रॉन वन में सामुदायिक केंद्र का निर्माण, स्मार्ट विलेज सादुल्लापुर, छपरौला व जलपुरा में विकास कार्य, धूम मानिकपुर में आरसीसी ड्रेन का निर्माण, खेड़ी में इंडरलॉकिंग टाइल्स, ड्रेन व सीसी रोड का निर्माण, सेक्टर अल्फा वन की आंतरिक सड़कों की री-सर्फेसिंग, पल्ला के बरातघर में इंटरलॉकिंग टाइल्स, शेड लगाने व मरम्मत के कार्य, सेक्टर ईकोटेक वन एक्सटेंशन में 60 मीटर व 45 मीटर चौड़ी सड़कों की री-सर्फेसिंग, विभिन्न गांवों में बने श्मशान घाट, प्ले ग्राउंड व पार्कों में हाईमास्ट लाइट लगाने, सेक्टर ज्यू टू व ओमीक्रॉन वन, में वेंडर मार्केट का निर्माण आदि कार्य शामिल हैं।

बिल्डर पर चला रेरा का डंडा आवंटी को दिलाया कब्जा

- पांच माह बाद हुआ विवाद का निपटारा

पायनियर समचार सेवा। नोएडा

उप्र रेरा कंसिलीएशन फोरम ने मैसर्स रुद्रा बिल्डवेल इन्फ्रा प्रालि की परियोजना विक्ट्रीवन अमारा के आवंटी उमेश कुमार के विवाद का समाधान निकालकर फ्लैट पर कब्जा दिला दिया। रेरा ने पांच माह में इस मामले का निपटारा करा दिया।

शिकायतकर्ता मैसर्स रुद्रा बिल्डवेल इन्फ्रा प्रालि. ने रेरा में जुलाई 2021 में शिकायत दर्ज की थी। आवंटी ने सितम्बर 2015 में विक्ट्रीवन अमारा परियोजना में एक यूनिट बुक की था।

आवंटी ने 33.97 लाख का भुगतान कर दिया था। परियोजना पूर्ण है एवं बिल्डर तथा खरीदार के बीच हुए एग्रीमेंट फ ॉर सेल के अनुसार यूनिट पर कब्जे का ऑफर दे दिया गया है। लेकिन आवंटी द्वारा अंतिम मांग राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा जिससे रजिस्ट्री और कब्जे की प्रक्रिया बाधित हो रही है।

फ ोरम की बैठक में प्रोमोटर द्वारा अवगत कराया गया कि आवंटी के साथ प्रोमोटर कार्यालय में कई दौर की बैठक हो चुकी है, लेकिन विवाद का समाधान नहीं हो पा रहा।

कब्जे लेने में विलम्ब होने से आवंटी पर अन्य मदों में शुल्क लगता जा रहा है। फोरम ने आवंटी द्वारा किए गए सभी भुगतानों का सत्यापन किया और प्रोमोटर की मांग को सही पाया। इस संबंध में फोरम ने प्रोमोटर को परस्पर माँगों का समायोजन कर अंतिम मांग राशि का एक नया प्रस्ताव आवंटी को प्रस्तुत करने को कहा।

बैठक में दोनों पक्षों को अंतिम राशि का भुगतान संबंधी विवाद आपसी सहमति से समाप्त कर कब्जा लेने की सलाह दी।

मां से मिलने नोएडा आ रहे स्कूटी सवार भाई व बहन की सड़क हादसे में मौत, युवती घायल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

अपनी मां से मिलने के लिए नोएडा आ रहे भाई-बहन की एक सड़क हादसे में मौत हो गई। इस हादसे में मृतकों की बड़ी बहन गंभीर रुप से घायल हो गई, जिसे लखनऊ के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है।

अंबेडकर नगर जिले में जहांगीर नगर के गिरैया बाजार केदरूपुर निवासी शेषनाथ की 22 वर्षीय बेटी नेहा अपने छोटे भाई 18 वर्षीय अविनाश और छोटी बहन 16 वर्षीय साक्षी को लेकर स्कूटी से भंगेल सेक्टर-82 नोएडा आ रही थी। नोएडा में रहकर उनकी मां साधना प्राइवेट नौकरी कर रही हैं। आगरा.लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार अपराह्न 12 बजे उन्नाव के औरास क्षेत्र के लोधाटीकुर गांव के सामने नेहा को नींद की झपकी आ गई और अनियंत्रित स्कूटी किनारे लगी लोहे की फेंसिंग से टकरा गई। स्कूटी की रफ्तार लगभग 80 किमी प्रतिघंटा होने से नेहा उछलकर फेंसिंग पार करते हुए खाई में जा गिरी, वहीं, एंगल में सिर टकराने से अविनाश व सड़क पर सिर के बल गिरी साक्षी की मौके पर मौत हो गई। पीआरवी ने घायल नेहा को लखनऊ के ट्रामा सेंटर भिजवा दिया है।

यूपीडा व पीआरवी कर्मियों ने बताया कि हेलमेट स्कूटी में टंगा था जबकि घायल नेहा ईयर फोन लगाया था। थाना प्रभारी राज कुमार ने बताया कि स्वजन को हादसे की जानकारी दी गई है। उनके आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रदूषण फैलाने पर मोबाइल कंपनी पर लगा जुर्माना

नोएडा। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण विभाग की ओर से ग्रेप का उल्लंघन किए जाने पर विवो मोबाइल कंपनी के निर्माणाधीन उत्पादन यूनिट पर प्रदूषण फैलाने पर कंपनी पर 25 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा सेक्टर टेकजोन चार स्थित एक आवासीय परिसर और टेकजोन चार स्थित श्री राम यूनिवर्सल स्कूल पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है।

क्षेत्रीय प्रदूषण अधिकारी ग्रेटर नोएडा राधे श्याम ने बताया कि ग्रेप के स्टेज तीन का नियम लागू है। ऐसे में निर्माण कार्यों पर रोक लगी हुई है। प्रदूषण फैलाने वालों पर लगातार निगरानी रखकर कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

गौतमबुद्धनगर में 13 निरीक्षक और उपनिरीक्षक के तबादले

- कई थानों क्षेत्रों के बढ़ती वारदातों को देखते हुए पुलिस कमिश्नर ने लिया फैसला

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में कानून व्यवस्था को दुरूस्थ बनाने के लिए पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह के आदेश के बाद सात थाना प्रभारियों सहित कुल 13 निरीक्षकों और उपनिरीक्षकों के तबादले किए गए हैं। माना जा रहा है कि इनमें से कई के थाना क्षेत्रों में लगातार अपराधिक वारदातें बढ़ रही थी।

कुछ को पुलिस लाइन भेजा गया है, तो कुछ को पुलिस लाइन से थानों में भेजकर नई जिम्मेवारी दी गई है। निरीक्षक प्रमोद कुमार प्रजापति को सेक्टर बीटा-2 से प्रभारी निरीक्षक के पद पर थाना सेक्टर-113 भेजा गया है। वहीं दादरी थाना निरीक्षक राकेश कुमार को नोएडा के सेक्टर-49 का थाना निरीक्षक बनाया गया है। वहीं उमेश बहादुर को बिसरख थाने से दादरी थाने का निरीक्षक प्रभारी बनाया गया है।

पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह

इसके अतिरिक्त थाना सेक्टर बीटा.2 के प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार राजपूत को बिसरख थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। वहीं इस कड़ी में निरीक्षक मनोज कुमार सिंह को पुलिस लाइन से थाना जेवर भेजा गया है। वहां पर वह प्रभारी निरीक्षक की भूमिका निभाएंगे। दनकौर के थाना प्रभारी राधा रमण सिंह को क्राइम ब्रांच भेजा गया है, उनके स्थान पर संजय सिंह को पुलिस लाइन से दनकौर भेजा गया है।

यहां उन्हें दनकौर का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। नोएडा के सेक्टर.49 के थाना प्रभारी यशपाल सिंह को पुलिस लाइन भेजा गया है। महिला थाने की निरीक्षक शैली राणा को पुलिस लाइन भेजा गया है। उनके स्थान पर आईटी सेल में ग्रेटर नोएडा में निरीक्षक के पद पर तैनात सरिता सिंह को महिला थाने का प्रभार दिया गया है।

यतेन्द्र कुमार को सूरजपुर मुख्यालय से स्वाट टीम का प्रभारी बनाया गया है। उननिरीक्षक अंजनी कुमार सिंह को थानाध्यक्ष जेवर के स?थान पर थानाध्यक्ष बीटा-2 बनाया गया है। वहीं उपनिरीक्षक शरत कांत को सेक्टर-113 थाने से हटाकर ग्रेटर नोएडा आईटी सेल का नोएडा भेजा गया है।

संक्षिप्त समाचार

कलश यात्रा के दौरान महिला श्रद्धालु।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्रीमद्भागवत कथा

नोएडा। सेक्टर 82 ईडब्लूएस पाकेट सात में श्रीमद भागवत कथा का श्रीगणेश हुआ। सुबह 10 बजे से भव्य कलश यात्रा पाकेट सात के सेन्ट्रल पार्क से निकाली गई। बैंड बाजों एवं ढोल नगाड़ों के साथ भक्ति गीतों की धुन पर झूमते गाते भक्तजन कलश यात्रा में शामिल हुए। महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर पूरे सेक्टर में कलश यात्रा निकाली। इस मौके पर एनके सोलंकी, राघवेंद्र दुबे, रवि राघव, देवमणि शुक्ल, उत्तम चंद्रा, गिरिराज, अमितेष सिंह, सुशील पाल, शिवव्रत तिवारी, संजय पांडे, बृज किशोर सिंह, मुन्ना चैधरी, दीपक तिवारी, एसके तिवारी, राजेश गुप्ता, संगम प्रसाद मिश्र, सुभाष शर्मा, रतन भारद्वाज, संजय मग्गू, मुरारी झा, गोरेलाल, अजय श्रीवास्तव, गुरमेल सिंह, राजवीर सिंह, सर्वेश तिवारी, तिमिर बरोन, प्रमोद श्रीवास्तव, सियाराम, नवीन सहित सैकड़ों सेक्टर वासी मौजूद रहे।

जनसंचार के छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन

नोएडा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज आईएमएस नोएडा ने जनसंचार के छात्रों के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया। रविवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान नए छात्रों को पुष्पगुच्छ देकर उनके आनेवाले कल की शुभकामनाएं दी गई। वहीं संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जनसंचार विभाग के एचओडी डॉ कमल उपाध्याय, प्राध्यापक डॉ मनीष रॉय ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। आईएमएस की डीन मेजर नुपूर गुप्ता ने अपने संदेश में सभी छात्रों को संस्थान की तरफसे शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। एसजेएमसी के विभागाध्यक्ष डॉ कमल उपाध्याय ने बताया कि गीत, संगीत और नृत्य से भरपूर आज के कार्यक्रम में छात्रों ने अपने मनमोहक प्रस्तुती देकर तालियां बटोरी। वहीं कार्यक्रम के अंत में डॉ कमल उपाध्याय ने साक्ष्य कौशिक को मिस्टर फ्रेशर और डॉ मनीष रॉय ने राशिका बरूआ को मिस फ्रेशर के खिताब से नवाजा।

एमिटी इंटरनेशनल स्कूल की टीम उर्जा बनीं विजेता

नोएडा। एमिटी विश्वविद्यालय में टाइम ऑफ स्पोर्टस सॉल्युशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा त्रिदिवसीय एफ1 इन स्कूल्स इंडिया के नेशनल फाइनल 2022 का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय प्रतियोगिताओं को क्वालीफाइ करने वाली देश के 31 विद्यालयों की 55 टीमों ने हिस्सा लिया। एमिटी इंटरनेशनल स्कूल पुष्प विहार की छह छात्राओं की टीम उर्जा ने अपनी प्रतिभा को साबित करते हुए एफ1 इन स्कूल्स इंडिया के नेशनल फाइनल 2022 द्वितीय विजेता बनी। टीम को माइक्रोसाफ्ट की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर नवतेज सिंह बल, मिंडा कोरपोरेशन के अध्यक्ष एवं सीईओ संजय गुप्ता, और एमिटी स्कूल ऑफ फाइन आर्ट एवं एमिटी स्कूल ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी की चेयरपरसन श्रीमती दिव्या चौहान और एफ1 इन स्कूल्स इंडिया चीफ यशराज सिंह द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कूड़ा निस्तारण केंद्र का ग्रामीणों ने किया विरोध

नोएडा। दादरी नगरपालिका द्वारा चिटेहरा गांव की जमीन पर कूड़ा निस्तारण केन्द्र बनाए जाने की कोशिश के बाद चिटेहरा और नईबस?ती गांव में इसका भारी विरोध शुरू हो गया है। इसके विरोध में रविवार को उसी स?थान पर एक पंचायत का आयोजन किया गया। पंचायत में सभी लोगों ने एक आवाज में कूड़ा निस्तारण केन्द्र चिटेहरा की जमीन पर नहीं बनाए जाने देने की बात कही। इसके विरोध में आगामी 1 दिसम्बर को 12 गांवों की महापंचायत भी बुलाई गई है। लोग गांव-गांव जाकर जन जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को कूड़ा निस्तारण केन्द्र के बारे में जानकारी देंगे।

गाजियाबाद में राजमिस्त्री की हत्या में 3 मजदूर गिरफ्तार

- गाली-गलौज से तंग आकर तीनों ने ईट से सिर पर किया वार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद के नंदग्राम इलाके में निर्माणाधीन मकान में हुई राजमिस्त्री की हत्या का पुलिस ने रविवार को खुलासा कर दिया। तीन हत्यारोपी गिरफ्तार हैं। वारदात को राजमिस्त्री के साथ काम करने वाले मजदूरों ने अंजाम दिया था। नंदग्राम थाना क्षेत्र में एक मकान का निर्माण चल रहा है। 22 नवंबर को यहां राजमिस्त्री की लाश रजाई में पड़ी मिली। मृतक की पहचान बाबूराम निवासी भोजपुर के रूप में हुई। बाबूराम के पिता नौरंग सिंह ने साथी मजदूरों पर हत्या का शक जताते हुए 23 नवंबर को एफआईआर कराई थी। पुलिस ने इस मामले में रविवार को राजेंद्र निवासी भोजपुरए सतीश निवासी नंदग्राम और सोनू निवासी कलंजरी मेरठ को गिरफ्तार किया है।

पूछताछ में सतीश ने बताया मेरे गांव के दामाद अमित का गाजियाबाद में मकान बन रहा है। बाबूराम राजमिस्त्री है, जो इस काम के लिए सतीश और राजेंद्र को ले आया था। एक अन्य मजदूर सोनू भी वहां काम कर रहा था। सभी इस मकान में 2 महीने से काम कर रहे थे। सतीश के अनुसार बाबूराम उन सभी से लगातार गाली-गलौज करता था, फिर भी हम बर्दाश्त करते रहे।

20 नवंबर की रात में बाबूराम ने राजेंद्र से फिर अभद्रता की और धमकी दी कि तुम सबको भगा दूंगा। राजेंद्र की पत्नी व बेटी को लेकर भी उसने गालियां दी। राजेंद्र ने विरोध किया तो बाबूराम ने उसके सीने पर लात मार दी। सभी मजदूरों से लड़ाई करने के बाद बाबूराम सो गया। इसके बाद सतीश ने पैर और सोनू से हाथ पकड़े। राजेंद्र ने पास में पड़ी ईंट के टुकड़े से बाबूराम के ऊपर इतने वार किए कि उसकी मौत हो गई। वारदात करके सारे मजदूर वहां से भाग निकले। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त ईंट बरामद कर ली है।

कृष्णा कुटी भोपुरा की झुग्गियों में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

टीला मोड़ थाना क्षेत्र के कृष्णा कुटी भोपुरा की झुग्गियों में शनिवार मध्य रात करीब 12 बजे भयंकर आग लग गई। अग्निशमनकर्मियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की।

आग लगने के कारणों की जानकारी नहीं हो पाई है। कृष्णा कुटी भोपुरा में बड़ी संख्या में झुग्गियां हैं। इनमें कबाड़ी रहते हैं। झुग्गियों में ही कबाड़ का गोदाम बना रखा है। शनिवार रात करीब 12 बजे झुग्गियों में आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थी कि देखते.देखते तमाम झुग्गियों को अपनी आगोश में ले लिया। सूचना पर अग्निशमन केंद्र साहिबाबाद के कर्मचारी पांच गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे।

उन्होंने आग पर काबू पाने की कोशिश की। आग काफी फैल गई थी। अग्निशमनकर्मियों ने अग्निशमन केंद्र वैशाली और कोतवाली से भी गाड़ियां बुलाई। अग्निशमन अधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बताया कि आग लगने के कारणों की जानकारी नहीं हुई है। झुग्गियों में लोग परिवार के साथ रह रहे थे।

सप्लाई बंद होने से सोसाइटी में पानी की किल्लत

- करीब 12 सौ लोग हो रहे परेशान, प्राधिकरण में दर्ज कराई शिकायत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की ग्रीन आर्क सोसाइटी में पानी का प्रेशर कम होने होने की वजह से 1200 परेशान है।

पानी का प्रेशर न आने की वजह से लोगों ने कई ग्रेनो प्राधिकरण में शिकायत की गई, इसके बाद भी कोई ध्यान देने वाला नहीं है। आरोप है कि प्राधिकरण की तरफसे मेन सप्लाई के वाल्व को बंद कर दिया गया थाए जिसकी वजह से दो दिन से पानी की समस्या बनी हुई है। ऐसे में टंकी में पानी नहीं भर पा रहा था। ऐसे में लोगों ने इसका विरोध किया है।

सोसाइटी के निवासी रश्मि पांडेय ने बताया कि सोसाइटी में करीब 1200 परिवार रहते हैं। परिसर में शनिवार शाम से ग्रेनो प्राधिकरण की तरफ़ से पानी सप्लाई का प्रेशर काफ़ी कम है। जिसकी वजह से जो ग्राउंड टैंक नहीं भर पा रहे है। पानी टैंक में नहीं भर पा रहा था, जिससे प्रेशर कम होने पर फ्लैट में पानी का सप्लाई नहीं हो पा रही है। आरोप है कि सोसाइटी में ग्रेनो प्राधिकरण के द्वारा पानी की सप्लाई की जाती है। दूसरी जगह सप्लाई देने के चक्कर मे मैन सप्लाई का वाल्व बंद दिया है। जिसकी वजह से आगे से सप्लाई नहीं आ रही है। इसकी कर्मचारी शिकायत की जा रही है, इसके बाद भी अनदेखी की जा रही है। इस मुद्दे को अधिकारियों ने संज्ञान लिया तो उक्त कर्मचारी ने शिकायत न होने की बात बोल कर अपना पल्ला झाड़ दिया है। लोग पानी की सप्लाई न होने की वजह से बाहर से पानी की बोतल लेने को मजबूर है। शनिवार शाम से लगातार शिकायत की जा रही है, लेकिन कोई देखरेख करने वाला नहीं है। प्राधिकरण के अधिकारी कपिल सिंह ने बताया कि पानी की आपूर्ति बाधित होने की शिकायत मिली है, जिस पर संज्ञान लेकर जांच की जा रही है।

छात्रा से छेड़छाड़ करने वाले दोषी को 4 साल की सजा

नोएडा। जिला न्यायालय के अपर सत्रध्विशेष न्यायाधीश द्वितीय चन्द्र मोहन श्रीवास्तव ने आठवीं कक्षा की छात्रा से छेड़छाड़ के मामले में राजेश यादव को दोषी करार देते हुए चार साल के कारावास की सजा सुनाई है। वर्तमान में राजेश जमानत पर बाहर था। सजा सुनाए जाने के बाद उसको अभिरक्षा में लेकर जेल भेज दिया गया है। दोषी राजेश पर 15 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया गया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता जेपी भाटी ने बताया कि दिसंबर 2017 में पीड़ित पिता ने नोएडा की सेक्टर 20 कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था।

पुलिस मुठभेंड में घायल बदमाश। पास में पड़ा देसी कट्टा।

डिप्टी सीएम बोले: मरीज का इलाज करना, फिर भी अस्पताल ने भेजा घर

- डॉक्टर ने कहा- हल्दी-घी लगाओ, शिकायत मिलने पर सीएमओ ने ब वार्ड बॉय को किया बर्खास्त

पायनियर समचार सेवा। गाजियाबाद

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जिस मरीज को बेहतर इलाज देने को कहा, डॉक्टरों ने उसे घर भेज दिया। उससे कहा कि हल्दी-घी लगाओ, ठीक हो जाओगे। हैरानी की बात ये है कि मामला सामने आने के बाद आरोपी डॉक्टर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, बल्कि एक वार्ड ब्वॉय को बर्खास्त कर दिया है।

दरसअल, 10 नवंबर को सूबे के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक गाजियाबाद के दौरे पर आए थे। इसी दौरान डिप्टी सीएम संयुक्त जिला अस्पताल संजयनगर पहुंचे। यहां पर आग से झुलसे एक मरीज ने इलाज न मिलने और बाहर से दवा मंगाने की शिकायत की। इस पर डिप्टी सीएम ने हाथ जोड़कर माफी मांगी। साथ ही डॉक्टरों को मरीज को इलाज करने को कहा। लेकिन डॉक्टरों ने उसे घर जाने को बोल दिया। डिप्टी सीएम तक शिकायत पहुंचने पर मामले में शनिवार रात कार्रवाई की गई। आरोपी डॉक्टर को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

शास्त्रीनगर के रहने वाले पवन कुमार डेढ़ महीने पहले गैस सिलिंडर में आग लगने से झुलस गए थे। इलाज कराने के लिए वह लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल दिल्ली में भर्ती हुए। सुधार होने पर अस्पताल के डॉक्टर ने गाजियाबाद के सरकारी अस्पताल के बर्न यूनिट में पट्टी कराने की सलाह दी। पवन एमएमजी अस्पताल में इलाज कराने गए तो वहां से यह कहकर भगा दिया गया कि यहां बर्न यूनिट नहीं है, इसलिए यहां पर इलाज नहीं हो सकता है।

दिल्ली जाकर ही पट्टी कराओ। इसके बाद वह संयुक्त अस्पताल में पट्टी कराने गए।

वहां पर ट्रॉमा सेंटर में पट्टी की गई। उस दिन अस्पताल में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने निरीक्षण भी किया था। डिप्टी सीएम ने डेंगू वार्ड देखा और पूरे अस्पताल में घूमकर व्यवस्थाएं परखी।

इस दौरान उनका सामना पवन नाम के मरीज से हो गया। पवन ने पूरा मामला उपमुख्यमंत्री को भी बताया। उसने शिकायत कर कहा कि अस्पताल में पट्टी के लिए उससे बाहर से दवाएं मंगाई जाती हैं। हर रोज बाहर से वे 700-800 रुपए की दवाएं ला रहे हैं। इस पर डिप्टी सीएम ने ठीक से इलाज करने का निर्देश दिया। पवन कुमार ने बताया डॉक्टरों ने इसके बावजूद उन्हें दवाएं नहीं दी। कहा कि अस्पताल में दवाएं नहीं हैं तो क्या करें। घर जाकर जले हुए बदन पर हल्दी और देसी घी लगाओ।

पवन ने इसका वीडियो बनाकर सीएम पोर्टल पर अपलोड करके शिकायत की। इसके बाद डिप्टी सीएम कड़ी फटकार लगाई और तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद मरहम पट्टी कक्ष में तैनात एक कर्मचारी को हटा दिया गया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने शनिवार रात ट्वीट करके बताया, संयुक्त जिला अस्पताल गाजियाबाद में आग से झुलसे मरीज को उपचार न देने संबंधी प्रकरण का संज्ञान लेते हुए मेरे द्वारा दिए गए आदेशों के क्रम में सीएमओ गाजियाबाद द्वारा दोषी वार्डबॉय को बर्खास्त कर दिया गया है। जबकि संबंधित चिकित्सक से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

ये है गुरु तेग बहादुर का जीवन परिचय

गुरू तेग बहादुर सिखों के नवें गुरु थे जिन्होने प्रथम गुरु नानक द्वारा बताए गये मार्ग का अनुसरण करते रहे। उनके द्वारा रचित 115 पद्य गुरु ग्रन्थ साहिब में सम्मिलित हैं। उन्होने काश्मीरी पण्डितों तथा अन्य हिन्दुओं को बलपूर्वक मुसलमान बनाने का विरोध किया। इस्लाम स्वीकार न करने के कारण 1675 में मुगल शासक औरंगजेब ने सबके सामने उनका सिर कटवा दिया।

गुरुद्वारा शीश गंज साहिब तथा गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब उन स्थानों का स्मरण दिलाते हैं जहाँ गुरुजी की हत्या की गयी तथा जहाँ उनका अन्तिम संस्कार किया गया। विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय मूल्यों, आदर्शों एवं सिद्धांत की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में गुरु तेग बहादुर साहब का स्थान अद्वितीय है।

इस महावाक्य अनुसार गुरुजी का बलिदान न केवल धर्म पालन के लिए नहीं अपितु समस्त मानवीय सांस्कृतिक विरासत की खातिर बलिदान था। धर्म उनके लिए सांस्कृतिक मूल्यों और जीवन विधान का नाम था। इसलिए धर्म के सत्य शाश्वत मूल्यों के लिए उनका बलि चढ़ जाना वस्तुत: सांस्कृतिक विरासत और इच्छित जीवन विधान के पक्ष में एक परम साहसिक अभियान था।

प्रारंभिक जीवन =

गुरु तेग़ बहादुर जी का जन्म पंजाब के अमृतसर नगर में हुआ था। ये गुरु हरगोविन्द जी के पाँचवें पुत्र थे। आठवें गुरु इनके पोते %हरिकृष्ण राय% जी की अकाल मृत्यु हो जाने के कारण जनमत द्वारा ये नवम गुरु बनाए गए। इन्होंने आनन्दपुर साहिब का निर्माण कराया और ये वहीं रहने लगे थे। उनका बचपन का नाम त्यागमल था। मात्र 14 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ मुग़लों के हमले के ख़िलाफ़ हुए युद्ध में उन्होंने वीरता का परिचय दिया।

उनकी वीरता से प्रभावित होकर उनके पिता ने उनका नाम त्यागमल से तेग़ बहादुर (तलवार के धनी) रख दिया। युद्धस्थल में भीषण रक्तपात से गुरु तेग़ बहादुर जी के वैरागी मन पर गहरा प्रभाव पड़ा और उनका का मन आध्यात्मिक चिंतन की ओर हुआ। धैर्य, वैराग्य और त्याग की मूर्ति गुरु तेग़ बहादुर जी ने एकांत में लगातार 20 वर्ष तक %बाबा बकाला% नामक स्थान पर साधना की। आठवें गुरु हरकिशन जी ने अपने उत्तराधिकारी का नाम के लिए %बाबा बकाले% का निर्देश दिया।

गुरु जी ने धर्म के प्रसार लिए कई स्थानों का भ्रमण किया। आनंदपुर साहब से कीरतपुर, रोपण, सैफाबाद होते हुए वे खिआला (खदल) पहुँचे। यहाँ उपदेश देते हुए दमदमा साहब से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुँचे। कुरुक्षेत्र से यमुना के किनारे होते हुए कड़ामानकपुर पहुँचे और यहीं पर उन्होंने साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया।

गुरु तेगबहादुर जी प्रयाग, बनारस, पटना, असम आदि क्षेत्रों में गए, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, उन्नयन के लिए रचनात्मक कार्य किए। आध्यात्मिकता, धर्म का ज्ञान बाँटा। रूढ़ियों, अंधविश्वासों की आलोचना कर नये आदर्श स्थापित किए। उन्होंने परोपकार के लिए कुएँ खुदवाना, धर्मशालाएँ बनवाना आदि कार्य भी किए। इन्हीं यात्राओं में 1666 में गुरुजी के यहाँ पटना साहब में पुत्र का जन्म हुआ। जो दसवें गुरु- गुरु गोविंद सिंह बने। गुरु तेगबहादुर जी सिखों के नौवें गुरु माने जाते हैं। औरंगज़ेब के शासन काल की बात है। औरंगज़ेब के दरबार में एक विद्वान पंडित आकर रोज़ गीता के श्लोक पढ़ता और उसका अर्थ सुनाता था, पर वह पंडित गीता में से कुछ श्लोक छोड़ दिया करता था। एक दिन पंडित बीमार हो गया और औरंगज़ेब को गीता सुनाने के लिए उसने अपने बेटे को भेज दिया परन्तु उसे बताना भूल गया कि उसे किन किन श्लोकों का अर्थ राजा से सामने नहीं करना था। पंडित के बेटे ने जाकर औरंगज़ेब को पूरी गीता का अर्थ सुना दिया। गीता का पूरा अर्थ सुनकर औरंगज़ेब को यह ज्ञान हो गया कि प्रत्येक धर्म अपने आपमें महान है किन्तु औरंगजेब की हठधर्मिता थी कि वह अपने के धर्म के अतिरिक्त किसी दूसरे धर्म की प्रशंसा सहन नहीं थी। जुल्म से त्रस्त कश्मीरी पंडित गुरु तेगबहादुर के पास आए और उन्हें बताया कि किस प्रकार ?इस्लाम स्वीकार करने के लिए अत्याचार किया जा रहा है, यातनाएं दी जा रही हैं। गुरु चिंतातुर हो समाधान पर विचार कर रहे थे तो उनके नौ वर्षीय पुत्र बाला प्रीतम(गोविन्द सिंह) ने उनकी चिंता का कारण पूछा ,पिता ने उनको समस्त परिस्थिति से अवगत कराया और कहा इनको बचने का उपाय एक ही है कि मुझको प्राणघातक अत्याचार सहते हुए प्राणों का बलिदान करना होगा। वीर पिता की वीर संतान के मुख पर कोई भय नहीं था कि मेरे पिता को अपना जीवन गंवाना होगा। उपस्थित लोगों द्वारा उनको बताने पर कि आपके पिता के बलिदान से आप अनाथ हो जाएंगे और आपकी मां विधवा तो बाल प्रीतम ने उत्तर दिया: यदि मेरे अकेले के यतीम होने से लाखों बच्चे यतीम होने से बच सकते हैं या अकेले मेरी माता के विधवा होने जाने से लाखों माताएँ विधवा होने से बच सकती है तो मुझे यह स्वीकार है।

अबोध बालक का ऐसा उत्तर सुनकर सब आश्चर्य चकित रह गए। तत्पश्चात गुरु तेगबहादुर जी ने पंडितों से कहा कि आप जाकर औरंगज़ेब से कह ?दें कि यदि गुरु तेगबहादुर ने इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया तो उनके बाद हम भी इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे। और यदि आप गुरु तेगबहादुर जी से इस्लाम धारण नहीं करवा पाए तो हम भी इस्लाम धर्म धारण नहीं करेंगे। इससे औरंगजेब क्रुद्ध हो गया और उसने गुरु जी को बन्दी बनाए जाने के लिए आदेश दे दिए।

गुरुजी ने औरंगजेब से कहा कि यदि तुम जबरदस्ती लोगों से इस्लाम धर्म ग्रहण करवाओगे तो तुम सच्चे मुसलमान नहीं हो क्योंकि इस्लाम धर्म यह शिक्षा नहीं देता कि किसी पर जुल्म करके मुस्लिम बनाया जाए। औरंगजेब यह सुनकर आगबबूला हो गया। उसने दिल्ली के चांदनी चौक पर गुरु तेगबहादुर का शीश काटने का हुक्म दिया और गुरु तेगबहादुर ने हंसते-हंसते अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। गुरु तेगबहादुर की याद में उनके शहीदी स्थल पर गुरुद्वारा बना है, जिसका नाम गुरुद्वारा शीश गंज साहिब है। गुरु तेगबहादुर जी की बहुत सारी रचनाएं गुरु ग्रंथ साहिब के महला 9 में संग्रहित हैं।। गुरुद्वारे के निकट लाल किला, फिरोज शाह कोटला और जामा मस्जिद भी अन-?य आकर्षण हैं। गुरु तेगबहादुर जी की शहीदी के बाद उनके बेटे गुरु गोबिन्द राय को गुरु गद्दी पर बिठाया गया। जो सिक्खों के दसवें गुरु गुरु गोबिन्द सिंह जी बने। श्री कीरतपुर साहिब जी पहुँचकर भाई जैता जी से स्वयँ गोबिन्द राय जी ने अपने पिता श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का शीश प्राप्त किया और भाई जैता जो रँगरेटा कबीले के साथ सम्बन्धित थे। उनको अपने आलिंगन में लिया और वरदान दिया ''रँगरेटा गुरु का बेटा''। विचार हुआ कि गुरुदेव जी के शीश का अन्तिम सँस्कार कहां किया जाए।

दादी माँ व माता गुजरी ने परामर्श दिया कि श्री आनंदपुर साहिब जी की नगरी गुरुदेव जी ने स्वयँ बसाई हैं अत: उनके शीश की अँत्येष्टि वही की जाए। इस पर शीश को पालकी में आंनदपुर साहिब लाया गया और वहाँ शीश का भव्य स्वागत किया गया सभी ने गुरुदेव के पार्थिक शीश को श्रद्धा सुमन अर्पित किए तद्पश्चात विधिवत् दाह सँस्कार किया गया।

कुछ दिनों के पश्चात भाई गुरुदिता जी भी गुरुदेव का अन्तिम हुक्मनामा लेकर आंनदपुर साहिब पहुँच गये। हुक्मनामे में गुरुदेव जी का वही आदेश था जो कि उन्होंने आंनदपुर साहिब से चलते समय घोषणा की थी कि उनके पश्चात गुरु नानक देव जी के दसवें उत्तराधिकारी गोबिन्द राय होंगे। ठीक उसी इच्छा अनुसार गुरु गद्दी की सभी औपचारिकताएं सम्पन कर दी जाएँ। उस हुक्मनामे पर परिवार के सभी सदस्यों और अन्य प्रमुख सिक्खों ने शीश झुकाया और निश्चय किया कि आने वाली बैसाखी को एक विशेष समारोह का अयोजन करके गोबिन्द राय जी को गुरूगद्दी सौंपने की विधिवत् घोषणा करते हुए सभी धर्मिक पारम्परिक रीतियाँ पूर्ण कर दी जाएँगी।सहनशीलता , कोमलता और सौम्यता की मिसाल के साथ साथ गुरू तेग बहादुर जी ने हमेशा यही संदेश दिया कि किसी भी इंसान को न तो डराना चाहिए और न ही डरना चाहिए । इसी की मिसाल दी गुरू तेग बहादुर जी ने बलिदान देकर. जिसके कारण उन्हें हिन्द की चादर या भारत की ढाल भी कहा जाता है उन्होंने दूसरों को बचाने के लिए अपनी कुर्बानी दी। गुरू तेग बहादुर जी को अगर अपनी महान शहादत देने वाले एक क्रांतिकारी युग पुरूष कह लिया जाए तो कहना ज़रा भी गलत न होगा पूरा गुरू चमत्कार या करमातें नहीं दिखाता. वो उस अकालपुरख की रजा में रहता है और अपने सेवकों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करता है. गुरू तेग बहादुर जी ने धर्म की खातिर अपना सब कुछ कुर्बान कर दिया. ऐसा कोई संत परमेश्वर ही कर सकता है जिसने अपने पर में निज को पा लिया हो. अर्थात् अपने हृदय में परमात्मा को पा लिया उसके भेद को तो कोई बिरला ही समझ सकता है आज जरूरत गुरू घर से जुड़ने की इसलिए तो गुरबाणी में कही गई बातों को अमली जामा पहनाने ।

संसार को ऐसे बलिदानियों से प्रेरणा मिलती है, जिन्होंने जान तो दे दी, परंतु सत्य का त्याग नहीं किया। नवम पातशाह श्री गुरु तेग बहादुर जी भी ऐसे ही बलिदानी थे। गुरु जी ने स्वयं के लिए नहीं, बल्कि दूसरों के अधिकारों एवं विश्वासों की रक्षा के लिए अपने प्राणों का उत्सर्ग कर दिया। अपनी आस्था के लिए बलिदान देने वालों के उदाहरणों से तो इतिहास भरा हुआ है, परंतु किसी दूसरे की आस्था की रक्षा के लिए बलिदान देने की एक मात्र मिसाल है-नवम पातशाह की शहादत।

गुरु तेग बहादुर को जान से ज्यादा प्यारा था धर्म

गुरु तेग बहादुर ने आस्था, विश्वास और अधिकारी की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था. मुगल शासक औरंगजेब ने दिल्ली के चांदनी चौक में गुरु तेग बहादुर सिर कलम करवा दिया था. उनके शहीदी स्थल पर एक गुरुद्वारा साहिब बना है. जिसे गुरुद्वारा शीश गंज के नाम से जाना जाता है.सिख धर्म के 10 गुरुओं में से नौवें, गुरु तेग बहादुर की मृत्यु आज ही के दिन यानी 24 नवंबर को साल 1675 में हुई थी. मुगल शासक औरंगजेब ने उन्हें जान के बदले अपना धर्म छोड़कर इस्लाम कबूल करने के लिए लेकिन उन्होंने हंसते-हंसते जान देना चुना था. औरंगजेब को यह कतई मंजूर नहीं था कि कोई उसके हुक्म की नाफरमानी करे. उसने 24 नवंबर 1675 में दिल्ली के लाल किले के सामने चांदनी चौक पर गुरु तेग बहादुर सिर कलम करवा दिया था. इसलिए इस दिन को गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस (Guru Tegh Bahadur Martyrdom Day) के रूप में मनाया जाता है और उनकी शहादत को याद किया जाता है.गुरु तेग बहादुर को क्यों कहा जाता है हिंद की चादर%?

धैर्य, वैराग्य और त्याग की मूर्ति गुरु तेग बहादुर ने 20 सालों तक साधना की थी. उन्होंने गुरु नानक के सिद्धांतों का प्रचार करने के लिए देश में कश्मीर और असम जैसे स्थानों की लंबी यात्रा की. अंधविश्वासों की आलोचना कर समाज में नए आदर्श स्थापित किए. गुरु तेग बहादुर ने आस्था, विश्वास और अधिकारी की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया था. माना जाता है कि उनकी शहादत दुनिया में मानव अधिकारियों के लिए पहली शहादत थी, इसलिए उन्हें सम्मान के साथ %हिंद की चादर% कहा जाता है. गुरु तेग बहादुर की याद में उनके शहीदी स्थल पर एक गुरुद्वारा साहिब बना है. जिसे गुरुद्वारा शीश गंज के नाम से जाना जाता है.

कैसे मिला त्यागमल नाम?

गुरु तेग बहादुर सिंह का जन्म बैसाख कृष्ण पंचमी को पंजाब के अमृतसर में हुआ था. पिता गुरु हरगोबिंद ने उन्हें त्यागमल नाम दिया था, लेकिन मुगलों के खिलाफ युद्ध में बहादुरी की वजह से वे तेग बहादुर के नाम से मशहूर हो गए. तेग बहादुर का मतलब होता है तलवार का धनी. तेग बहादुर को भाई बुद्ध ने तीरंदाजी और घुड़सवारी में प्रशिक्षित किया था. पंजाब के बकाला में, गुरु तेग बहादुर ने लगभग 26 साल, 9 महीने, 13 दिनों तक ध्यान किया था. वह अपना अधिकांश समय ध्यान में व्यतीत करता थे. उनकी रचनाओं में 116 शबद, 782 रचनाएं और 15 राग शामिल हैं. बता दें कि इतिहास के पन्नों में औरंगजेब को दूसरे के धर्म को द्वेष भावना से देखनेवाला और कठौर नैतिकतावादी शब्दों से परिभाषित किया गया है. उससे पहले जो भी मुगल शासक रहे उन्होंने कला और साहित्य का न सिर्फ समर्थन किया था बल्कि कलाकारों का काफी सम्मान भी किया था.

वहीं, उसके विपरीत औरंगजेब का कला या साहित्य से कोई प्रेम नहीं था. उसने हिंदुओं पर पुराना, घृणित जजिया-कर लगाया, जो मुस्लिम राज्य में रहने वाले गैर मुस्लिम यानी हिंदुओं से वसूला जाता था. अगर कोई गैर मुस्लिम शख्स उस इलाके में रहना चाहता है तो उसे जजिया कर देना होता था. हिंदुओं को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के लिए देवी-देवताओं के मंदिर तुड़वाने का काम किया.

भोर का समय

राजयोगी ब्रह्माकुमार निकुंज जी वर्तमान काल को सांस्कृतिक गोधूलि कहते हैं। उनका मानना है कि अंधेरा जल्द ही दूर हो जाएगा और प्रकाश को रास्ता देगा।

विश्व के सांस्कृतिक इतिहास में वर्तमान काल कई अप्रत्याशित, अजीब और शक्तिशाली क्रॉस-धाराओं की विशेषता है। यदि हम पिछले छह या सात दशकों पर ध्यान दें, तो अप्रत्याशित प्रकृति और महान महत्व की कई घटनाएं घटी हैं जिनके कारण तेजी से और शक्तिशाली क्रॉस-कंट्री सांस्कृतिक प्रभाव पड़ा है। आइए विचार करें कि कैसे कई देशों में डब्लूडब्लू2 से पहले और बाद में साम्यवाद के उदय ने न केवल राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन लाए, बल्कि मूल्यों के एक नए सेट को भी जन्म दिया - सकारात्मक और साथ ही नकारात्मक - और नए सांस्कृतिक रुझान बनाए। साम्यवाद की विचारधारा या दर्शन, विश्व इतिहास और आर्थिक ताकतों, मानव स्वभाव, अमीर और गरीब के बीच संघर्ष, धर्म और राज्य द्वारा निभाई गई भूमिका, और एक वर्गहीन और राज्यविहीन समाज ने, शोषकों का सफाया करने के लिए हिंसा की अनुमति दी, एक नई तरह की मूल्य-प्रणाली दी और दुनिया को दो शक्ति खंडों में विभाजित किया, जिनमें से प्रत्येक अंत तक लड़ने के लिए तैयार था। नफरत, हिंसा, वर्ग युद्ध, हथियारों की होड़, राजनीतिक और आर्थिक गठबंधन, मानवाधिकारों और स्वतंत्रता के दमन को छोड़ दिया गया और धर्म संग्रहालयों तक ही सीमित था। इन सभी ने लाखों लोगों के दृष्टिकोण, दृष्टिकोण, तौर-तरीकों, व्यवहार और विश्वासों को प्रभावित किया और मूल्यों और संस्कृति के पुराने सेट को बदल दिया।

इसी तरह, विभिन्न मध्य-पूर्वी देशों के बीच कई युद्ध लड़े गए, उसके बाद खाड़ी युद्ध, एक बड़े और शक्तिशाली राष्ट्र द्वारा एक एशियाई राष्ट्र का अधिग्रहण, और इस तरह की अन्य घटनाओं ने पारंपरिक मूल्यों और मानदंडों को बदल दिया और महत्वपूर्ण बदलाव लाए। संयुक्त राष्ट्र और इसकी विभिन्न एजेंसियों द्वारा निभाई गई भूमिका, मानवाधिकार आंदोलन और शासन के लोकतांत्रिक रूप, आदि का भी कोई कम महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं था। कोपरनिकस और डार्विन जैसे विभिन्न वैज्ञानिक सिद्धांतों या सिद्धांतों और सिगमंड फ्रायड और फ्रेडरिक नीत्शे जैसे विभिन्न दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक शोध प्रबंधों ने भी मूल्यों और संस्कृति की प्रचलित प्रणाली को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया।

हालांकि, सांस्कृतिक परिदृश्य पर सबसे अधिक प्रभाव मल्टीमीडिया का रहा है। सिनेमा, टीवी, वीडियो, प्रिंट मीडिया, और अब, निश्चित रूप से, इंटरनेट ने एक देश पर दूसरे देश पर और घर के वातावरण पर, खेल के मैदान में, हवाई जहाज में और लगभग हर जगह सांस्कृतिक आक्रमण की तरह काम किया है। उपग्रहों, कंप्यूटरों, इंटरनेट, ताररहित और सेलुलर टेलीफोन, औद्योगिक विज्ञापनों और प्रदर्शनियों के उपयोग ने देश के सांस्कृतिक अभयारण्यों को ध्वस्त कर दिया है। उन्होंने विभिन्न समूहों, समुदायों या राष्ट्रों के बीच सांस्कृतिक सीमाओं को धुंधला या मिटा दिया है।

विरासत स्थल, कुछ संस्कृतियों के भंडार के रूप में जाने जाने वाले स्थान, लगभग सभी इन ताकतों के हमले के शिकार हुए हैं। जहां अमीर व्यक्तियों और राष्ट्रों द्वारा अपने निजी संग्रह या संग्रहालयों को फिर से भरने के लिए प्रतीकों, कलाकृतियों और विरासत वस्तुओं की लूट की गई है, वहीं दूसरी ओर, कला, पूजा, धार्मिक स्मारकों की वस्तुओं के प्रति लालची संग्राहकों द्वारा बहुत असंवेदनशीलता दिखाई गई है। पैसे के सौदागर। लेकिन विभिन्न संस्कृतियों के इस अंतर्संबंध और मूल्य प्रणालियों पर उनके प्रभाव के परिणामस्वरूप कई मायनों में नैतिक नुकसान हुआ है, कुछ लाभ भी हुए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी, विभिन्न समुदायों और राष्ट्रों के बीच बातचीत, मल्टीमीडिया ने कुछ अच्छा किया है, जिसके परिणामस्वरूप हम पाते हैं कि संस्कृति और मूल्यों का एक नया पैटर्न उभर रहा है।

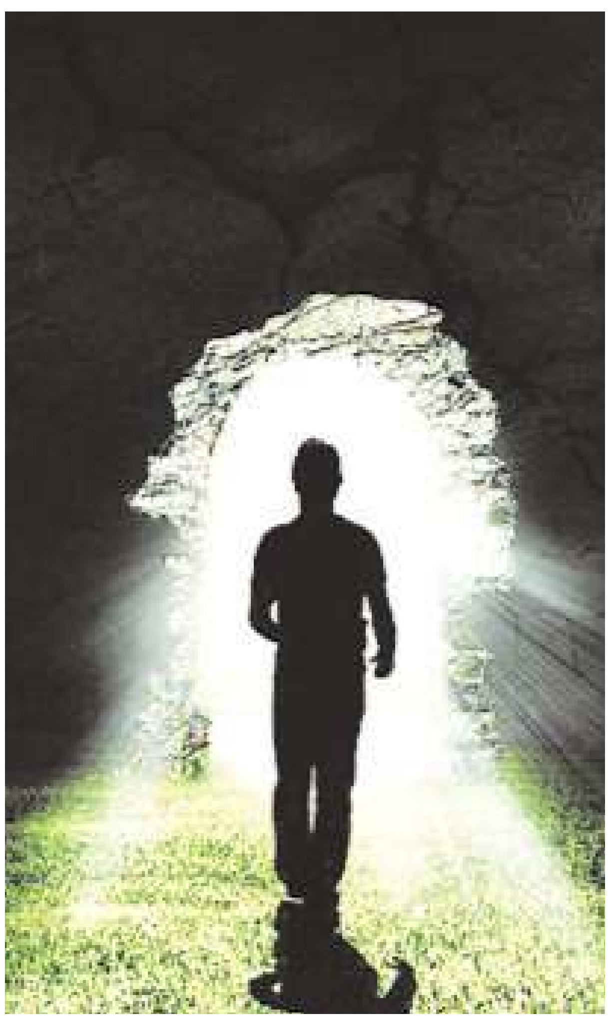

कम से कम मूल्यों को फिर से स्थापित करने के लिए एक बड़ी आवाज उठाई जा रही है। इसमें से अधिकांश, निस्संदेह, नकारात्मक है और मानव मन को प्रदूषित कर रहा है, लेकिन निस्संदेह, कुछ अच्छी विशेषताएं भी देखी जा सकती हैं। इसी संदर्भ में विभिन्न संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के योगदान को देखा जाना चाहिए। इन वैश्विक संस्थानों ने न केवल अंतरराष्ट्रीय और अंतर-महाद्वीपीय सांस्कृतिक परिदृश्य में जो अच्छा है उसे सराहा और प्रोत्साहित किया है, बल्कि सार्वभौमिक मूल्यों के साथ एक वैश्विक संस्कृति के उद्भव में मदद करने के लिए लगातार पूरी ईमानदारी के साथ काम किया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी, व्यापार और उद्योग, मीडिया और संचार, न्यायशास्त्र और शिक्षा, स्वास्थ्य, विज्ञान, योग, धर्म और संस्कृति द्वारा प्रदान किए गए साधनों को नियोजित करते हुए, ये गैर-सरकारी संगठन विश्व-मंच पर वह सब कुछ लाने की कोशिश कर रहे हैं जो सर्वकालिक सर्वोत्तम है एक नई मूल्य प्रणाली के रूप में। वे अपने सहयोग से इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए युवाओं और महिलाओं को शामिल कर रहे हैं और सभी व्यवसायों में लगे हुए हैं। इस प्रकार वर्तमान सांस्कृतिक गोधूलि का काल है। मूल्यों, गुणों और अद्वितीय दिव्य संस्कृति के प्रकाश को स्थान देने के लिए जल्द ही अंधकार गुमनामी में उतरेगा।

लोग अपनी अनंत क्षमता को पहचानें

शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण का मार्ग बता रहे हैं निखिल बहली

क्या आपने कभी सोचा है कि आपकी अनंत क्षमता क्या है?

अधिकांश समय, यह एक ऐसा विचार है जो हम सभी के पास कभी न कभी होता है - शानदार स्पष्टता का एक क्षण जो आपके भीतर छिपी प्रतिभा को चिढ़ाता है। हालाँकि, आपके सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद, एक आदर्श का विचार हमेशा इतना मायावी, इतना दूर, लगभग असंभव लगता है।

लेकिन यह सच नहीं है।

हम सभी अपनी अनंत क्षमता को प्राप्त करने में सक्षम हैं लेकिन एक कारण है कि हम असफल हो जाते हैं (या इससे भी बदतर, प्रयास करना छोड़ दें)। यह एक आयामी कल्याण का जाल है।

एक एथलीट से पूछें और वे आपको बताएंगे कि शारीरिक रूप से धक्का देने से आपको अपनी बाधाओं को तोड़ने में मदद मिल सकती है, एक मनोवैज्ञानिक से पूछें और वे आपको अपने मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल करने के लिए कहेंगे, और यदि आप एक दार्शनिक से पूछते हैं, तो वे आपको आत्मनिरीक्षण करने के लिए कहेंगे। और अपने आंतरिक अस्तित्व पर ध्यान केंद्रित करें।

लेकिन कौन गलत है और कौन सही? सच तो यह है, वे सभी आंशिक रूप से सही हैं।

सच्ची भलाई: कल्याण का अर्थ है आरामदायक, स्वस्थ या खुश रहने की अवस्था। यह एक अकेला रास्ता नहीं है बल्कि तीनों क्षेत्रों - शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक की परिणति है क्योंकि यह शरीर, मन और आत्मा को पूरा करता है। एक व्यक्ति को सच्ची भलाई का अनुभव करने के लिए, उन्हें तीनों क्षेत्रों में उत्कृष्टता का अनुभव करना चाहिए।

पारंपरिक अर्थों में, स्वास्थ्य और कल्याण को अक्सर एक स्वस्थ शरीर के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता है, जिसमें किसी भी बीमारी या बीमारियों का अभाव होता है। जैसे-जैसे विज्ञान आगे बढ़ा और जागरूकता फैली, लोगों को स्वस्थ और खुशहाल जीवन जीने में मानसिक स्वास्थ्य के महत्व का एहसास हुआ।

और फिर भी, अधिकांश लोग अभी भी दूर, खोए हुए और निराश महसूस करते थे।

हाल के दिनों में, विशेष रूप से पश्चिम में, पूर्वी दर्शन, योग और अन्य आध्यात्मिक खोजों में एक नई रुचि रही है। अधिक से अधिक लोग अपने जीवन में अर्थ और उद्देश्य की खोज करने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि आध्यात्मिक प्यास बुझाने की जरूरत है।

एक ऐसा चौराहा होना चाहिए जहां ये तीन अलग-अलग सड़कें मिलती हैं क्योंकि यही वह जगह है जहां सच्ची भलाई रहती है, वहीं लोग अपनी अनंत क्षमता पा सकते हैं।

अपनी अनंत क्षमता का एहसास: अनंत क्षमता कोई अमूर्त अवधारणा नहीं है, यह लोगों को पुरानी बीमारियों को रोकने और स्वस्थ, खुशहाल जीवन जीने में मदद कर सकती है। इसलिए लोगों के लिए अपनी अनंत क्षमता तक पहुँचने की कोशिश में सक्रिय कदम उठाना महत्वपूर्ण है।

आपकी अनंत क्षमता को प्राप्त करने के लिए यहां कुछ व्यावहारिक कदम दिए गए हैं।

शरीर के लिए

- प्रतिदिन कुछ समय के लिए व्यायाम करें।
- पर्याप्त मात्रा में आराम करें।
- बीमारियों के शुरुआती लक्षणों के बारे में जानें।
- संतुलित, स्वस्थ और पौष्टिक आहार लें।
- भोजन के लिए पर्याप्त भाग लें।
- धूम्रपान त्याग दें।

मस्तिष्क के लिए

- अपने विचारों और भावनाओं के साथ खुद को संरेखित करें।
- सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं।

समर्थन मांगें और पेशकश करें।

- समय का सम्मान करें और समय-प्रबंधन कौशल प्राप्त करें।
- तनाव प्रबंधन तकनीक सीखें।
- अपने आप को क्षमा करें और स्वीकृति का अभ्यास करें

आत्मा के लिए

- अपने आध्यात्मिक मूल को समझें।
- एकांत का अभ्यास करें और नियमित रूप से ध्यान करें।
- जिज्ञासा का पोषण करें और जीवन के बारे में जिज्ञासु बनें।
- आप जो कुछ भी करते हैं उसमें खुद को पूरी तरह से डुबो दें।
- अपने सिद्धांतों के अनुसार जियो और अपने पेट की सुनो।
- अपने आप को और अपने आस-पास के अन्य लोगों को मुक्त करें।
- विपत्ति को अवसर के रूप में देखें और खुद को चुनौती दें।

ये कदम शांति और आत्म-परिवर्तन की ओर आपके पथ की शुरुआत मात्र हैं। जैसे-जैसे आप भलाई की ओर बढ़ते हैं, आपको बढ़ने के अधिक अवसर और प्राप्त करने के लिए उच्च लक्ष्य मिलेंगे।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा एकदिवसीय मैच बारिश में धुला

तीसरा वनडे 30 नवंबर को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा

भारत अब श्रृंखला बराबर करने की कोशिश करेगा

एजेंसी। हैमिल्टन

भारत और न्यूजीलैंड के बीच रविवार को यहां खेला जाने वाला दूसरा एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच लगातार बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। भारत ने 4.5 ओवर में बिना विकेट खोए 22 रन बनाए थे कि बारिश शुरू हो गई।

न्यूजीलैंड की टीम तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 से आगे चल रही है। तीसरा और अंतिम एकदिवसीय मुकाबला बुधवार 30 नवंबर को क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। भारत अब तीन मैच की श्रृंखला जीत नहीं सकता लेकिन अंतिम एकदिवसीय मुकाबले में जीत के साथ श्रृंखला बराबर करने की कोशिश करेगा। रविवार को अधिकतर समय बारिश होती रही या मैदान गीला रहा जिसके कारण दो बार मैच शुरू होने के बावजूद सिर्फ 12.5 ओवर का खेल हो पाया जिसमें भारत ने एक विकेट पर 89 रन बनाए। दूसरी बार मैच जब रोका गया तो दोबारा शुरू नहीं हो पाया। इस समय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 42 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से 45 रन बनाकर खेल रहे थे जबकि सूर्य कुमार यादव 25 गेंद में तीन छक्कों और दो चौकों की मदद से 34 रन बनाकर उनका साथ निभा रहे थे।

बारिश के कारण टॉस में लगभग 15 मिनट का विलंब हुआ लेकिन मैच समय पर शुरू हुआ। आसमान में छाए बादलों के बीच न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। गिल और कप्तान शिखर धवन (03) की सलामी जोड़ी ने जब 4.5 ओवर में बिना विकेट खोए 22 रन बनाए थे तब बारिश आ गई और लगभग चार घंटे तक खेल रुका रहा। खेल दोबारा शुरू होने पर मैच को 29 ओवर का कर दिया गया।

भारत ने खेल दोबारा शुरू होने पर दूसरी ही गेंद पर धवन का विकेट गंवा दिया जो मैट हेनरी की गेंद को मिड ऑन पर सीधे लॉकी फुर्ग्युसन के हाथों में खेल बैठे। गिल शुरू से ही अच्छी लिय में दिखे। उन्होंने हेनरी पर छक्का जड़ा जबकि सूर्य कुमार ने भी मिशेल सेंटनर और माइकल ब्रेसवेल की स्पिन छोड़ी पर छक्का जड़ने के बाद फर्ग्युसन की गेंद को भी छह रन के लिए दर्शकों के बीच भेजा। इसके बाद बारिश के कारण दोबारा खेल रोकना पड़ा जो फिर से शुरू नहीं हो पाया और अंपायरों ने अतत: मैच रद्द करने का फैसला किया। इससे पहले भारत ने दो बदलाव करते हुए शारदुल ठाकुर की जगह दीपक चाहर जबकि संजू सैमसन की जगह दीपक हुड्डा को टीम में जगह दी थी। न्यूजीलैंड ने भी एक बदलाव किया और एडम मिल्ने की जगह माइकल ब्रेसवेल को अंतिम एकादश में शामिल किया।

कोच और मित्र ने सूर्यकुमार की सफलता का राज बताया

एजेंसी। नई दिल्ली

सूर्यकुमार 32 साल की उम्र में नंबर टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज बने

कोच विनायक माने का कहना है कि आप भविष्यवाणी नहीं कर सकते कि सूर्यकुमार यादव टेस्ट क्रिकेट में सफल होगा या नहीं लेकिन उन्होंने कहा कि अगर मौका मिला जो यह बल्लेबाज पूरा प्रयास करेगा।

सूर्यकुमार ने भारतीय क्रिकेट में कम समय में काफी सफलता हासिल की है। उनके कुछ शॉट ऐसे होते हैं जिनकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। सूर्यकुमार 32 साल की उम्र में दुनिया के नंबर एक टी-20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज बने हैं और यह सफर उन्होंने काफी तेजी से तय किया। सूर्यकुमार के परिवार के अलावा जिन दो लोगों ने उनमें आए बदलाव को करीब से देखा है वह मुंबई के पूर्व सलामी बल्लेबाज माने और राज्य की टीम में लंबे समय से उनके साथी तथा बचपन के मित्र सूफियान शेख हैं।

माने ने सूर्यकुमार को सबसे पहले 18 बरस की उम्र में देखा जब उन्हें मुंबई का प्रतिभावान अंडर-19 क्रिकेटर होने के लिए भारत पेट्रोलियम से 2009 में छात्रवृत्ति मिली। माने ने हालांकि सूर्यकुमार को उस समय करीब से पहचाना जब यह क्रिकेटर पारसी जिमखाना से जुड़ा जहां के प्रमुख खोदादाद एस याजदेगाडी ने भी उनकी काफी मदद की। प्रथम श्रेणी के 54 मैच खेलने वाले माने ने कहा, सूर्या जब पारसी जिमखाना आया तो मैं थोड़ा बहुत क्रिकेट खेल रहा था और कोचिंग देना शुरू ही किया था। मुंबई क्रिकेट में उसके लिए असहज समय रहा था और वह अपनी छाप छोड़ने की कोशिश कर रहा था। उसके पास शॉट में विविधता हमेशा से थी और उसे जिसने भी देखा उसे पता था कि वह भारत के लिए खेलेगा। सूर्यकुमार ने ऑस्ट्रेलिया के हालात के लिए कैसे तैयारी की? माने ने कहा, श्रेय खोदादाद को जाना चाहिए जिन्हें सूर्या काफी पसंद है। पारसी जिमखाना मैदान में हमने विशेष रूप से उसके लिए काफी घास वाला कड़ा विकेट तैयार किया था। उन्होंने कहा, मेरे शिष्यों में से एक, जो मुंबई अंडर-23 खिलाड़ी है, ओम केशकमत ने बाएं हाथ से रोबो-आर्म के साथ थ्रो-डाउन देने का काम किया।

संक्षिप्त समाचार

गिल की बल्लेबाजी में कुछ खास है: शास्त्री

हैमिल्टन। भारत के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के प्रशंसकों में पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री भी शामिल हो गए है। शास्त्री का मानना है कि इस युवा बल्लेबाज में कुछ खास है। गिल न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा एकदिवसीय श्रृंखला में अच्छी फॉर्म में हैं। उन्होंने गुरुवार को शुरुआती मैच में 50 रन बनाए और शनिवार को बारिश की भेंट चढ़े दूसरे मैच में नाबाद 45 रन की पारी खेली। शास्त्री ने तीन मैचों की इस श्रृंखला के आधिकारिक प्रसारणकर्ता प्राइम वीडियो पर कहा, उसे खेलते हुए देखना बहुत अच्छा लगता है। उसकी बल्लेबाजी में कुछ खास है। उसके पास शानदार कौशल है और वह लंबे समय तक टीम में बना रहेगा। उन्होंने कहा, वह मेहनत करने से नहीं घबराता है और उसमें सफल होने की भूख बरकरार हैं। इस खेल से उसका काफी लगाव है और वह जमीन से जुड़ा हुआ है। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा ने भी गिल की तारीफ की। उन्होंने कहा, समय के साथ गिल के स्ट्राइक रेट में सुधार हुआ।

दीपक रावत, रेशमा दातू पुणे हाफ मैराथन के विजेता बने

पुणे। दीपक रावत और रेशमा दत्तू ने रविवार को यहां पुणे हाफ मैराथन में क्रमश: पुरुष और महिला वर्ग का खिताब जीता। इस आयोजन के तीसरे सत्र में 16,000 से अधिक धावकों ने भाग लिया। अर्जुन पुरस्कार विजेता धाविका सुधा सिंह ने अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में दौड़ को झंडी दिखाकर रवाना किया। दीपक ने पुरुषों की श्रेणी में 21 किमी की दूरी को पूरा करने के लिए एक घंटा चार मिनट 18 सेकेंड का समय लिया। दीपक कुंभार एक घंटा पांच मिनट नौ सेकेंड के साथ दूसरे जबकि हुकुम सिंह (एक घंटा छह मिनट 28) तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं के वर्ग में रेशमा (एक घंटा 17 मिनट छह सेकेंड) ने शीर्ष स्थान हासिल किया जबकि नंदिनी गुप्ता (एक घंटा 18 मिनट छह सेकेंड) और कविता यादव (एक घंटा 19 मिनट 52) दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

श्रीनिधी डेक्कन ने उलटफेर भरी जीत दर्ज की

हैदराबाद। श्रीनिधी डेक्कन ने रविवार को यहां आई लीग में शानदार लय जारी रखते हुए गत चैम्पियन गोकुलम केरला को 1-0 से शिकस्त दी जो उनकी सत्र की तीसरी जीत है। फैसल शाएसतेह का 63वें मिनट में लंबी दूरी से किया गया गोल श्रीनिधी डेक्कन के लिए विजई गोल साबित हुआ। वहीं गोकुलम केरला को सत्र की पहली शिकस्त झेलनी पड़ी। श्रीनिधी डेक्कन के अब चार मैचों में नौ अंक हैं जबकि गोकुलम केरला के सात अंक हैं। दिन के अन्य मैचों में मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने कोलकाता में टीआरएयू एफसी को।-0 से शिकस्त दी जिसमें उसके लिए फास्लू रहमान ने 40वें मिनट में गोल दागा। यह मोहम्मडन की लगातार दूसरी जीत है जिससे वह छह अंक लेकर छठे स्थान पर पहुंच गया है।

गोवर्स की हैट्रिक, ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 7-4 से शिकस्त दी

एजेंसी। एडिलेड

ब्लैक गोवर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए हैट्रिक जमाई जिससे ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की हॉकी श्रृंखला के दूसरे मैच में रविवार को यहां भारत को 7-4 से करारी शिकस्त दी।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने तीसरे मिनट में ही पेनल्टी को गोल में बदलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। भारतीयों की खुशी हालांकि क्षणिक रही क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई टीम की तरफ से गोवर्स और जैक वेल्च ने दनादन गोल दागने शुरू कर दिए। गोवर्स ने शनिवार को पहले मैच में ऑस्ट्रेलिया की 5-4 से जीत में विजयी गोल दागा था और एक बार फिर से उन्होंने भारतीयों को निराश किया। उन्होंने 12वें, 27वें और 53वें मिनट में गोल किए, जबकि वेल्च ने 17वें और 24वें मिनट में गोल दागकर भारतीयों को पस्त किया। जेक वेटन (48वें) और जैकब एंडरसन (49वें) ऑस्ट्रेलिया के अन्य गोल स्कोरर थे। ऑस्ट्रेलिया की भारत के खिलाफ यह लगातार 12वीं जीत है। भारत की तरफ से हार्दिक सिंह (25वें) और मोहम्मद रहील ने दो अन्य गोल किए, जबकि हरमनप्रीत ने मैच के आखिरी मिनट (60वें) में अपना दूसरा गोल करके हार का अंतर कुछ कम किया।

कोचर बांग्लादेश ओपन में चौथे स्थान पर रहे

ढाका। भारत के करणदीप कोचर ने चार लाख डॉलर इनामी बंगबंधु कप गोल्फ बांग्लादेश ओपन के चौथे दौर में रविवार को यहां छह अंडर 65 का शानदार कार्ड खेला और संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहे। भारत में 2017 में पैनासोनिक ओपन में दूसरे स्थान पर रहने के बाद कोचर का यह सर्वश्रेष्ठ एशियाई टूर परिणाम है। वीर अहलावत (72) शीर्ष 10 में शामिल दूसरे भारतीय खिलाड़ी रहे। एक समय तीसरे स्थान पर रहे अहलावत संयुक्त आठवें स्थान पर रहे। थाईलैंड के दांताई बूनमा (13 अंडर 271) हमवतन कोसुके हमामोटो को एक शॉट से पछाड़ कर इसके विजेता बने। अन्य भारतीयों में अमन राज (70), एसएसपी चौरसिया (67) और खलिन जोशी (71) दो अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 22वें जबकि एस चिक्कारंगप्पा एक-अंडर के स्कोर के साथ संयुक्त 29वें स्थान पर रहे। उदयन माने (71) संयुक्त 47वें जबकि राशिद खान (76) और विराज मडप्पा (75) ने संयुक्त 57वें स्थान के साथ अपना अभियान खत्म किया।

नेमार ने सूजा हुआ टखना दिखाया विश्व कप में वापसी की योजना

आज स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे

एजेंसी। दोहा

नेमार अपने सूजे हुए टखने की एक तस्वीर पोस्ट करने के बावजूद फुटबॉल विश्व कप में वापसी की योजना बना रहे हैं। गुरुवार को सर्बिया पर ब्राजील की 2-0 की जीत के दौरान चोटिल होने के बाद नेमार के दाहिने टखने का इलाज चल रहा है।

टीम के डॉक्टरों ने कहा है कि नेमार सोमवार को स्विट्जरलैंड के खिलाफ होने वाले मैच में नहीं खेल पाएंगे लेकिन उन्होंने इस दिग्गज की वापसी की कोई समय-सीमा नहीं बताई है और ना ही यह बताया है कि वह वापसी कर भी पाएंगे या नहीं। नेमार ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि वह अपने करियर के सबसे कठिन क्षणों में से एक का सामना कर रहे हैं लेकिन वह वापसी की संभावनाओं के बारे में आशावादी लग रहे हैं। उन्होंने एक इंस्टाग्राम स्टोरी में अपने सूजे हुए टखने की दो तस्वीरें दिखाईं। नेमार ने लिखा, हां, मैं चोटिल हूं। दर्द भी है और पीड़ा भी होगी। लेकिन मुझे यकीन है कि मेरे पास वापसी का मौका होगा क्योंकि मैं अपने देश, अपने साथियों और खुद की मदद करने के लिए हर संभव कोशिश करूंगा। नेमार ने कहा कि वह इस विश्व कप का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। नेमार ने कहा, मेरे जीवन में कुछ भी आसान नहीं था या मुझे कुछ भी थाली में परोसकर नहीं दिया गया था। मुझे हमेशा अपने सपनों और अपने उद्देश्यों को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। नेमार को 2014 विश्व कप में भी चोट लगी थी जब कोलंबिया के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में लगी पीठ की चोट ने उन्हें टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था।

टी-20 क्रिकेट में अब भी विशुद्ध बल्लेबाजी के लिए जगह: स्टीड

एजेंसी। हैमिल्टन

हाल में संपन्न टी-20 विश्व कप में बल्लेबाजी को लेकर रूढ़िवादी रवैए के लिए आलोचना के बावजूद न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने रविवार को कहा कि इस ताबड़तोड़ प्रारूप में अब भी विशुद्ध बल्लेबाजी के लिए जगह है। न्यूजीलैंड की टीम एक बार फिर सीमित ओवरों का आईसीसी टूर्नामेंट जीतने में विफल रही जब उन्होंने इसी महीने ऑस्ट्रेलिया में सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा।

सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के बल्लेबाज खुलकर खेलने में विफल रहे और चार विकेट पर 152 रन ही बना सके। स्टीड ने भारत के खिलाफ दूसरा एकदिवसीय मैच बारिश की भेंट चढ़ने के बाद संवाददाताओं से कहा, मुझे पता है कि टी-20 क्रिकेट में दुनिया भर में कई खिलाड़ियों के बीच बहुत सारी बातचीत होती है लेकिन मेरी राय में हम जितने भी विकेट पर खेलते हैं यह हर समय ताबड़तोड़ बल्लेबाजी से नहीं जुड़ा होता। उन्होंने कहा, हमारे पास डेवोन (कॉनवे) और केन (विलियमसन) जैसे कुछ खिलाड़ी हैं जो संभवत: पहली गेंद से ताबड़तोड़ शैली के विपरीत कलात्मक बल्लेबाजी करते हैं। मेरे नजरिए से इन खिलाड़ियों के लिए अब भी जगह है। एक ही चक्र में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय विश्व कप जीतने वाली एकमात्र टीम इंग्लैंड पहली ही गेंद से निडर और आक्रामक क्रिकेट खेलकर सफलता हासिल करने में कामयाब रही है। स्टीड ने कहा, आपको अपनी टीम के भीतर संसाधनों को देखना होगा और फिर आपको यह देखना होगा कि रणनीति क्या है। कुछ टीमों को हमेशा बाउंड्री लगाने की सोच के साथ नुकसान हो रहा है।

न्यूजीलैंड के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज ने अपनी रणनीति का बचाव करते हुए कहा, लेकिन हमने कुछ मैचों में दिखाया कि खेलने का एक अलग तरीका भी है। चुनी गई टीम सर्वश्रेष्ठ 15 या 11 खिलाड़ी थे जो हमारे पास मौजूद थे। उन्होंने कहा, हमारे लिए यह अब भी हमारे खेलने का तरीका है। यह फिर से बदल सकता है, हमें अपनी खेल शैली की समीक्षा करते रहना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि हम खेल की गति के साथ बने रहें।

इंग्लैंड टीम 2005 के बाद टेस्ट श्रृंखला को पाकिस्तान पहुंची

एजेंसी। इस्लामाबाद

रावलपिंडी में आगामी गुरुवार से पहला टेस्ट मैच खेलेगी

इंग्लैंड की क्रिकेट टीम 2005 के बाद पाकिस्तान में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला खेलने के लिए रविवार तड़के इस्लामाबाद पहुंची। बेन स्टोक्स के नेतृत्व में इंग्लैंड की टीम इस्लामाबाद से सटे रावलपिंडी में आगामी गुरुवार से पहला टेस्ट मैच खेलेगी। तीन मैचों की श्रृंखला का दूसरा टेस्ट नौ से 13 दिसंबर तक मुल्तान में खेला जाएगा।

इंग्लैंड का दौरा 17 से 21 दिसंबर तक कराची में अंतिम टेस्ट के साथ खत्म होगा। इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया में टी-20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान में सात मैचों की टी-20 मैचों की श्रृंखला में जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड को पिछले साल यूएई में टी-20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान का दौरा करना था। लेकिन इससे पहले न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान पहुंचने के बाद दौरा रद्द कर दिया। जिसके इंग्लैंड ने भी अपने दौरे को टाल दिया था।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के पूर्वी पंजाब प्रांत के जिले वजीराबाद में मौजूदा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल होने के बाद इस दौरे को लेकर इंग्लैंड के खिलाड़ी चिंतित हो गए थे। स्टोक्स ने पिछले शुक्रवार को अबू धाबी में कहा था, इंग्लैंड को पाकिस्तान में टेस्ट क्रिकेट खेले काफी समय हो गया है। हाल ही में इमरान खान के साथ जो हुआ उससे थोड़ी चिंता हुई, लेकिन हमारे पास रेग डिकैसन हैं, जो कई वर्षों तक इंग्लैंड के साथ सुरक्षाकर्मी रहे हैं, और हमे उन पर भरोसा है।

इमरान ने पिछले सोमवार को लाहौर में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रमीज राजा और ब्रिटिश उच्चायुक्त से मुलाकात की थी और अधिकारियों को आश्वासन दिया था कि सरकार के खिलाफ उनके विरोध से इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पाकिस्तान दौरे में बाधा नहीं आएगी। पाकिस्तान ने पिछले 17 वर्षों में दो बार इंग्लैंड की मेजबानी यूएई में की थी।

अगले पांच साल तक अफगानिस्तान के घेरलू मैचों की मेजबानी करेगा यूएई

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) अगले पांच वर्षों तक अफगानिस्तान के घरेलू मैचों की मेजबानी करेगा। इस संबंध में दोनों देश के क्रिकेट बोर्ड ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अफगानिस्तान में राजनीतिक स्थिति को देखते हुए यह फैसला किया गया है। अफगानिस्तान अंतरराष्ट्रीय टीमों की मेजबानी नहीं करता है।

मेस्सी के गोल से अर्जेन्टीना ने मैक्सिको को हराया, 2-0 से दी मात

मेस्सी का यह विश्व कप में आठवां गोल है

लियोनल मेसी ने मैराडोना के रिकॉर्ड की बराबरी की

एजेंसी। लुसैल

दिग्गज खिलाड़ी लियोनल मेस्सी के गोल से अर्जेन्टीना ने यहां मैक्सिको पर 2-0 की जीत के साथ फीफा विश्व कप के नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी उम्मीद जीवंत रखी। मेस्सी ने एंजेल डि मारिया के पास पर 64वें मिनट में 25 यार्ड की दूरी से गोल दागा। टीम की ओर से दूसरा गोल स्थानापन्न खिलाड़ी एंजो फर्नांडिस ने 87वें मिनट में किया।

अर्जेन्टीना को पहले मैच में सऊदी अरब के खिलाफ 1-2 से शिकस्त का सामना करना पड़ा था। बुधवार को पोलैंड के खिलाफ होने वाले अंतिम ग्रुप मैच से पहले अर्जेन्टीना की टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर चल रही है और नॉकआउट में जगह बनाने के लिए उसे एक और जीत दर्ज करनी होगी। तैंतीस साल के मेस्सी अपना अंतिम विश्व कप खेल रहे हैं और यही एक बड़ा टूर्नामेंट है जिसका वह खिताब नहीं जीत पाए हैं। मेस्सी का यह विश्व कप में आठवां गोल है। उनके प्रतिद्वंद्वी पुर्तगाल के दिग्गज खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने भी विश्व कप में आठ ही गोल दागे हैं जबकि अर्जेन्टीना के महान खिलाड़ी डिएगो माराडोना के नाम पर भी इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में इतने ही गोल दर्ज हैं। कुछ लोगों का मानना है कि पेले और माराडोना की तरह खेल के महानतम खिलाड़ियों की सूची में शामिल होने के लिए मेस्सी को विश्व कप जीतने की जरूरत है।

मैक्सिको के खिलाफ जीत की बदौलत मेस्सी की यह उम्मीद अब भी बरकरार है। इस गोल से पहले मेस्सी के लिए मैच हताशा भरा रहा और प्रत्एक समय दो डिफेंडर उनके इर्द-गिर्द रहे और उन्हें खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया।

मेस्सी को विश्व कप में खेलते पहुंचे सबसे अधिक दर्शक

लुसैल। अर्जेन्टीना की मैक्सिको पर 2-0 की जीत के दौरान लियोनेल मेस्सी को खेलते हुए देखने के लिए स्टेडियम में 88,966 दर्शक मौजूद थे जो 28 वर्षों में फुटबॉल विश्व कप मैच में दर्शकों की सबसे बड़ी संख्या है। दोहा के उत्तर में स्थित लुसैल स्टेडियम में फीफा के अनुसार अमेरिका में 1994 के फाइनल के बाद से विश्व कप में सबसे अधिक दर्शकों की मेजबानी की गई। कैलीफोर्निया के पासाडेना में रोज बाउल में 91,194 लोग मौजूदा थे जिन्होंने नियमित समय में गोल रहित ड्रॉ के बाद ब्राजील को पेनल्टी शूटआउट में इटली को हराकर खिताब जीतते हुए देखा था। शनिवार की उपस्थिति लुसैल स्टेडियम में पिछले दो मैच के आंकड़े से कई सौ अधिक थी जब ब्राजील ने सर्बिया को हराया और अर्जेन्टीना को सऊदी अरब के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

पायनियर
पायनियर समूह को आवश्यकता है
1 - अनुभवी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (विज्ञापन प्रतिनिधि)- 8 प्रतिनिधि
एरिया - चंडीगढ़, रोहतक, सोनीपत, करनाल, यमुनानगर, पलवल, फरीदाबाद, गुरुग्राम (सैलरी रु- 25000-40000*)
2 - पायनियर हरियाणा वेब के लिए अनुभवी वेब पत्रकारों की आवश्यकता है।
(नोट - वेब पत्रकार, जो कंटेंट क्रिएटर हो, एंकरिंग और वॉयस ओवर कर सकता हो। खबरों के संकलन के अलावा वेब के सभी डिजिटल प्लेटफार्म हैंडिल कर सकता हो, मसलन फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर, .कॉम को सुरक्षित तरीके से चला सकता हो। (सैलरी - अनुभव के आधार पर)
3 - पायनियर हरियाणा के लिए चंडीगढ़/पंचकुला ब्यूरो के लिए सब एडिटर की आवश्यकता।
4 - पायनियर हरियाणा के लिए डेस्क के लिए सब एडिटर, जो पेज बनाना जानता हो, जिसे प्रूफ रीडिंग भी आती हो।
सैलरी रु- 20000-25000, स्थान - कार्यालय फरीदाबाद
*मार्केटिंग एग्जिक्यूटिव का टारगेट फिक्स रहेगा। टारगेट अचीवमेंट ही उनका अनुभव समझा जाएगा।
इच्छुक उम्मीदवार अपने बायोडाटा मेल कर दें।
sudhir.pioneer@sokkacreation.com, rakeshkapoorau@gmail.com
सम्पर्क सूत्र- 9582468441, 7838018038